Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Friday, 01 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 310 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

अगर हम सीखना चाहें, तो हर एक भूल हमें बड़े सबक सीखा सकती है।

हाईवे से मिली अलीजेह को अभिनय करने की...

SHARE

सेंसेक्स	:	66,988.44
निफ्टी	:	20,133.15

SARAFA

सोना	:	5,970
चांदी	:	82.02

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बनेंगे 14 देश

AYODHYA : श्रीराम जन्मभूमि पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 22 जनवरी 2024 को रामलीला कमेटी 'अयोध्या की रामलीला' ने रामलीला मंचन की विशेष तैयारी की है। 17 से 22 जनवरी तक होने वाले इस आयोजन में 14 से अधिक देशों के विदेशी कलाकार शिरकत करेंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है कि किसी भी रामलीला में इतनी बड़ी संख्या में विदेशी कलाकार शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेशी मेहमानों की मौजूदगी में 22 जनवरी को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसे समारोह पूर्वक मनाये जाने की तैयारी है। 'अयोध्या की रामलीला' के अध्यक्ष सुभाष मलिक के मुताबिक प्राण प्रतिष्ठा समारोह को और खास बनाने के लिए ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, रूस, मलेशिया, अमेरिका, इजरायल, अफगानिस्तान, जापान, चीन, जर्मनी, थाईलैंड, बांग्लादेश, पाकिस्तान और इंडोनेशिया जैसे देशों के कलाकार अयोध्या आने वाले हैं।

जम्मू-कश्मीर में छह स्थानों पर ईडी की छापेमारी

SRINAGAR : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में 250 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छह स्थानों पर तलाशी ली है। फर्जी रिवर झेलम कोऑपरेटिव हाउसिंग बिल्डिंग सोसाइटी के नाम पर हुई धोखाधड़ी मामले में जम्मू-कश्मीर राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड के पूर्व अध्यक्ष के ठिकानों पर भी छापेमारी की गई है। इसी मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने फर्जी हाउसिंग सोसायटी के अध्यक्ष हिलाल-ए-मीर, जे-के स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के तत्कालीन अध्यक्ष मोहम्मद शफी डार और अन्य के खिलाफ अगस्त, 2020 में भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत पहले ही आरोप पत्र दायर कर दिया था।

हमास आतंकियों की गोलीबारी में 3 की मौत

SRINAGAR : यरुशलम में गुरुवार को एक बस स्टॉप के पास गोलीबारी हुई। इसमें 3 इजराइली लोगों की मौत हो गई। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, दो फिलिस्तीनी हमलावरों ने अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दी। मौके पर 2 लोगों की मौत हो गई। 6 लोग घायल हुए। दो की हालत गंभीर है। पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में दोनों हमलावर मारे गए। ताजा अपडेट के मुताबिक, हमास ने इस हमले की जिम्मेदीर ली है। हमास ने कहा- यरुशलम के बस स्टॉप पर हमला करने वाले फिलिस्तीनी हमास मेंबर्स थे। दोनों भाई थे। मुराद (38) और इब्राहिम (30) हमले में शहीद हो गए। हमने 29 नवंबर को वेस्ट बैंक में हुई दो बच्चों की हत्या का बदला लिया।

पीएम मोदी ने देवघर एम्स में जन औषधि केंद्र का किया उद्घाटन

लाभुकों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए की बातचीत, बोले- मुझे खुशी है कि बाबा की भूमि से मुझे यह अवसर मिला

PHOTON NEWS DEOGHAR : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली से देवघर के एम्स स्थित 10 हजारवें पीएम जन औषधि केंद्र का ऑनलाइन उद्घाटन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने झारखंड के कई जन औषधि केंद्र के लाभुकों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बातचीत भी की। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे खुशी है कि बाबा की भूमि से मुझे उद्घाटन करने का अवसर मिला। अब गांव के लोगों को सस्ती दवा मिलेगी। उन्होंने कहा कि मेरी इच्छा यही है कि आपके पैसे बचने चाहिए। आपको बीमारी से भी बचाना और आपके जेब में भी पैसे बचाना। इसका मतलब है मोदी की दवाई की दुकान। यहां दो हजार से अधिक की दवाइयां में 50 से 90 फीसदी तक डिस्काउंट मिलेंगी। यहां कुल 1600 दवाइयां उपलब्ध होंगी।

10 हजारवें पीएम जन औषधि केंद्र के ऑनलाइन उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते पीएम मोदी।

मोदी ने लाभुकों से मिलने वाले फायदे के बारे में पूछा

प्रधानमंत्री ने देवघर के एक लाभुक से जन औषधि केंद्र के बारे में जाना और उनसे मिलने वाले फायदे के बारे में पूछा। प्रधानमंत्री के सवाल पर लाभुक ने कहा कि जन औषधि केंद्र से दवाई लेने से उनका 10 से 12 हजार रुपये का खर्च बच जाता है। प्रधानमंत्री ने झारखंड के रामगढ़ जिले में जन औषधि केंद्र चलाने वाली फार्मासिस्ट से भी इस विषय पर बातचीत की। देवघर एम्स में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने स्वास्थ्य केंद्र और जन औषधि केंद्र का निरीक्षण किया। केंद्रीय मंत्री मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला सशक्तिकरण और किसानों के विकास के बारे में बात की। केंद्र सरकार का लक्ष्य भारत को कृषि के क्षेत्र में उन्नत बनाना है। नमो ड्रोन दीदी को आज लॉन्च किया गया। इससे महिला कृषि के क्षेत्र में उन्नत बनेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है भारत को विकसित राष्ट्र बनाना, जिसकी राह पर भारत निकल पड़ा है। हर गरीब परिजन को सस्ते दर पर इलाज और सस्ती दर पर दवाइयां मिलें, प्रधानमंत्री का मुख्य उद्देश्य यही है।

पीएम ने कहा

- मोदी की दुकान में अब गांव के लोगों को मिलेगी सस्ती दवा
- आपको बीमारी से बचाना, आपके जेब में पैसे बचाना यही मेरी इच्छा
- दो हजार से अधिक की दवाइयां में 50 से 90 फीसदी तक मिलेगी डिस्काउंट
- सरकारी जेनरिक दवाइयों के साथ कुल 1600 दवाइयां होंगी उपलब्ध

विकसित भारत संकल्प यात्रा : लाभार्थियों को किया संबोधित

गरीब, युवा, महिला और किसानों के उत्थान से भारत विकसित होगा : PM

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों को वर्चुअली संबोधित किया। मोदी ने कहा कि पहले की सरकारें खुद को माई-बाप समझती थीं। पीएम ने आगे ये भी कहा कि मेरे लिए सबसे बड़ी जाति गरीब, महिलाएं, युवा और किसान हैं। इन्हें मजबूत बनाकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाएंगे। हमारे अमृत स्तंभ हैं- हमारी नारीशक्ति, हमारी युवा शक्ति, हमारे किसान और हमारे गरीब परिवार। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने लाल किले से गांव की दीदियों को ड्रोन दीदी बनाने की घोषणा की थी। मैंने देखा कि कोई दसवीं पास हैं, कोई 11वीं तो कोई 12वीं पास, लेकिन हजारों बहनों ने ड्रोन चलाना सीख लिया है। खेती में कैसे इसका उपयोग करना है, फर्टिलाइजर और दवाएं छिड़कने में कैसे इस्तेमाल करना है, ये सब उन्होंने सीख लिया है। अब इन ड्रोन दीदियों को नमन करने का मन करता है। इस योजना को मैं नमो ड्रोन दीदी नाम देता हूं। ये नाम इसलिए दे रहा हूं, क्योंकि हर गांव ड्रोन दीदी को नमन करता रहे। आने वाले समय में 15 हजार स्व सहायता समूहों को नमो ड्रोन दीदी कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा।

ओरमांझी में सिर कटी लाश का मिलने मामला : कोर्ट ने सुनाया फैसला, 95-95 हजार का लगाया जुर्माना

आखिरी सांस तक जेल में रहेंगे दोनों पति-पत्नी

CRIME REPORTER RANCHI : साल 2021 में रांची के ओरमांझी में मिले सिर कटी लाश मामले में आज सजा का ऐलान कर दिया गया है। इस मामले में न्यायधीश एमजे वर्मा की अदालत ने आरोपी शेख बेलाल और उसकी पत्नी अफशाना खातून को सजा सुनाई है। अदालत ने न केवल सजा सुनाई बल्कि दोनों पर जुमार्ना भी लगाया है। दोनों को जुमार्ने की राशि के रूप में 95-95 हजार रुपए देने को कहा है। वहीं अदालत ने कहा है कि अगर दोनों जुमार्ने की राशि अदा नहीं करते हैं तो दोनों को एक साल की सजा अतिरिक्त भुगतनी होगी। इस मामले में 25 नवंबर को अदालत ने दोनों को दोषी करार दिया था। साल 2021 के जनवरी महीने के पहले हफ्ते में राजधानी रांची से सटे ओरमांझी में सिर कटी लाश मिली थी। पुलिस ने पड़ताल के बाद इसे मांडर के लोयो गांव की सूफिया परवीन के रूप में की थी। इस हत्याकांड के पीछे पुलिस ने काफी मशक्कत कर सूफिया के पति बेलाल और उसकी पत्नी शब्बो खातून को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद से इस हत्याकांड की सुनवाई चल रही थी।

- 25 नवंबर को अदालत ने बेलाल और अफशाना को दिया था दोषी करार
- जनवरी 2021 में ओरमांझी में मिली थी सूफिया की सिर कटी लाश

आरोपी बेलाल

पीड़ित सूफिया

14 जनवरी 2021 को हुई थी गिरफ्तारी

सूफिया परवीन हत्याकांड मामले में पुलिस ने 14 जनवरी 2021 को बेलाल और उसकी पत्नी शब्बो को गिरफ्तार किया था। जानकारी के मुताबिक सूफिया की हत्या अवैध संबंध की वजह से की गई थी। इस मामले में अभियोजन पक्ष ने 19 गवाहों का बयान दर्ज कराया था। इसी घटना को इस घटना को लेकर रांची में जोरदार हंगामा हुआ था।

धमकी से डरकर की दी थी हत्या

बेलाल ने बताया था कि सूफिया ने उसे पहली पत्नी को छोड़ने को कहा था। ऐसा नहीं करने पर उसने जेल भेजने की धमकी दी थी। बेलाल पहले आर्म्स एक्ट केस में जेल जा चुका था। सूफिया ने ही उसे जेल भेजवाया था। जमानत पर बाहर निकलने के बाद सूफिया ने बेलाल को पहली पत्नी को छोड़ने कहा था। उसने बेलाल को फिर से लंबे समय के लिए जेल भिजवाने की धमकी दी थी। तब उसने पहली पत्नी शब्बो खातून के साथ मिल कर सूफिया को अपने रास्ते से हटाने की योजना तैयार की।

हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी : आरआरडीए और रांची नगर निगम को दिया निर्देश

सभी मकानों का स्वीकृत नक्शा प्रस्तुत करें : HC

SPECIAL REPORTER RANCHI : राज्य के नगर निकायों में नक्शे स्वीकृति में पैसों के खेल मामले में कोर्ट के स्वतः संज्ञान की झारखंड हाई कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। हाई कोर्ट के जस्टिस एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस बात पर कड़ी नाराजगी जताई कि अधिवक्ता लाल ज्ञान रंजन शाहदेव को जान से मारने की धमकी मिलने और उनके द्वारा एफआईआर दर्ज करने के एक सप्ताह का समय बीतने के बाद भी अब तक उन्हें सुरक्षा क्यों नहीं मुहैया कराया गया। कोर्ट ने अधिवक्ता एवं उनके परिवार को जल्द अंगरक्षक मुहैया करने का निर्देश राज्य सरकार को दिया। साथ ही एफआईआर दर्ज होने के बाद की गई कार्रवाई के संबंध में राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने मामले में आरआरडीए और रांची नगर निगम को निर्देश दिया है कि वे हरमू नदी के उद्गम स्थल डीएवी हेहल के समीप स्थित सभी मकानो का स्वीकृत नक्शा से सबंधित रिकार्ड अगली सुनवाई 6 दिसंबर को कोर्ट में प्रस्तुत करें।

- हरमू नदी के उद्गम स्थल पर स्थित मकानों का मांगा नक्शा
- अधिवक्ता को क्यों नहीं सुरक्षा मुहैया करायी

क्या है मामला

कोर्ट को बताया की हरमू नदी के उद्गम स्थल डीएवी हेहल, कटहल मोड़ के समीप नदी का अतिक्रमण कर लिया गया है। जो की नगर विकास एवं आवास विभाग की अधिसूचना का स्पष्ट उलंघन है। नदी तथा प्राकृतिक नाले के 10 से 15 मीटर तक निर्माण कार्य नहीं हो सकता है। उसके बाद भी नियम विरुद्ध रांची नगर निगम, आरआरडीए ने मल्टी स्टोरेज बिल्डिंग का नक्शा पास किया है। पूर्व में भी कोर्ट ने नदियों एवं प्राकृतिक नाले को अतिक्रमण मुक्त करने का आदेश दिया है। इस पर कोर्ट ने नदी के अतिक्रमण पर तीन वकीलों वाले एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करने का निर्देश दिया था और लाल ज्ञान रंजन नाथ शाहदेव के साथ स्थल जांच हेतु भेजा था व 30 नवंबर को रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करने को कहा था।

केमिकल प्लांट में अब तक 7 की जलकर मौत

SURAT : गुजरात के सूरत में बुधवार 29 नवंबर को एक केमिकल फैक्ट्री के स्टोरेज टैंक में ब्लास्ट होने से आग लग गई थी। इसमें मरने वालों की संख्या अब तक 7 हो गई है। हादसे के बाद 7 से 8 लोग लापता थे। करीब 24 घंटे बाद घटनास्थल से 7 कंकाल मिले। इसके बाद ही प्रशासन ने 7 लोगों की मौत की पुष्टि की। सभी की जलने से मौत हुई। ब्लास्ट में 20 लोग घायल हैं, जिनमें 8 की हालत नाजुक है। सूरत के फॉयर ब्रिगेड अधिकारी बसंत पारीक के मुताबिक, सचिन इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित फैक्ट्री में देर रात करीब दो बजे एक बड़े टैंक में रखे केमिकल में रिसाव हुआ।

अमित शाह पहुंचे रांची एयरपोर्ट पर स्वागत

RANCHI : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पहुंचे। यहां भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश, आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, रांची के सांसद संजय सेठ, विधायक नवीन जायसवाल, समरी लाल, पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर सहित पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद गृह मंत्री हेलीकॉप्टर से हजारीबाग जिले के मेरु कैंप के लिए रवाना हो गए। गृह मंत्री वहां रात्रि विश्राम करेंगे। फिर एक दिसम्बर को मेरु में बीएसएफ के 59वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे।

तेलंगाना में 64.12% वोटिंग कुछ जगह हुई छुटपुट झड़प

पिछले चुनाव से 9.25% ज्यादा मतदान

AGENCY HYDERABAD : तेलंगाना की 119 विधानसभा सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। चुनाव आयोग के मुताबिक, शाम 5 बजे तक राज्य में 64.12% मतदान हुआ। यह 2018 में हुए विधानसभा चुनाव के मुकाबले 9.25% ज्यादा है। तब 73.37% मतदान हुआ था। वोटिंग के दौरान छुटपुट झड़प की घटनाएं सामने आईं। हैदराबाद के चारमीनार विधानसभा क्षेत्र से हुसैनी आलम में कांग्रेस उम्मीदवार मुबीन पर हमला हुआ। उधर, वारंगल में मिनिस्टर एराबेल्ली दयाकर को मयलिवर गांव में ग्रामीणों ने रोक दिया। इस दौरान ग्रामीणों और मंत्री के समर्थकों में झड़प हुई। उन्हें कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। बीआरएस नेता और मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी के. कविता के खिलाफ केस दर्ज हुआ।

एग्जिट पोल- कांग्रेस को तेलंगाना में पूर्ण बहुमत का अनुमान

HYDERABAD : तेलंगाना में विधानसभा चुनाव की वोटिंग के बाद एग्जिट पोल आना शुरू हो गया है। 7 एग्जिट पोल में कांग्रेस को बढ़त दिख रही है। कांग्रेस को बहुमत के लिए जरूरी 60 से ज्यादा सीटें मिल रही हैं। वहीं मौजूदा सत्ताधारी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीएसआर) 101 सीटों से 50 पर सिमटती दिख रही है। भाजपा को ज्यादा से ज्यादा 10 सीटें ही मिल रही हैं। 2018 में तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भाजपा को सिर्फ एक सीट मिली तेलंगाना में 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को सिर्फ एक सीट मिली थी।

आज रात आठ बजे झारखंड लौट सकते सभी मजदूर

इंडिगो की फ्लाइट से पहुंचेंगे रांची, 15 मजदूरों के 12 परिजन भी होंगे साथ

PHOTON NEWS RANCHI : उत्तराखंड के उत्तरकाशी टनल हादसे में फंसे मजदूर अब बाहर निकल चुके हैं। इस हादसे के शिकार झारखंड के 15 मजदूर हुए थे। जिसमें राजधानी रांची के तीन मजदूर भी शामिल हैं। अब इन सभी को झारखंड लाया जाएगा। झारखंड सरकार ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। सभी 15 मजदूरों के साथ उनसे मिलने गए 12 परिजन भी साथ होंगे। सभी देर शाम आठ बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से सभी को उनके गंतव्य तक भेजा जाएगा। सभी मजदूर और उनके परिजन दिल्ली से इंडिगो की फ्लाइट से रांची लाए जाएंगे।

उत्तरकाशी टनल से निकले मजदूरों की तस्वीर।

17 दिन तक फंसे ये श्रमिक

ये मजदूर दीपावली के दिन से उत्तराखंड के निमार्णाधीन सिल्कियारा टनल में फंसे थे। काम के दौरान टनल धंस गया और उसमें काम कर रहे 41 कामगार दूसरी ओर फंस गए। इन्हें निकालने के लिए 17 दिन तक मशक्कत करनी पड़ी। अमेरिका से एक्सपर्ट बुलाए गए। हालांकि, अमेरिकी मशीन के ब्लेड टूट गए। इसके बाद टनल के ऊपर से वर्टिकल होल करके मजदूरों को निकालने के बारे में विचार किया गया। होल करना शुरू भी कर दिया गया था, लेकिन इसी बीच किसी ने रैट माइनिंग तकनीक अपनाने की सलाह दी। इसके बाद कामगारों ने काम फंसे सभी श्रमिकों को सुरक्षित निकाल लिया।

97 तेजस और 156 प्रचंड हेलिकॉप्टर खरीदेगी सेना, तीनों सेनाओं के लिए मंजूर किए 2.23 लाख करोड़ रुपये

दुश्मनों की अब खैर नहीं, और बढ़गी वायु सेना की ताकत

AGENCY NEW DELHI : केंद्र सरकार ने लम्बे इंतजार के बाद गुरुवार को वायु सेना के लिए 97 हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस एमके-1ए और 156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड खरीदने को मंजूरी दे दी। इसके अलावा नौसेना के लिए मध्यम दूरी की एंटी-शिप मिसाइलों को मंजूरी दी गई है। सेना के लिए टोड आर्टिलरी गन सिस्टम की खरीद को भी सरकार से मंजूरी मिल गई है। रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' को बढ़ावा देने के लिए 98 फीसदी हथियार घरेलू उद्योगों से खरीदे जाएंगे।

- नौसेना के लिए मध्यम दूरी की एंटी-शिप मिसाइलें खरीदने को मिली केंद्र की मंजूरी
- सेना के लिए खरीदे जाएंगे टोड आर्टिलरी गन सिस्टम, सीमा पर बढ़ेगी मारक क्षमता

घरेलू उद्योगों से खरीदे जाएंगे हथियार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में 2.23 लाख करोड़ रुपये के विभिन्न पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) के संबंध में मंजूरी दी गई। इसमें 2.20 लाख करोड़ रुपये के हथियार घरेलू उद्योगों से खरीदे जाएंगे, जो कुल मंजूरी का 98 फीसदी हिस्सा है। इससे भारतीय रक्षा उद्योग को 'आत्मनिर्भरता' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में पर्याप्त बढ़ावा मिलेगा। डीएसी सेना के लिए दो प्रकार के एंटी-टैंक युद्ध, एरिया डेनियल म्यूनिशन (एडीएम) टाइप-2 और टाइप-3 की खरीद के लिए एओएन को मंजूरी दे दी है, जो टैंक और बख्तरबंद को बेअसर करने में सक्षम हैं। अपनी सेवा अवधि पूरी कर चुकी इंडियन फील्ड गन (आईएफजी) को बदलने के लिए अत्याधुनिक टोड गन सिस्टम (टीजीएस) की खरीद के लिए एओएन दिया गया है, जो भारतीय सेना के तोपखाने का मुख्य आधार बन जाएगा। इसके अलावा 155 मिमी आर्टिलरी गन में उपयोग के लिए 155 मिमी नबलेस प्रोजेक्टाइल के लिए भी मंजूरी दी गई है, जो प्रोजेक्टाइल की घातकता और सुरक्षा को बढ़ाएगी। इसके अलावा नौसेना के लिए टी-90 टैंकों, स्वचालित लक्ष्य ट्रैकर (एटीटी) और डिजिटल बैसाल्टिक कंप्यूटर (डीबीसी) की खरीद और एकीकरण के लिए एओएन भी प्रदान किया गया है, जो प्रतिद्वंद्वी प्लेटफार्मों पर टी-90 टैंकों की लड़ाकू बढ़त बनाए रखने में मदद करेगा।

भारतीय अफसर पर आतंकी पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप

NEW DELHI : अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में न्यूयॉर्क पुलिस की एक चार्जशीट सामने आई है। इसमें एक भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप है। भारत के एक पूर्व सीआरपीएफ अफसर ने उसे पन्नू की हत्या की प्लानिंग करने को कहा था। बुधवार देर रात को सामने आई चार्जशीट में लिखा है कि भारतीय अफसर के कहने पर निखिल ने एक अपराधी से पन्नू के मर्डर के लिए कॉन्टैक्ट किया, लेकिन असल में वह एक अमेरिकी एजेंट था। इस एजेंट ने निखिल की पहचान एक और अंडरकवर अधिकारी से कराई, जिसने पन्नू का मर्डर करने की बात कही। इसके लिए करीब 83 लाख रुपए में डील हुई थी।

सितंबर तिमाही 7.6% की दर से बढ़ी देश की जीडीपी

AGENCY NEW DELHI : भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है। सितंबर तिमाही में भारत की जीडीपी में जबरदस्त तेजी आई है। देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.6 प्रतिशत रही, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 6.2 प्रतिशत थी। देश की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में स्थिर कीमतों पर 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी छमाही में यह 9.5 प्रतिशत थी। गुरुवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इसके साथ भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तीव्र आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने वाला देश बना हुआ है। चीन की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर इस जुलाई-सितंबर तिमाही में 4.9 प्रतिशत रही। जीडीपी से आशय देश में निश्चित अवधि में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य से है। एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार कृषि क्षेत्र में सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) वृद्धि दर 1.2 प्रतिशत रही जो 2022-23 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 2.5 प्रतिशत थी।

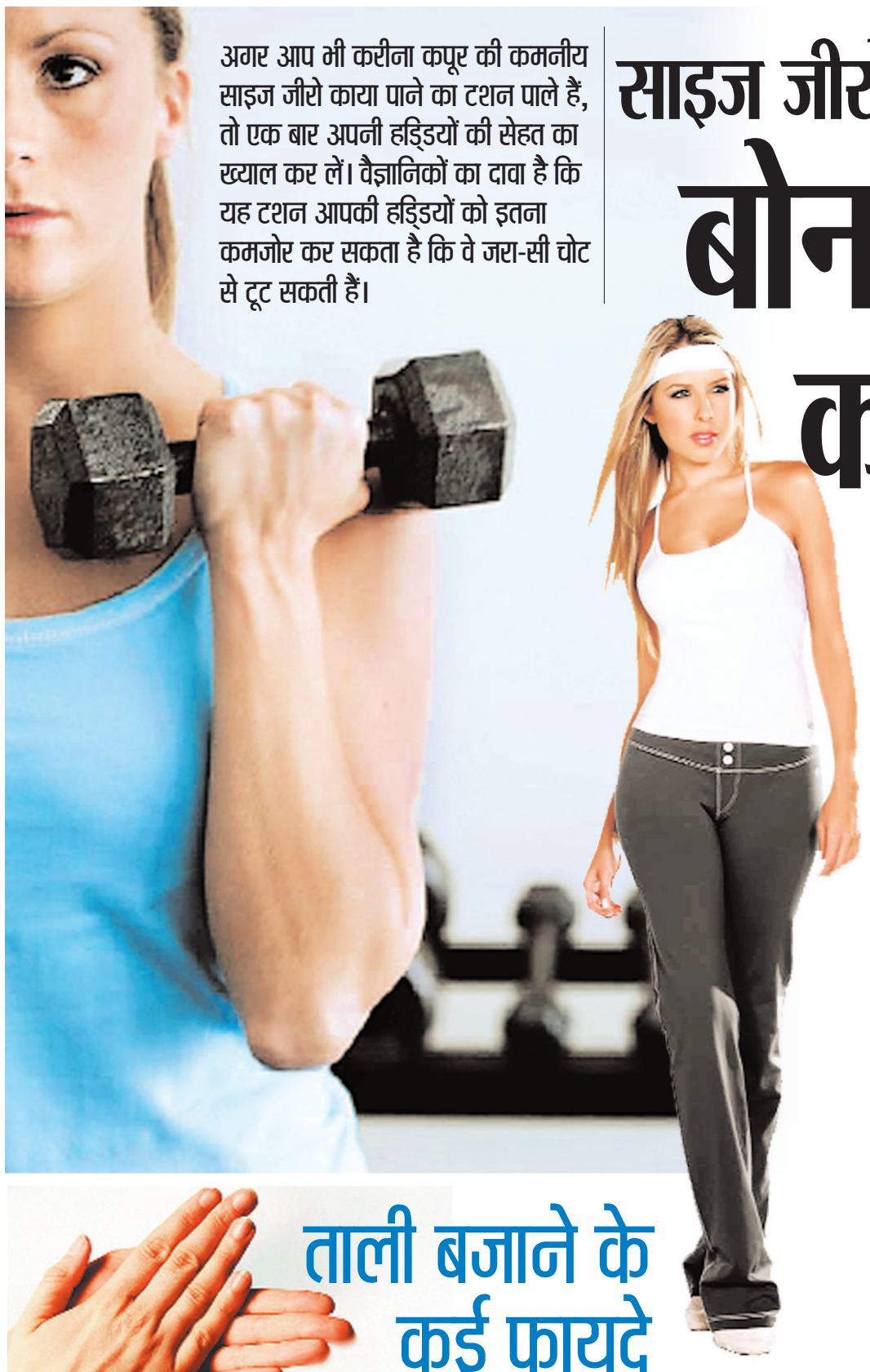

अगर आप भी करीना कपूर की कमनीय साइज जीरो काया पाने का टशन पाले हैं, तो एक बार अपनी हड्डियों की सेहत का ख्याल कर लें। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह टशन आपकी हड्डियों को इतना कमजोर कर सकता है कि वे जरा-सी चोट से टूट सकती हैं।

साइज जीरो के टशन में बोन होंगी कमजोर

रिसर्चरों के हवाले से यह छापा है कि हड्डियों की मजबूती सीधे तौर पर फैट के लेवल से जुड़ी है। इसका मतलब है कि पतले होने का दबाव हड्डियों के टूटने के खतरे को बढ़ा सकता है। साइज जीरो का भूत लड़कियों और महिलाओं में ज्यादा चढ़ता है, जबकि रिसर्चर्स का कहना है कि उनमें हड्डियों का मजबूत होना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि महिलाओं में हड्डियों के पतले होने या ऑस्टियोपरोसिस के अलावा कूल्हे की हड्डी टूटने का खतरा भी पुरुषों से तीन गुना ज्यादा होता है।

ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी के चीफ रिसर्चर प्रो. जॉन टोबियस कहते हैं कि लड़कियों पर पतले होने का दबाव बहुत ज्यादा होता है, लेकिन उन्हें समझना जरूरी है कि यह उनके बढ़ते हुए शरीर के लिए खतरा है और ऑस्टियोपरोसिस के खतरे को और बढ़ा देता है। लोग यह मानते हैं कि एक्सरसाइज वजन कम करने और हड्डियां मजबूत करने का काम साथ-साथ करती है, लेकिन यह एक हद तक ही सही है। अगर आप पैदल चल रहे हों, तो आपका वजन कम होगा, लेकिन हड्डियों का मजबूत होना जरूरी नहीं है। एक्सरसाइज में दौड़ने या कूदने का विकल्प हड्डियों को कुछ मजबूती जरूर देता है।

ताली बजाने के कई फायदे

हमारे देश में आरती या भजन गाते समय ताली बजाने की जो प्रथा है। यह वैज्ञानिक है और शरीर और स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक है। ताली बजाने से न सिर्फ रोगों के आक्रमण से रक्षा होती है, बल्कि कई रोगों का इलाज भी हो जाता है।

हाथों से नियमित रूप से ताली बजाकर कई रोग दूर किये जा सकते हैं। प्रतिदिन यदि नियमित रूप से कम से कम 1 या 2 मिनट ताली बजाई जाए तो शरीर की नसों का व्यायाम हो जाता है, रक्त प्रवाह तेज होता है। लगातार ताली बजाने से मानव शरीर में रोग प्रतिरोधक शक्ति की वृद्धि होती है।

एक्यूप्रेशर चिकित्सा विज्ञान की दृष्टि से देखा जाए तो हाथ की हथेलियों में शरीर के सभी आन्तरिक उत्सर्जन संस्थानों के बिन्दु होते हैं व ताली बजाने से जब इन बिन्दुओं पर बार-बार दबाव पड़ता है तो सभी आन्तरिक संस्थान ऊर्जा पाकर अपना काम सुचारु रूप से करते हैं- जिससे शरीर स्वस्थ और निरोग बनता है। ताली बजाने से शरीर की अतिरिक्त वसा कम होती है, जिससे मोटापा कम होता है, शरीर के विकार नष्ट होते हैं, वात, पित्त, कफ का संतुलन ठीक रहता है। ताली बजाना मन की प्रसन्नता का भी प्रतीक है। इस कारण प्रसन्नता में ताली बजाई जाती है।

कम्प्यूटर पर काम करते समय

मॉनीटर को इस प्रकार से रखें कि मॉनीटर का टाप आपकी आंखों की सीध में आए। स्क्रीन के ही स्तर पर एक डाक्युमेंट होल्डर भी रखें।

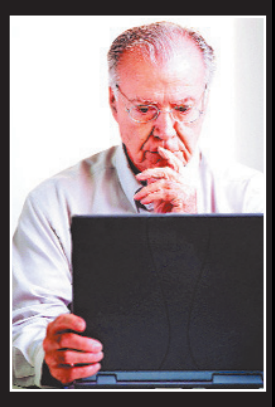

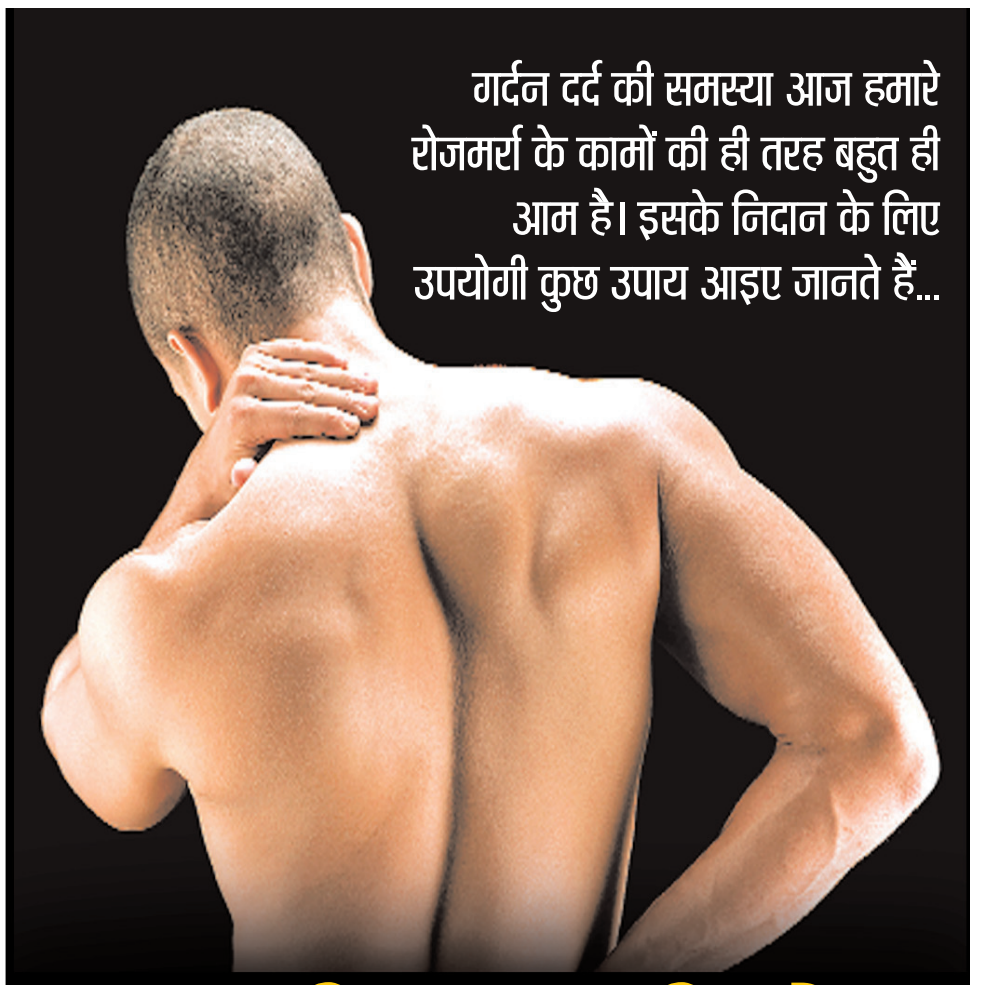

गर्दन दर्द की समस्या आज हमारे रोजमर्रा के कामों की ही तरह बहुत ही आम है। इसके निदान के लिए उपयोगी कुछ उपाय आइए जानते हैं...

गर्दन दर्द में कैसा करें व्यवहार

- गर्दन दर्द का कारण गर्दन को गलत दिशा में रखना तक हो सकता है। बहुत सी स्थितियों में गर्दन दर्द का कारक अधिक समय तक गर्दन की मांस पेशियों, लिगामेंट, टेंडन हड्डियों या जोड़ों का अधिक समय तक इस्तेमाल होता है।
- इसका कारण मांस-पेशियों और गले के जोड़ों में किसी प्रकार का सूजन या दबाव भी हो सकता है। सर्वाइकल स्पाइन में किसी भी प्रकार की चोट के कारण भी गर्दन दर्द हो सकता है, लेकिन ऐसा बहुत कम होता है।
- काम करते समय, पढ़ते समय, टी. वी. देखते समय या फोन पर बात करते समय गर्दन को अधिक समय तक आगे की ओर या गलत दिशा में रखना भी इस समस्या का जनक हो सकता है।
- ऐसी तकिया पर सिर रखकर सोना जो बहुत ज्यादा ऊंची या बहुत ज्यादा नीची हो, जिससे आपका सिर सही दिशा में ना रहता हो।
- अधिक समय तक चिंतक की स्थिति में बैठना। अधिक समय तक पेंटिंग का काम करना या शरीर के ऊपरी भाग का इस्तेमाल करने वाले काम करना।

अपनाएं ये उपाय

हालांकि गर्दन दर्द से बचने के बहुत से उपाय भी हैं जैसे आइस पैक लगाना, मसाज करना और दवाएं लेना, लेकिन सबसे अच्छा तरीका है बचाव की तकनीक अपनाना और निवारण, क्योंकि बचाव हमेशा इलाज से बेहतर होता है। हमारे शरीर के पोस्चर में थोड़ा सा भी परिवर्तन हमें दर्द से बचा सकता है।

सिर को सही मुद्रा में रखें

अपनी कुर्सी पर सीधा बैठ जाएं और अपने लोअर बैक को सपोर्ट दें। कुर्सी पर एक ही स्थिति में अधिक समय तक ना बैठें। गर्दन की मांस-पेशियों को आराम देने के लिए समय-समय पर छोटे ब्रेक लेते रहें।

हैडसेट या स्पीकर फोन का इस्तेमाल

अगर आप अधिक समय तक टेलीफोन का इस्तेमाल करते हैं तो ऐसे में आपको हैडसेट या स्पीकर फोन का इस्तेमाल करना चाहिए।

कार सीट की अपराइट पोजीशन

कार की सीट को अपराइट पोज़ीशन में रखने से आपके सर और लोअर बैक को सपोर्ट मिलेगा। ध्यान रखें ड्राइव करते समय आपको स्टीयरिंग व्हील तक पहुंचने में जहमत ना उठानी पड़े और आपके हाथ आराम की स्थिति में होने चाहिए।

सही तकिया का इस्तेमाल

विशेष तरह की सर्वाइकल तकिया जो ना बहुत ज्यादा ऊंची हो, ना बहुत ज्यादा नीची हो, उनसे गर्दन के दर्द से राहत मिलती है। तकिया को इस प्रकार रखें कि आपको किताबें हाथों में ना उठानी पड़े।

प्रापर लिफ्टिंग तकनीक से मिलेगी मदद

शरीर का भार घुटनों पर ना उठाकर पीठ के बल उठाना ज्यादा अच्छा होगा और इससे गर्दन दर्द से भी आराम मिलेगा। तीव्र गर्दन दर्द से बचाव के लिए विशेषज्ञ स्वस्थ आदतें बनाने की सलाह देते हैं। ऑफिस या घर में तनाव से बचें, मसल रिलैक्सेशन एक्सरसाइज और मसाज से भी दर्द से राहत मिलती है। ऐसे में टहलने जैसे एरोबिक व्यायाम की भी सलाह दी जाती है। विशेषज्ञ ऐसी सलाह देते हैं कि धूम्रपान से घाव भरने में समय लगता है, क्योंकि इससे रक्त के संचय की गति धीमी हो जाती है और टिश्यूज के बनने में भी समय लगता है। गर्दन दर्द एक सामान्य समस्या है, जिसका कारण किसी प्रकार का संक्रमण, सर्वाइकल स्पाइनल स्टेनोसिस या यूर्मेटायड आर्थराइटिस हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से सम्पर्क करना और सही तरीके की चिकित्सा लेना ही अच्छा विकल्प है। हममें से बहुत से लोगों के लिए गर्दन दर्द व्यस्त जीवनशैली या बुरी मुद्रा का प्रतीक है। इसका समाधान निकालना भी एक दर्द है, इसलिए अच्छा होगा कि गर्दन दर्द के कारणों से बचें, क्योंकि सर्वाइकल कालर भी आज फैशन से बाहर है।

जानें अनार के औषधीय गुण

हृदय रोग में एथिरोस्क्लेरोसिस एक ऐसा रोग है, जिसमे धमनियों में जमाव (एथिरोमा) होने से धमनियों के दीवारे मोटी और कठोर हो जाती है, जिससे धमनी का रास्ता संकरा हो जाता है। इसमें रक्त के बहाव में रुकावट आती है। अनार धमनियों के अवरोध को खोलता है। यह तथ्य नवीनतम वैज्ञानिक खोजों से सिद्ध हो गया है। अनार रक्तवाहिनियों की आंतरिक लाइनिंग को अच्छा बनाते हुए रक्तचाप को संतुलित रखकर तथा एलडीएल से होने वाली हानि से बचाकर हृदय और रक्तवाहिनियों को सुरक्षा प्रदान करता है।

- धमनियों के अवरोधों को खोलने के लिए अनार का रस सदा सालों-साल 50 मिली, (आधा कप) पियें। शुरुआत में एक बार, फिर तीन बार पीते रहें या मीठे अनार खाते रहें।
- अनार के सेवन से ब्लड शुगर, एलडीएल या एचडीएल, कोलेस्ट्रोल लेबल पर भी कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। हृदय, गुर्दे और यकृत के कार्यों में भी कोई दिक्कत नहीं आती।
- हृदय की धड़कन को सुचारु रूप से चलने रहने नियंत्रित रहने हेतु 15 ग्राम अनार के ताजे पते बहूत बारीक पीसकर आधा गिलास पानी घोलकर छानकर पीयें। अनार का शरबत नित्य पीने से लाभ होता है।
- गर्भाशय का बाहर आना, क्रीमी होना, सोरायसिस, दाद, रक्तविकार इन समस्याओं में अनार के पते 4 किलोग्राम, ले कर पानी में धोकर छाया मं सुखाकर पीसकर बारीक छान ले, इसकी एक चम्मच पानी में नित्य एक बार फंकी लेते रहना लाभप्रद है।
- टीबी यानी राजयक्ष्मा) में अनार का रस लगातार पीने से लाभ मिलता है।
- 200 ग्राम तिल के तेल में अनार के पतों का रस एक किलो मिलाकर उबालें। उबालने पर जब तेल ही बचे तब ठंडा करके छानकर बोतल में भर लें।
- नित्य सोते समय इस तेल की मालिश से स्तन सुदृढ़ होते हैं। साथ में एक चम्मच अश्वगंधा चूर्ण गर्म दूध से सुबह-शाम लें।
- अनार के छिलके को सुखाकर बारीक पाउडर बनाकर गुलाब जल के साथ मिलाकर उबटन की तरह लगाने से त्वचा के दाग, चेहरे की झाइयां भी नष्ट हो जाती है। अनार छीलकर दाने निकलकर, सामान मात्रा में पपीते के गुदे में मिलाकर बारीक पीसकर चेहरे पर लेप करके आधे घंटे बाद धोएं।
- गर्भावस्था में उल्टी की समस्या से निजात पाने के लिए अनार खाएं, अनार का शर्बत पीएं, उल्टियां बंद हो जाएंगी। प्रात:काल अनार का रस पीने से उल्टी नहीं आती।
- अनार रक्तवर्धक है, इससे त्वचा चिकनी बनती है, रक्त-संचार बढ़ता है। यह मूर्च्छा में, हाइपरटेंशन, अम्लपित्त, एसिडिटी, मूत्र जलन, उलटी, जी-मचलना, खट्टी-डकारें, घबराहट, प्यास आदि में लाभप्रद है।

अनार को राजसिक फल भी कहते हैं। यह स्वादिष्ट मधुर, मीठा होता है और कई प्रकार के रोगों में औषधि के भी रूप उपयोग किया जाता है। इसके कुछ प्रमुख गुणों के बारे में आइए जानते हैं।

HC : दारोगा के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट पर कार्रवाई में रोक

जामताड़ा के एसीजेएम कोर्ट ने जारी किया था वारंट, हाईकोर्ट ने बरकरार रखा अपना आदेश

SPECIAL REPORTER RANCHI : दारोगा हरीश पाठक के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट की कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। इस मामले की सुनवाई जस्टिस गौतम कुमार चौधरी के अदालत में हुई। कोर्ट ने 20 नवंबर 2019 को जारी हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। बता दें कि हरीश पाठक के खिलाफ जामताड़ा जिला के नारायणपुर थाना में दर्ज कांड संख्या 154/2016 मामले की सुनवाई 20 नवंबर 2019 को हाईकोर्ट के जस्टिस आनंदा सेन की अदालत में हुई थी। जिसमें इस मामले में आगे की कार्रवाई पर रोक लगाई गई थी। इस आदेश को हाईकोर्ट ने बुधवार को हुई सुनवाई के बाद जारी रखा है। झारखंड पुलिस के दारोगा हरीश कुमार पाठक के खिलाफ बीते चार नवंबर को कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया था। पुलिस हिरासत में मो। मिन्हाज की मौत के चर्चित मामले में जामताड़ा के एसीजेएम कोर्ट ने हरीश पाठक को गिरफ्तार करने का आदेश जारी किया था, साथ ही कोर्ट में पेश करने का निर्देश जामताड़ा पुलिस को दिया था। इसके बाद जामताड़ा पुलिस ने वारंट की कॉपी सीटीसी मुसाबनी एसपी को भेजी, ताकि वारंट का निपटारा किया जा सके। हरीश पाठक वर्तमान में पुलिस मुख्यालय में प्रतिनियुक्ति पर पोस्टेड हैं।

क्या है मामला

बता दें कि हरीश जामताड़ा जिले के नारायणपुर में थाना प्रभारी थे। इसी दौरान तीन अक्तूबर 2016 को एक विवादित पोस्ट करने के आरोप में मो। मिन्हाज नाम के युवक को गिरफ्तार कर थाना लाया गया था। जहां मिन्हाज की मौत हो गई थी। उसकी मां ने आरोप लगाया था कि बेटे की थाना में बेरहमी से पिटाई की गई थी, जिससे वह मर गया। परिजनों के बयान पर नारायणपुर थाने में केस संख्या 154/2016 दर्ज हुआ। सीआईडी ने इस मामले में 2018 में हरीश को दोषी पाते हुए चार्जशीट दायर की थी। इसके बाद सीआईडी ने जांच बंद कर दी थी।

रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की जमानत याचिका पर ईडी से जवाब तलब, 20 दिसंबर को अगली सुनवाई

SPECIAL REPORTER RANCHI : बरियातू रोड स्थित सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की अवैध तरीके से खरीद बिक्री मामले में रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन की ओर से दायर जमानत याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को हुई। मामले में हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति दीपक रोशन की कोर्ट ने मामले में ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 20

दिसंबर निर्धारित की है। ईडी कोर्ट ने छवि रंजन की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट में जमानत के लिए गुहार लगाई है। मामले को लेकर ईडी ने छवि रंजन के खिलाफ ईसीआईआर 1/2023 दर्ज किया है।

बता दें कि इस मामले में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन और बड़गाई के राजस्व कर्मचारी सहित 18 लोगों के 22 ठिकानों पर 13 अप्रैल को ईडी ने छापेमारी की थी। इस दौरान बड़ी संख्या में जमीन के फर्जी डीड , मुहर एवं अन्य कागजात ईडी को मिले थे। जिसके बाद 14 अप्रैल को ईडी ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इन पर जमीन के दस्तावेज में छेड़छाड़ करने का आरोप था, बाद में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को इस मामले में संलिप्तता के आधार पर 4 मई को गिरफ्तार किया गया था। जमीन खरीद बिक्री मामले को लेकर बरियातू थाना में छवि रंजन के खिलाफ कांड संख्या 141 /2022 दर्ज किया गया है।

साहिबगंज के पत्थर कारोबारी कृष्णा साहा की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में 7 दिसंबर को होगी विस्तृत बहस

SPECIAL REPORTER RANCHI : 1000 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी साहिबगंज के पत्थर कारोबारी कृष्णा साहा की जमानत याचिका पर आंशिक सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति गौतम कुमार चौधरी कोर्ट ने ईडी के आग्रह को देखते हुए जमानत पर बहस के लिए 7 दिसंबर की तिथि निर्धारित की। ईडी कोर्ट ने पूर्व में कृष्णा साहा की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, इसके बाद उनकी ओर से

हाई कोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दाखिल की गई है। दरअसल, 5 जुलाई को 10 घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने उसे देर रात गिरफ्तार कर लिया था। ईडी समन भेजकर 5 जुलाई को रांची स्थित ईडी के जोनल कार्यालय बुलाया था। एक हजार करोड़ के अवैध पत्थर खनन मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच कर रही ईडी कृष्णा के ठीकने पर जुलाई 2022 में छापेमारी की थी। साहिबगंज जिले के बड़हरवा निवासी कृष्णा साह को सीएम के बरहेट विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा का खास सहयोगी माना जाता है। कृष्णा साह के अवैध पत्थर खदान में दो मजदूरों की दुर्घटना में मौत हो गई थी। जांच के क्रम में ईडी ने पूर्व में कृष्णा साह के बड़हरवा के चंपांडे मौजा के पत्थर खदान की ड्रोन से मापी ली थी। वहां के कर्मियों के मोबाइल व कागजात भी जब्त किए गए थे। छानबीन में जानकारी मिली थी कि लीज एरिया से कई गुणा अधिक खनन किया गया है। ईडी की कार्रवाई के बावजूद कृष्णा साह के खान में अवैध खनन जारी था। इसकी जानकारी ईडी को मिली है, जिसके बाद ही ईडी ने उसे गिरफ्तार किया था।

शहीद हुए पुलिसकर्मियों के परिजनों को मिली सहायता राशि

सब इंस्पेक्टर अमित के परिजनों को 25 व कांस्टेबल गौतम को मिला 15 लाख रुपये

CRIME REPORTER RANCHI : नक्सल अभियान में बलिदान हुए पुलिसकर्मियों के परिजनों को गुरुवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में डीजीपी ने सहायता राशि का चेक सौंपा। पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले में बीते 14 अगस्त को नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में बलिदान हुए सब इंस्पेक्टर अमित तिवारी के परिजन को 25 लाख और कांस्टेबल गौतम कुमार के परिजनों को 15 लाख रुपये एक्सीडेंटल इंश्योरेंस के रूप में एसबीआई की ओर से पुलिस सैलरी पैकेज के तहत हुए एमओयू के तहत दिया गया। मौके पर

शहीद हुए जवानों के परिजनों को चेक सौंपते डीजीपी अजय कुमार सिंह।

- 14 अगस्त को नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में शहीद हुए थे दानों जवान
- एसबीआई की ओर से पुलिस सैलरी पैकेज के एमओयू के तहत मिली सहायता
- नक्सलियों के खिलाफ झारखंड में चल रही निर्णायक लड़ाई

झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ झारखंड में निर्णायक लड़ाई चल रही है। इस लड़ाई में हमारे जवान और अफसर बिना किसी भय के भाग ले रहे हैं। इस दौरान उन्हें अपनी प्राणों की आहुति भी देनी पड़ रही है। शहीद के परिजनों के साथ पुलिस मुख्यालय हमेशा खड़ा है। इस अवसर पर एडीजी मुरारी लाल मीणा, संजय आनन्द राव लाठकर, प्रिया दूबे, आईजी अखिलेश झा, एवी होमकर सहित अन्य अधिकारी और बैंक कर्मी मौजूद थे।

प्रति वृक्ष पांच यूनिट मुफ्त बिजली के लिए संयुक्त कार्ययोजना तैयार

जेबीवीएनएल व वन विभाग मिलकर करेगा काम

PHOTON NEWS RANCHI : प्रति वृक्ष पांच यूनिट मुफ्त बिजली देने की योजना का एलान राज्य सरकार ने किया है। इसके लिए वन विभाग, नगर निकाय और बिजली विभाग के लिए संयुक्त कार्ययोजना तैयार की गयी है। योजना मुख्य रूप से शहरी क्षेत्र के लिए है। ऐसे में बिजली बोर्ड योजना लागू करने के लिए नगर निगम और नगर परिषद् के साथ मिल कर काम करेगा। झारखंड बिजली वितरण निगम की ओर से वन विभाग को इस संबंध में पत्र भेज दिया गया है। जिसमें योजना की सारी जानकारी दी गयी है। वरीय अधिकारियों की मानें तो जिन जिलों में स्मार्ट मीटर नहीं लगाया जा रहा है, उन जिलों में पहले योजना लागू की जायेगी। फिलहाल कोडरमा जिले से योजना लागू करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए कोडरमा नगर परिषद् की ओर से सूचना जारी की गयी है। बता दें कि पौधरोपण को बढ़ावा देने के लिए योजना लागू की गयी है। योजना का लाभ पहुंचाने के लिए व्यापक तौर पर प्रचार प्रसार किया जायेगा।

पहली बार ट्रैफिक थाना का निरीक्षण, जब्त सामानों को रखना होगा सुरक्षित

गाड़ियों को जब्ती सूची के साथ लाएं थाना

CRIME REPORTER RANCHI : ट्रैफिक एसपी कुमार गौरव ने गोंदा यातायात थाना का निरीक्षण किया। राजधानी में पहले बार किसी यातायात थाना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ट्रैफिक एसपी ने आदेश दिया कि किसी भी गाड़ी को पकड़ा जाए तो उसे थाना में जब्ती सूची के साथ लाया जाए। अगर थाना में किसी व्यक्ति के द्वारा पूरी कागजात दिखाने के बाद गाड़ी ले जाया जाता है तो फिर भी उसका डिटेल रखा जाए। थाना का मालाखाना ठीक से रखा जाए। रजिस्ट्रर में हर सामान का डिटेल होना चाहिए। थाना में जब प्रभारी बदले तो मालखाना का चार्ज भी बदला जाए। थाना में जब्त सामान को ठीक ढंग से रखा जाए ताकि जप्त किया हुआ सामान खराब नहीं हो पाए। ट्रैफिक के जवानों का डिटेल थाना में होना चाहिए ताकि यह पता चला सके कि कौन जवान किस जगह पर तैनात है। जवानों का डिटेल होने से यह पता चलेगा कि किस इलाके में जवानों को परेशानी हो रहा है और यातायात को ठीक करने के लिए और किस किस इलाके में पोस्ट की जरूरत है। शहर में जितने भी ट्रैफिक पोस्ट है उसमें बिजली का कनेक्शन लेना जरूरी है। कनेक्शन रहने से लाइट, पंखा और मोबाइल चार्ज करने की सुविधा मिलेगी। इसके लिए जल्द ही बिजली विभाग को पत्र लिखा जाएगा। ट्रैफिक एसपी गौरव कुमार का कहना है कि आने वाले दिनों में लालपुर, चुटिया और जगन्नाथपुर यातायात थाना का भी निरीक्षण किया जाएगा। शहर में लोगों को जाम की समस्या का सामना नहीं करना पड़े इसके लिए कई तरह के कदम उठाए जा रहे है।

विधानसभा विस्तारक प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम में मरांडी ने दिए टिप्स, कहा

विचारों और नीतियों से ही मिलेगी जीत

कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी।

PHOTON NEWS RANCHI : भारतीय जनता पार्टी के विधानसभा विस्तारक का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम चिरौंदी स्थित शगुन बैंक्वेट हॉल में गुरुवार को प्रारंभ हुआ। इसका विधिवत उद्घाटन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने किया। अभ्यास वर्ग में उपस्थित विधानसभा विस्तारकों से अपने लंबे राजनीतिक अनुभव को साझा करते कई टिप्स दिए। उन्होंने विस्तारकों को अपनी बातें कम बोलते हुए सामने वाले की बातें अधिक सुनने का सुझाव दिया। कहा कि बेवजह बहस करके किसी को पराजित नहीं किया जा सकता है। बल्कि विचारों और नीतियों से जीत हासिल किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने विस्तारकों को क्षेत्र भ्रमण के दौरान किसी कार्यकर्ता के घर ही भोजन करने का भी सुझाव दिया। इस दौरान केंद्र सरकार की उपलब्धियों की जानकारी पूरी मजबूती से लोगों तक पहुंचाने की बात कही गई। अभ्यास वर्ग को संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह और प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा ने भी संबोधित किया।

अमित शाह की झारखंड यात्रा से पहले बांग्लादेशी घुसपैठ पर बीएसएफ के डीजी नितिन अग्रवाल का बड़ा बयान

घुसपैठ अब बहुत बड़ा मुद्दा नहीं रह गया : नितिन अग्रवाल

CRIME REPORTER RANCHI : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की झारखंड यात्रा से ठीक पहले सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक ने बांग्लादेशी घुसपैठ पर बड़ा बयान दिया है। राज्य सरकारों की ओर से बार-बार बांग्लादेशियों की घुसपैठ के लिए केंद्र सरकार और बीएसएफ को दोषी करार दिया जाता है। ऐसे में बीएसएफ के डीजी नितिन अग्रवाल का यह बयान बहुत अहम है। उन्होंने बीएसएफ का बचाव करते हुए कहा है कि सीमा सुरक्षा बल के जवान बांग्लादेशी घुसपैठियों की घुसपैठ रोकने की हरसंभव कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत से बांग्लादेश की सीमा करीब 4,000 किलोमीटर से भी ज्यादा लंबी है। इनमें से 30 फीसदी 1200 किलोमीटर ऐसे इलाके हैं, जो नदी किनारे हैं। नदी किनारे फेंसिंग करना संभव नहीं है। बीएसएफ के डीजी ने कहा है कि अगर वर्तमान स्थिति की बैत करें, तो घुसपैठ अब बहुत बड़ा मुद्दा नहीं रह गया है। उन्होंने यह भी कहा कि बड़ी संख्या में दलालों को गिरफ्तार किया गया है। उन एजेंट्स को भी पकड़ा गया है, जो बांग्लादेशियों को घुसपैठ में मदद करते हैं। नितिन अग्रवाल ने यह भी बताया कि हाल में कुछ ऐसे घुसपैठियों को भी पकड़ा गया है।

बीएसएफ के डीजी नितिन अग्रवाल।

बीएसएफ ने सीमा पर बनाई इलेक्ट्रॉनिक दीवार

बीएसएफ के डीजी ने कहा कि जहां सीमा की घेराबंदी करना संभव नहीं है, वहां इलेक्ट्रिक उपकरणों के जरिए घेराबंदी की गई है। यह एक तरह की इलेक्ट्रॉनिक दीवार है। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर फेंसिंग का काम नहीं हो पा रहा है, क्योंकि वहां जमीन अधिग्रहण का मामला लटका हुआ है। बीएसएफ के स्थापना दिवस पर हजारीबाग में बीएसएफ के डीजी ने कहा कि इस बार हजारीबाग में स्थापना दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। यह अच्छी बात है। अब तक जो कार्यक्रम सिर्फ राजधानी दिल्ली में होते थे, वे अब देश के अन्य हिस्सों में भी आयोजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने अच्छी तैयारी की है। अगर हमारा यह प्रयोग सफल रहा, तो हमारी सीमा आने वाले दिनों में और सुरक्षित हो जाएगी।

राज्य में मन रहा बीएसएफ का स्थापना दिवस

नितिन अग्रवाल ने कहा कि झारखंड में ऐसे कार्यक्रमों से अच्छा संदेश जडाता है। अब यहां के लोग भी बीएसएफ के युद्ध कौशल के बारे में जान सकेंगे। इससे युवा बीएसएफ की ओर आकर्षित होंगे। इसमें अपना करियर बनाने के बारे में सोचेंगे। सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन बरामद होने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए हमने कुछ उपकरणों का इस्तेमाल करना शुरू किया है। इसलिए हम ड्रोन को मार गिराने में सफल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही हमें पता चलता है कि कोई ड्रोन हमारी सीमा में घुसा है, हमारे जवान उस पर फायरिंग शुरू कर देते हैं। ड्रोन का पता लगाने के लिए हम जानवरों की भी मदद ले रहे हैं।

BRIEF NEWS

एयरपोर्ट की डीपीआर तैयार करने के लिए राज्य सरकार ने 1.10 करोड़ रुपये कराया उपलब्ध

ROURKELA : राउरकेला हवाई अड्डे के पूरी तरह से चालू होने की उम्मीद है। राज्य सरकार ने राउरकेला सहित जयपुर और अमरदा रोड (मयूरभंज) हवाई अड्डों के बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए कदम उठाए हैं। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विसेज (आरआईटीई) को दिया गया है। प्रत्येक एयरपोर्ट की डीपीआर तैयार करने पर राज्य सरकार औसतन 1 करोड़ 10 लाख रुपये यानी कुल 3.3 करोड़ रुपये खर्च करेगी। अगले 4 महीनों के भीतर डीपीआर तैयार कर प्रस्तुत कर दिया जाएगा। बाद में इन तीनों हवाईअड्डों को नया लुक दिया जाएगा और उसी मान्यता के लिए आवेदन किया जाएगा। सरकार हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे को विकसित करने और इसे पूरी तरह से चालू करने के लिए पहले ही कदम उठा चुकी है। 4 जुलाई को, वाणिज्य और परिवहन विभाग की प्रमुख सचिव, उषा पाढ़ी ने राउरकेला हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे की समीक्षा करने और एक इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम और नाइट लैंडिंग सिस्टम स्थापित करने के लिए भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण (एएआई) को लिखा। इस संबंध में होने वाले व्यय सह डीपीआईआर तैयार करने का अनुरोध किया गया। हालाँकि, एएआई द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। लेकिन अब राइटस को सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले राज्य परिवहन विभाग ने राइट्स संस्था से लिखित में सलाहकार बनने का अनुरोध किया था। पिछले महीने की 8 तारीख को उक्त संस्था ने शर्तों के साथ अपनी सहमति दे दी थी। बाद में राज्य सरकार भी सभी शर्तों के अधीन राज्य के तीन हवाई अड्डों को विकसित करने पर सहमत हो गयी। राज्य सरकार की इस पहल की आम तौर पर सराहना की गयी है। राउरकेला जागरूक नागरिक मंच के अध्यक्ष बिमल बिशी समेत विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के कई गणमान्य लोगों ने शुभकामनाएं दी हैं।

एक्सप्रेस ट्रेन की पैंट्री कार का पहिया उतरा

SAMBALPUR : संबलपुर स्टेशन के वाशिंग लाइन में जम्मू-तवी एक्सप्रेस का पेंट्री कार कोच पटरी से उतर गया है। ट्रेन कल देर रात संबलपुर स्टेशन पहुंची और यात्रियों को उतारने के बाद एयर लेने के लिए खेतराजपुर वाशिंग लाइन की ओर जा रही थी। इसी दौरान ट्रेन का पैंट्री कार डिब्बा पटरी से उतर गया।

ओडिशा की लड़की, स्क्वाड्रन लीडर मनीषा पाढ़ी देश की पहली महिला एडीसी बनीं

BHUBANESWAR : ओडिशा की भारतीय वायु सेना (आईएएफ) अधिकारी मनीषा पाढी देश की पहली महिला एड-डी-कैंप (एडीसी) बनने का दुर्लभ गौरव हासिल किया है। स्क्वाड्रन लीडर मनीषा 2015 बैच की भारतीय वायु सेना अधिकारी हैं। बुधवार को मिजोरम के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने मनीषा को भारतीय सशस्त्र बलों की पहली महिला एडीसी नियुक्त किया।

सुंदरगढ़ जिला उड़िया स्कूल में नौवीं-दसवीं कक्षा के छात्रों को मध्याह्न भोजन देने का निर्देश

ROURKELA : राउरकेला के विधायक एवं श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक के अनुरोध पर अब नौवीं एवं 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन मिलेगा। श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक ने मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित इस ओर दिलाया था। मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार सुंदरगढ़ जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी स्कूलों को नौवीं और 10वीं के विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश जारी किए है। यह विशेष रूप से जिले के गरीब आदिवासी छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। जिला अध्यक्ष हालू मुंडारी, कार्यकारी अध्यक्ष प्रद्यमन त्रिपाठी, सावनेत्री संध्या लकड़ा, एम्मा एक्का, नगर अध्यक्ष गगन पंडा, आर्तो मोहराना, कुना देव, महिला नेता, जोछना नायाक, युवा नेता सुशांत राउत, छात्र नेता डी. अभिक कुमार ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

नगर निगम में स्लम इ्वेलर्स एसोसिएशन के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण आयोजित

ROURKELA : राउरकेला नगर निगम ने स्लम ड्वेलर्स एसोसिएशन (एसडीए) के लिए एक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया है। छह दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण शिविर के पांचवें दिन राउरकेला के 14 एसडीए के अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्षों ने भाग लिया। स्लम विकास एसोसिएशन के सदस्यों के लिए यह क्षमता निर्माण प्रशिक्षण शिविर आने वाले दिनों में स्लम निवासियों की प्रस्तावित परियोजनाओं को लागू करने के साथ-साथ स्लम के भीतर संपत्ति के उचित रखरखाव के लिए आयोजित किया गया है।

चैंबर सदस्य केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मिले

ROURKELA : राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने राउरकेला दौरे पर आए भारत सरकार के शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से राउरकेला हाउस में शिष्टाचार मुलाकात की। कार्यक्रम में चैंबर अध्यक्ष सुनील कयाल, उपाध्यक्ष गुरमीत सिंह व नरेश आर्य, साधारण संपादक प्रभात टिब्रवाल, वित्तीय संपादक संतोष अग्रवाला प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

मजिस्ट्रेट ने सुरक्षा में तैनात महिला सिपाही से मांग लिया पानी

महिला पुलिसकर्मी और मजिस्ट्रेट के बीच कहासुनी

पटना: पशुपालन विभाग की ओर से आज पटना के दीघा घाट पर गंगा नदी में मछली छोड़ने का कार्यक्रम निर्धारित था। जिसमें पशुपालन मंत्री आफाक आलम के द्वारा 4 लाख मछली के बच्चों को गंगा नदी में छोड़ा गया। इसी दौरान कार्यक्रम में पानी-नाश्ता को लेकर पुलिसकर्मी और वहां तैनात मजिस्ट्रेट आपस में भिड़ गए। बात इतनी बढ़ गई कि पुलिसकर्मियों से मजिस्ट्रेट की कहासुनी होने लगी।

दरअसल मजिस्ट्रेट ने सुरक्षा में तैनात महिला सिपाही से पानी मांग लिया। जिसके बाद वहां मौजूद पुरुष सिपाही ने इसका विरोध कर दिया। इसके बाद पुलिसकर्मी गोलबंद हो गए और माहौल गरमा गया। नाव के पायलट ने बीच-बचाव कर के दोनों को अलग हटाया। पर्सनल नौकर नहीं हैं, सरकार के नौकर हैं इस विवाद के बाद मजिस्ट्रेट बीपी गुप्ता ने अपनी ओर से सफाई भी पेश की। पुलिसकर्मियों के सामने पानी पिलाने को लेकर मानवता का उधारण भी दिया। ये भी कहा कि दुश्मन को भी कोई पानी पिला देता है। अगर बुरा लगा तो हम ही पीला देते हैं। कई बार आपलोगों को पानी अपनी बोतल से पिलाया भी है। फिर भी आपलोग ऐसे कह रहे हैं। लेकिन वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने इसे इगो पर ले लिया और मिजिस्ट्रेट से भिड़ गए। इस दौरान एक महिला सिपाही ये कहती नजर आई कि सुबह 6 बजे से हैं। हमें कौन पूछने वाला है। अपनी साथी से अपनी भाषा में ये कहते दिखी कि हमनी के सरकार के नौकर हई सन... सरकार के काम कर तानी सन... कौनो पर्सनल नौकर ना हई.. जवन पर्सनल काम करी... हम सरकार के नौकर हैं, सरकार का काम करेंगे... आपका क्यों करेंगे। अपने जा के नाश्ता कर रहा है, एकबार भी पूछा है कि तुमलोग भी हमारे अंदर में आया है खाया पिया कि नहीं...आया पानी मांगने अपना मुंह नहीं देखा। डीएसपी से करूंगा शिकायत मजिस्ट्रेट बीपी गुप्ता ने कहा कि पानी मांगा था, लेकिन उसने ना कह दिया। कुछ दिन पहले मेरे साथ इनलोगों की ड्यूटी थी, उस समय जब इन लोगों के पास पीने के लिए पानी नहीं था तो अपने घर से लाकर पिलाता था। मैं इनके डीएसपी को जो पुलिस लाइन का है, उसको फोन कर के बोलूंगा। कमान का फोटो मैंने ले लिया है।

सदर अस्पताल में मरीजों ने किया हंगामा

मुजफ्फरपुर : के सदर अस्पताल में मरीजों ने जमकर हंगामा और बवाल काटा। पैथोलॉजी लैब कि जांच रिपोर्ट नहीं मिलने के कारण मरीजों ने हंगामा किया। अस्पताल प्रबंधक ने आक्रोशित मरीजों को शांत करवाया। परेशानी जल्द खत्म होने के आश्वासन पर हंगामा शांत हुआ।बता दे कि मुजफ्फरपुर के सदर अस्पताल में शनिवार से पैथोलॉजी लैब कि जांच रिपोर्ट नहीं दिए जाने को लेकर गुरुवार को मरीजों ने हंगामा किया। मरीजों का आरोप है कि जांच रिपोर्ट नहीं दी जा रही है। कर्मियों के द्वारा अगले दिन आने के लिए कहा जाता है। हमलोग काफी दूर से आते है। बार बार आने जाने में परेशानी होती है। नई बाजार के मोहम्मद मुन्ना ने बताया कि एक सप्ताह पहले डॉक्टर को दिखाया था। जांच के लिए लिखा गया है। जांच के लिए खून देने के बाद रिपोर्ट के लिए कई बार आकर लौट चुके हैं। लेकिन जांच रिपोर्ट नहीं दी जा रही है। वही तिलक मैदान की तबस्सुम आरा ने बताया कि 3 दिनों से सर्वर नहीं होने के कारण रिपोर्ट नहीं दी जा रही है। जिसके कारण डॉक्टर भी दवा नहीं लिख रहे है। पूरे मामले को लेकर डाटा ऑपरेटर मिथिलेश कुमार का कहना है कि रिपोर्ट अब ऑनलाइन जारी होता है। सर्वर नहीं होने के कारण रिपोर्ट जारी नहीं हो पा रही है। सदर अस्पताल के प्रबंधक प्रवीण कुमार ने बताया कि जांच की सेवा चल रही है। रिपोर्ट का प्रिंट आउट नहीं निकल पा रहा है। शॉर्ट सर्किट होने के कारण नेट डिस्टर्ब हो गया है। टेक्नीशियन काम पर लगा हुआ है। जल्द ही इसको ठीक कर लिया जाएगा। सर्विस चल रहा है। सैंपल लिया जा रहा है। मशीन से भी जांच हो रही है। जल्द ही रिपोर्ट भी प्रिंट आउट होने लगेगा।

शराब तस्कर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर : आरपीएफ की ओर से मुजफ्फरपुर से गुजरने वाली तकरीबन सभी लंबी दूरी की ट्रेनों में सघन सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इसके अलावा, छिनतई और चोरी की घटना को अंजाम देने वाले शातिरो पर भी नकेल कसने का सिलसिला जारी है। इसी बीच आरपीएफ की टीम ने 15708 आम्रपाली स्पेशल एक्सप्रेस से शराब की खेप बरामद की है। ट्रेन से एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है ट्रेन के एसी कोच बी पांच में शराब की खेप रखी गई थी।आरपीएफ की टीम जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान कोच के भीतर आरोपी पुलिस को देखकर निकलने की कोशिश करने लगा। जिसके बाद आरपीएफ की टीम ने आरोपी को पकड़ा। उससे पूछताछ की। उसके सामान की तलाशी ली गई। इस दौरान उसके पास से करीब 5 लीटर से अधिक विदेशी शराब बरामद की गई। आरोपी की पहचान दरभंगा जिले के कुशेश्वर स्थान थाना के 20 वर्षीय रितेश कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है की रितेश के बैग को टीम ने खोला। उसके अंदर से शराब मिला। आरपीएफ ने बैग को जब्त कर लिया। बताया जा रहा है की जब्त शराब महंगे ब्रांड के है। इसके अलावा 15708 आम्रपाली एक्सप्रेस के। एक के शौचालय से एक ट्रॉली बैग और दो पिट्ठू बैग भी जब्त किया गया है। जिसमे से 42 बॉटल विदेशी शराब रखी हुई थी। मामले में मुजफ्फरपुर आरपीएफ प्रभारी इंस्पेक्टर मनोज कुमार यादव ने बताया की जांच के दौरान शराब बरामद किया गया है। एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया की यात्री के सामान की चोरी करने वाले, झपटमार गिरोह, ट्रेन में ज्वलनशील पदार्थ की चेकिंग और प्रतिबंधित तस्करी को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसको लेकर ट्रेन के पैंट्री कार से लेकर एसी कोच तक की सघन तलाशी ली जा रही है।

नदी में डूबने से बुजुर्ग की गई जान

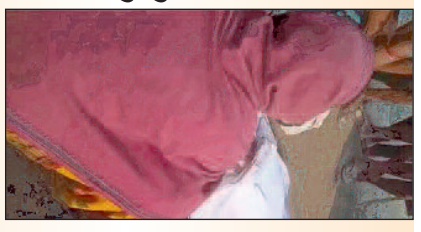

भागलपुर: के घोंघा थाना क्षेत्र में नदी नहाने गए बुजुर्ग की डूबने से मौत हो गई। घटना गुरुवार की अहले सुबह का है। रोजाना के तरह सोहन मंडल नदी नहाने के लिए जाता था। नदी नहा कर घर वापस लौटते थे, तभी वह खाना खाते थे। लेकिन गुरुवार की सुबह जब नदी नहाने गए, तब पैर फिसल जाने के कारण खाई में चला गया। जिसके कारण से डूब गए। इधर परिजनों को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे। नदी में काफी खोजबीन किया। लेकिन कोई आता पता नहीं चला। इधर, परिजन और स्थानीय लोगो ने घंटो कड़ी मशक्कत से खोजबीन की। तभी तोलिया नदी से शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान घोंघा निवासी सोहन मंडल (60) के रूप में की गई है। सोहन किसान थे, रोजाना हो खाना खाने से पहले नदी नहाते थे। बुधवार को भी नदी नहाने के लिए गया। लेकिन पैर फिसल जाने के कारण खाई में चला गया जिससे की डूबने से मौत हो गई परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के पुत्र ने बताया कि बुधवार को नदी में नहाने के लिए गायब था, तभी अचानक खाई में जाने के कारण हादसा हो गया हम लोग घंटे खोजबीन की तब शव बरामद हुआ। मायागंज अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इधर, घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने बताया कि शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिए हैं। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नीतीश के विधायक ने तेजस्वी के डॉक्टर को बताया गुंडा

बेगूसराय: सदर अस्पताल में खऊ्र विधायक राजकुमार सिंह और डॉक्टर चंदन कुमार के बीच जमकर बहस हुई। इस बहस का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें मटिहानी विधायक उंगली दिखाकर डॉक्टर को धमकाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने डॉक्टर को गुंडा बताया। कहा कि तुम खुद बीमार हो, तुम्हारा इलाज करवाते हैं। तुम्हारी नौकरी खत्म कर दूंगा, इस पर डॉक्टर ने जवाब दिया कि कोई दिक्कत नहीं है। विधायक राजकुमार सिंह डॉक्टर चंदन कुमार के बात करने के तरीके से नाराज दिखे, वहीं डॉक्टर बार-बार बोलते नजर आ रहे हैं कि बर्न वार्ड में उनकी ड्यूटी नहीं है, उनकी ड्यूटी इमरजेंसी में है।

ब्लास्ट में घायल बच्चों से मिलने पहुंचे थे विधायक

दरअसल, मंगलवार को नावकोठी थाना क्षेत्र के पहसारा गांव में एक खंडहरनुमा घर में रखे बम के ब्लास्ट होने से बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनका इलाज सदर अस्पताल सहित अन्य जगहों पर चल रहा है। राजकुमार सिंह घायल बच्चों से मिलने सदर अस्पताल पहुंचे थे। परिजनों ने सदर अस्पताल में इलाज में लापरवाही बरतने की शिकायत की थी।विधायक परिजनों की शिकायत पर नाराज हो गए। उसके बाद ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर के कैबिन में पहुंच गए। वहां डॉक्टर चन्दन कुमार को खूब खरी खोटी सुनाई। इस दौरान विधायक काफी गुस्से में नजर आए। राजकुमार सिंह ने सिविल सर्जन प्रमोद कुमार को फोन कर सदर अस्पताल बुलाया तो डॉक्टर प्रमोद सिंह सदर अस्पताल पहुंचे।

लॉटरी के माध्यम से मिलेगा किसानों को कृषि यंत्र

किशनगंज (बिहार): किशनगंज अनुदान आधारित कृषि यांत्रिकीकरण राज्य योजना में इस वर्ष बदलाव लाया गया है।पूर्व में पहले आओ, पहले पाओ के नियमों को बदलकर लॉटरी के माध्यम से किसानों के चयन का निर्णय लिया गया है।

पूर्व में पहले आवेदन करने वालों को प्राथमिकता दी जाती थी। लेकिन इस वर्ष इस नियम में बदलाव किया गया है।अब प्राप्त आवेदनों को लॉटरी के माध्यम से चयन किया जाएगा। डीईओ कृष्णा नन्दन चक्रवर्ती ने कहा कि डीएम तुषार सिंगला के निर्देश पर आगामी पांच एवं छह दिसंबर को कृषि कार्यालय परिसर में लॉटरी के माध्यम से किसानों का चयन किया जाएगा।प्रत्येक कोटि के यंत्र के लिए अलग अलग लॉटरी होगा। चयनित किसानों को ऑन स्पॉट यंत्र अनुदान पर उपलब्ध करवाया जाएगा।

कि अच्छा फैसला लेने जा रहे हैं लेकिन वार्ड मेंबर और तमाम जनप्रतिनिधि ठगी के शिकार हो रहे हैं। जायसवाल ने कहा कि बिहार सरकार को पंचायती राज जनप्रतिनिधियों का अधिकार छीनने का कोई हक नहीं है। अगर केंद्र सरकार है, बिहार सरकार है तो पंचायती राज भी सरकार है। उन्हें पूरा अधिकार दिया जाना चाहिए।

पुरानी रंजिश को लेकर

भाई-बहन को कुल्हाड़ी से मारा

जमुई: सोनो थाना क्षेत्र बैजाडीह गांव में पुराने विवाद को लेकर दबंगों ने भाई-बहन को मारपीट कर घायल कर दिया। जिसे परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया। घायल की पहचान सोनो थाना क्षेत्र बैजाडीह गांव निवासी राकेश कुमार व उसकी बहन सिंकु देवी के रूप में हुई है।

घटना को लेकर घायल राकेश ने बताया कि वह बाजार से अपने घर लौट रहा था, तभी गांव स्थित बजरंगबली मंदिर के पास बलराम, नीतीश, शंकर सहित आधा दर्जन लोगों ने मारपीट शुरू कर दी। एक व्यक्ति ने कुल्हाड़ी हमला कर दिया। बीच-बचाव में पहुंची युवक की बहन सिंकू देवी के साथ भी दबंग ने मारपीट की। जिसमें दोनोंभाई-बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके पहले भी दबंगों ने मारपीट की थी।

जिसको लेकर सोनो थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी। विवाद को लेकर दोबारा कुल्हाड़ी से मार कर घटना को अंजाम दिया गया। पीड़ित ने थानाध्यक्ष से मामले की जांच कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। घटना की जानकारी के बाद सोनो थाने की पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। सोनो थानाध्यक्ष चितरंजन कुमार ने बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट की घटना सामने आई है। पीड़ित के बयान पर पूरे मामले की जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त डायरी

आपसी विवाद में भिड़े दो पक्ष

समस्तीपुर: जिले के अंगार घाट थाना क्षेत्र के चैता वार्ड 10 मोहल्ला में आपसी विवाद को लेकर बुधवार रात लोगों ने दंपति को मारपीट कर जख्मी कर दिया। हल्ला होने पर जुटे लोगों ने दंपति को सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। जख्मी दंपति प्रमोद दास और उनकी पत्नी संजू देवी का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। घटना के संबंध में प्रमोद दास ने बताया कि उनके पड़ोसी सीताराम दास से इनका पूर्व से भी विवाद चल रहा था। रात पानी गिराने को लेकर विवाद बढ़ गया। पहले सीताराम और उनके परिवार की महिलाओं ने गाली गलौज की जब उनकी पत्नी संजू देवी गाली देने से मना की, तो लोगों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। यह देख वह बीच-बचाव करने पहुंचे तो लोगों ने उनके साथ भी मारपीट की। हल्ला होने पर जब आसपास के लोग जुटे तो बीच बचाव कर मामला शांत कराया। वहीं ग्रामीणों के सहयोग से उसे मध्य रात्रि समस्तीपुर सदर अस्पताल लाया गया। जहां दोनों का उपचार चल रहा है। सदर अस्पताल प्रशासन ने घटना की जानकारी नगर पुलिस को दी है। उधर नगर थाना अध्यक्ष विक्रम आचार्य ने कहा कि सदर अस्पताल की सूचना पर पुलिस पदाधिकारी को सदर अस्पताल पीड़ित का बयान लेने के लिए भेजा गया है। मामला अंगार घाट थाना क्षेत्र का है बयान संबंधित थाना में प्राथमिक के लिए भेजा जाएगा।

सिविल कोर्ट में नोटरी पब्लिक नियुक्त किए गए शिवजी राम

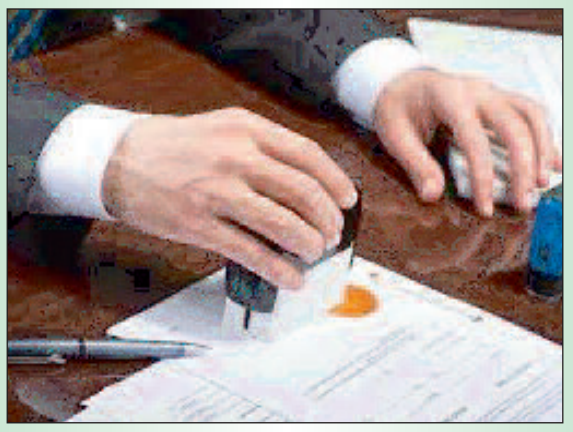

आदापुरः प्रखंड अंतर्गत नकरदेई पंचायत की सरपंच ललिता देवी के पति सह बेलवा पंचायत के न्यायमित्र शिवजी राम, अधिवक्ता मोतिहारी सिविल कोर्ट के नोटरी पब्लिक नियुक्त किए गए हैं। उनका चयन विधि विभाग द्वारा निर्धारित परीक्षा उत्तीर्णता के बाद हुआ है। वे लंबे समय से मोतिहारी सिविल कोर्ट में वकालतन प्रैक्टिस करते आ रहे हैं।उनके नोटरी पब्लिक बनाए जाने पर बसपा के प्रदेश महासचिव चंद्रकिशोर पाल, पूर्व प्रमुख मो.नुरुल हसन, स्थानीय मुखिया राम एकबाल राय, सरपंच ललिता देवी, पूर्व मुखिया अनिल कुमार गिरि उर्फ बच्चा गिरि, भाजपा के सामंत कुमार जोशी, समाजसेवी हरेंद्र प्रसाद यादव, रामबालक राय, कुंदन यादव आदि ने प्रसन्नता जताते हुए इस नई उपलब्धि से अभिवंचित वर्ग के लोगों को लाभान्वित होने की अपेक्षा की है।

केसरिया महोत्सव के दूसरे दिन मैथिली ठाकुर ने बांधा समा

मोतिहारी: के ऐतिहासिक केसरिया बौद्ध स्तूप में आयोजित तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव के दूसरे दिन लोक गायिका मैथिली ठाकुर और नीतू कुमारी नूतन पहुंची। अपनी सुरीली आवाज से महोत्सव में मौजूद लोगों को झूमा दिया।

केसरिया महोत्सव के दूसरे दिन कार्यक्रम में भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री मोतिहारी सांसद राधामोहन सिंह, बिहार सरकार के पूर्व मंत्री प्रमोद कुमार सहित कई विधायक सहित गणमान्य लोगों की उपस्थित थे।

आकर्षण का केंद्र रही प्रदर्शनी

इस दौरान कार्यक्रम में मैथिली ठाकुर व नीतू कुमारी नूतन समा बांध दिया। अपनी गीतों से महोत्सव में चार चांद लगा दिया। मैथिली ठाकुर ने अपने कई भजनों व चर्चित गीतों के माध्यम से लोगों का दिल जीत लिया।सबसे बड़ा बौद्ध स्तूप का लेजर शो से दिखाया गया। विश्व का सबसे बड़ा केसरिया बौद्ध स्तूप में भगवान बौद्ध पर आधारित लेजर शो की प्रदर्शनी दिखाई गई। जो आकर्षण का केंद्र बना रहा।

कोरोना काल के बाद पहली बार आयोजन

पूर्व केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह ने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा बौद्ध स्तूप है। कोरोना काल के बाद पहली बार आयोजन किया गया है। यह आयोजन सफल रहा, इस महोत्सव को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा गया। केसरिया महोत्सव की शुरूआत 1992 से शुरू हुआ। पहले गांव के लोग चंदा इकट्ठा कर के किया करते थे। 2007 में नीतीश सरकार ने उसे सरकारी स्तर पर मानना शुरू किया। बीच में पांच वर्ष किसी कारण बस नहीं मनाया जा सका था।र्रवाई कर बांग्लादेशी नागरिक को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

एमआरजेडी कॉलेज विष्णुपुर में हुआ आयोजन

ताइक्वांडो प्रतियोगिता में बक्सर की सृष्टि ने जीता स्वर्ण पदक

बक्सर: बक्सर जिले की बेटी सृष्टि कुमारी ने स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। बेगूसराय में आयोजित ताइक्वांडो प्रतियोगिता में भाग लिया था। जहां बिहार के 27 जिलों से 600 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। जिसमें सृष्टि कुमारी का बेहतर प्रदर्शन रहा। इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक मिलने के साथ ही लोगों की बधाइयां और शुभकामनाएं भी मिला रही है। वहीं,

सृष्टि राष्ट्रीय स्तर पर इस खेल में बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है।ताइक्वांडो खेल के सचिव संजय सिंह और कोच शैलेश सिंह ने कहा कि राज्यस्तरीय बालिका ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन एमआरजेडी कॉलेज विष्णुपुर, बेगूसराय में किया गया था।14/17/19 उम्र के नीचे वाली बालिकाओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 25 नवंबर से से 28 नवंबर तक किया गया। 19 और 59 किलोग्राम वजन में सृष्टि कुमारी ने बेहतर प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। सृष्टि को उम्मीद है कि वह राष्ट्रीय स्तर पर भी स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश व जिले के नाम सहित अपना व अपने अभिभावकों का नाम रोशन करेगी। सृष्टि ने मेडल दिखाते फोटो शेयर कर खुशी जाहिर की है।

प्रदेश में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए खर्च किये नौ हजार करोड़ रुपये

योगी सरकार ने साढ़े छह साल में 5 हजार किमी सड़क का बिछाया जाल

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर युद्धस्तर पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा निर्देश पर पिछले साढ़े छह साल में गांव, तहसील, ब्लॉक मुख्यालय, अंतरराष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय सीमा वाले मार्ग, चीनी मिल क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र एवं धर्मार्थ मार्ग के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और पुनर्निर्माण पर युद्धस्तर पर काम हुआ है। इस दौरान प्रदेश भर में 5 हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों का जाल बिछाने का कार्य किया गया है। इसके लिए योगी सरकार ने करीब नौ हजार करोड़ की धनराशि खर्च की है। 26 तहसील और 131 ब्लॉक मुख्यालयों को दो लेन से जोड़ा गया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 में सूबे की कमान संभालते ही पीडब्ल्यूडी को प्रदेश में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के निर्देश दिये थे। शासन ने पीडब्ल्यूडी को 26 तहसील मुख्यालयों और 153 ब्लॉक मुख्यालयों को दो लेन मार्ग से जोड़ने के निर्देश दिये थे। इसके लिए विभाग को 1617 किलोमीटर की सड़क के लिए 2,653 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई थी। वहीं विभाग की ओर से 26 तहसील मुख्यालय और 131 ब्लॉक मुख्यालय को दो लेन से जोड़ दिया गया है, जबकि शेष 22 ब्लॉक मुख्यालय को दो लेन से जोड़ने का काम तेजी से चल रहा है। इनमें से 16 ब्लॉक मुख्यालय में 99 प्रतिशत, 3 ब्लॉक मुख्यालय में 74 प्रतिशत, 2 ब्लॉक मुख्यालय में 24 प्रतिशत और एक ब्लॉक मुख्यालय में 49 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। वहीं पीडब्ल्यूडी ने शेष 1 तहसील और 10 ब्लॉक मुख्यालय को दो लेन से जोड़ने के लिए 48

किलोमीटर की सड़क के लिए 174 करोड़ का प्रस्ताव शासन को भेजा है। इसी तरह 25 शहरों से होकर गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय/अंतरराज्यीय सीमा वाले मार्गों के विकास के लिए 94 मार्ग स्वीकृत किए गए हैं। यहां पर 1,126 किलोमीटर की सड़क के लिए 2,171 करोड़ की धनराशि दी गई। इनमें से 81 मार्ग का काम पूरा कर लिया गया है, जबकि 13 मार्गों पर काम चल रहा है, जहां 6 मार्गों का काम 99 प्रतिशत और 7 मार्गों का काम 24 प्रतिशत पूरा कर लिया गया। गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए 1,679 करोड़ खर्च किए गए 250 से अधिक आबादी के गांवों को मुख्य मार्ग (.5 किलोमीटर से कम दूरी) से कनेक्ट करने के लिए 1,928 कार्य स्वीकृत किए गए। ऐसे में 2,107 किलोमीटर की सड़क के लिए 1,679 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई। इनमें से 563 कार्य पूर्ण कर लिये गये हैं। वहीं 1,087 अनजुड़े गांवों को मुख्य मार्ग से कनेक्ट करने के लिए प्रस्ताव दिया गया है। इसी तरह प्रदेश के चीनी मिल परिक्षेत्र में मार्गों के पुनर्निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए 1,074 कार्यों को चिन्हित किया गया है। ऐसे में 1,127 किलोमीटर की सड़क के लिए 384 करोड़ का प्रस्ताव भेजा गया है। इन कार्यों की शासन से हरी झंडी मिलते ही काम शुरू कर दिया जाएगा,वहीं दूसरे चरण में 626 मार्गों के लिए 200 करोड़ खर्च किए जाएंगे। औद्योगिक, लॉजिस्टिक पार्क के लिए सड़क के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और निर्माण के लिए 2 कार्य स्वीकृत किए गए। ऐसे में 139 करोड़ से 9.6 किलोमीटर के मार्ग का काम चल रहा है। वहीं पीडब्ल्यूडी को औद्योगिक विकास विभाग की ओर से 21 कार्यों को कराने के लिए 1,922 करोड़ का प्रस्ताव मिला है। इसी तरह धर्मार्थ कार्य के तहत सड़क के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं निर्माण के लिए 36 कार्य स्वीकृत किए गए, जहां 2,316 करोड़ से 174 किलोमीटर की सड़क का कार्य चल रहा है।

संक्षिप्त डायरी

सिकन्द्राबाद में वार्ड सभासद चंचल लोधी ने लगाया जनता दरबार

संवाददाता

बुलंदशहर। नगरपालिका सिकंदराबाद की सभासद चंचल लोधी पत्नी डॉक्टर कमल लोधी वार्ड 18 में जनता दर्शन कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जनता की अपने वार्ड की चौपाल पर जनसमस्याओं को सुना एवम उनके निस्तारण हेतु संबंधित विभाग से वातार्लाप करते हुए समाधान हेतु पहल शुरू की गई। कार्यक्रम में प्रोबेशन विभाग से अमित कुमार संरक्षण अधिकारी व दिनेश पालीवाल नगर अध्यक्ष एवम नगरपालिका बुलंदशहर वार्ड 10 के सभासद ठाकुर तेजेन्द्र सिंह पत्रकार ओर पत्रकार प्रवेन्द्र लोधी दुआरा जनता की समस्याओं को सुना गया जिसमें 40 आवेदन बुजुर्ग पेंशन ओर विधवा पेंशन के स्वीकार किये गए इसी के साथ मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लाभ एवम जानकारी जनता को अवगत करवाई गई इस पहल से स्थानीय जनता को काफी लाभ मिला है साथ ही जनता का मानना है कि सरकार की वार्ड मेम्बर की प्रथम कड़ी में ही बैठकर समाधान होना बहुत खुशी की बात है यानी अब हर किसी कार्य के लिए आमजन की अन्य कही जाने की आवश्यकता नही पड़ेगी।

सिख आज पूरी दुनिया में छाये, पर मुगलों का कहीं अता-पता नहीं : योगी आदित्यनाथ

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुगलों और सिखों के बीच हुए संघर्ष की याद दिलाते हुए सोमवार को कहा कि आज सिख पूरी दुनिया में छाये हुए हैं, मगर मुगलों की सत्ता का कहीं अता-पता नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी लखनऊ के आशियाना स्थित गुरुद्वारे में श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 554 वें प्रकाश पर्व पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस उन्होंने कहा, सिख गुरुओं का बलिदान केवल खालसा पंथ के लिए न होकर हिन्दुस्तान और धर्म को बचाने के लिए था। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार योगी ने कहा कि ह्वउस दौर में जब बड़े-बड़े राजा-महाराजा मुगल सत्ता की अधीनता स्वीकार कर रहे थे, तब सिख गुरु अपने दम पर देश और धर्म की रक्षा कर रहे थे। जिस देश और परंपरा में इस प्रकार का जुझारूपन हो उसे दुनिया की कोई ताकत झुका नहीं सकती। मुख्यमंत्री ने कहा, खालसा पंथ की स्थापना मुगल सल्तनत के पतन का कारण बनी। आज सिख पूरी दुनिया में छाये हैं, मगर मुगलों की सत्ता का कहीं अता-पता नहीं है। ये सत्य और धर्म का रास्ता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकाश पर्व हम सबके जीवन में गुरु कृपा से ज्ञान का प्रकाश देता है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं का त्याग, बलिदान, भक्ति, शक्ति, साधना देश और धर्म के लिए अनुकरणीय है और भारत ही नहीं पूरी दुनिया में गुरु नानक जी का प्रकाश फैला है। उन्होंने कहा कि एक पक्ष भक्ति के माध्यम से साधना का है, तो वहीं दूसरा पक्ष भक्ति के माध्यम से लोक कल्याण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भक्ति के माध्यम से गुरु नानक देव जी ने उस कालखंड में बाबर के अत्याचारों के खिलाफ आवाज बुलंद की थी। उन्होंने कहा, जात-पात और अन्य संकीर्ण विचारों से मुक्त रहकर कार्य करने की प्रेरणा हमें गुरु नानक देव जी से मिलती है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख धर्म साधना के गूढ़ रहस्यों से भरा पड़ा है और खालसा केवल एक पंथ नहीं है, यह देश और धर्म की रक्षा के लिए गुरु कृपा से निकला हुआ प्रकाश पुंज है। इसने विपरीत परिस्थितियों में भी विदेशी ताकत को झुकने के लिए मजबूर किया। मुख्यमंत्री ने प्रेरित करते हुए कहा कि गुरु नानक जी द्वारा रखी गई इस नींव को और मजबूत करना हर सिख और हर भारतीय का दायित्व है और इसी में राष्ट्र की समृद्धि निहित है।

महाराजगंज में बाइक सवार युवक की विवाद में लाठियों से पीटकर हत्या, तीन गिरफ्तार

महाराजगंज । महाराजगंज जिले के घुघुली थाना क्षेत्र में बाइक सवार एक युवक की एक व्यक्ति की साइकिल से टक्कर होने के बाद हुए विवाद में लाठियों से पीट-पीट कर कथित तौर पर हत्या कर दी गयी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) आतिश कुमार सिंह ने बताया कि रविवार की रात घुघुली थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव का निवासी सलमान (28) मोटरसाइकिल से जा रहा था तभी बल्लो गांव के पास साइकिल सवार विश्राम से उसकी टक्कर हो गयी। दोनों के बीच विवाद हो गया और विश्राम ने अपने दो बेटों को बुलाकर लाठी-डंडों से सलमान की पिटाई कर दी जिससे उसकी मौत हो गयी। एएसपी ने बताया कि घटना में शामिल विश्राम और उसके दोनों बेटों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मजदूर ने अवैध संबंधों के शक में पत्नी की हत्या की

संवाददाता

बाराबंकी । बाराबंकी जिले के घुंघटेर थाना क्षेत्र में सोमवार को तड़के एक ईंट भट्ठे पर कार्यरत मजदूर ने अवैध संबंधों के शक में अपनी पत्नी की फावड़ा मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। सूचना की जानकारी मिलने पर मौके पर पुलिस अधीक्षक (एसपी) दिनेश कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल की। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सीतापुर जिले के थाना महमूदाबाद क्षेत्र का निवासी मोतीलाल अपनी पत्नी रजनी (27) के साथ यहां घुंघटेर क्षेत्र के ग्राम बद्दूपुरवा स्थित मंसूरी ईंट भट्ठे पर काम करता था तथा भट्ठा परिसर में ही झोपड़ी बनाकर रहता था। उसके अन्य साथी भी वहीं पर रहते थे। एसपी ने बताया कि मोतीलाल को अपनी पत्नी पर किसी और से अवैध संबंध होने का शक था और इसी बात को लेकर आज सुबह दोनों के बीच झगड़ा हो गया। नाराज मोतीलाल ने झोपड़ी के अंदर रखे फावड़े से पत्नी पर कई वार किए जिससे रजनी की मौके पर ही मौत हो गयी। सिंह के अनुसार, मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। रजनी को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बरेली में महिलाओं का गला घोंटने का सिलसिला जारी

बरेली। बरेली में गला घोंटकर महिलाओं की हत्या करने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिले के शीशगढ़ थाना क्षेत्र में खेत से चारा लेकर लौट रही एक और महिला की कथित तौर पर साड़ी से गला घोंटकर हत्या कर दी गयी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी और कहा कि पांच महीने में महिलाओं की समान तरीके से हत्या करने की यह नौवीं घटना है। बरेली जिले के शीशगढ़ और शाही आदि थाना क्षेत्रों में पांच माह के भीतर अधेड़ उम्र की महिलाओं की साड़ी और चुनरी से गला घोंटकर हत्या करने की एक के बाद एक करीब नौ घटनाएं सामने आयी हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एक ही प्रवृत्ति की कई घटनाओं को चुनौती के रूप में लेते हुए पुलिस निगरानी बढ़ा दी गई है और मामलों के राजफाश के लिए दो विशेष टीम का गठन किया गया है। पुलिस ने बताया कि शीशगढ़ थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी उर्मिला देवी गंगवार (55) रविवार दोपहर ढाई बजे घर से पशुओं का चारा लाने के लिए खेत गई थीं। काफी देर बाद भी जब वह घर नहीं लौटीं तो शाम के वक्त उर्मिला की तलाश शुरू की गयी। पुलिस ने बताया कि काफी देर तलाश के बाद गांव से 400 मीटर की दूरी पर एक खेत के करीब उनके पति वेद प्रकाश गंगवार को उर्मिला का शव मिला। पुलिस ने बताया कि महिला के गले में साड़ी का फंदा कसा हुआ था और उसकी जीभ बाहर निकली हुई थी तथा उसके सिर के पीछे चोट के निशान थे। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद विधिक कार्यवाही शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार शीशगढ़ थाने के गांव लखीमपुर की महमूद कुल्चा गांव की धनवती, सेवा ज्वालापुर निवासी वीरावती, खजुरिया निवासी कुसमा देवी, शाही के मुबारकपुर गांव की शांति देवी, आनंदपुर की प्रेमवती, मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव गुला की रेशमा देवी व शाही के गांव खरसेनी की दुलारी देवी की पांच महीने के भीतर जान जा चुकी है और इनमें से अधिकांश महिलाओं की मौत गला घोंटे जाने के कारण हुई थी। बरेली परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) डॉक्टर राकेश सिंह ने पूरे घटनाक्रम का संज्ञान लिया है। सिंह ने बताया कि सभी नौ घटनाओं में काफी समानताएं हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में घटनास्थलों का निरीक्षण करने के साथ-साथ जिन-जिन गांवों में घटना हुई है, उसके साथ आस पास के ग्राम प्रधानों और संभ्रांत व्यक्तियों के साथ बैठक की जाएगी। सिंह ने बताया कि दो विशेष टीम अलग-अलग गठित की गई हैं। एक टीम सीधे तौर पर काम करेगी, जबकि दूसरी टीम प्रधानों एवं संभ्रांत व्यक्तियों से मिले इनपुट के आधार पर काम करेगी। उन्होंने कहा कि गांव में सादे कपड़े में पुलिसकर्मियों की सक्रियता बढ़ाई जाएगी और इन घटनाओं को चुनौती के रूप में लिया गया है।

अयोध्या के महंत राजूदास ने बाबर को बलात्कारी और हत्यारा बताया

बरेली। अयोध्या से जनपद पहुंचे हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने सोमवार को बाबरी मस्जिद पर बोलते हुए कहा कि इस्लाम में बाबर जैसे लोगों की मस्जिद बनी है। लेकिन बाबर एक विदेशी अक्रांता था, लुटेरा, बलात्कारी था। वो मंदिर और गुरुकुल को तोड़ता था। साधू संतों का गला काटता था। उसके नाम पर मस्जिद बने तो इस्लाम पर थूकना चाहिए। हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास का कहना है कि ऐसा किसी धर्म में हो सकता है कि ऐसा घिनौना कृत करने वाले के नाम पर कोई मस्जिद बनाएं। सफीकुर रहमान वर्क और ओवैसी जैसे लोग भी समाज के भेदीयें हैं, जो समाज में नफरत फहलाते हैं। समाज में जहर घोलता है। उन्होंने कहा ये लोग कह रहे हैं कि यहां बाबरी मस्जिद थी और बाबरी मस्जिद रहेगी। जिस दिन मेरी संख्या बढ़ेगी उस दिन मैं फिर से राम मंदिर को तोड़कर बाबरी मस्जिद बनाऊंगा। महंत राजू दास ने कहा ये वही लोग है, जिनके पूर्वजों ने तलवार के डर से सलवार पहन ली। और इस्लाम कबूल कर लिया। लालच में ईसाई बन गए। बाकी यहां पर हर व्यक्ति सनातनी और हिंदू हैं। उन्होंने उत्तरकाशी में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए चल रहे रेस्क्यू पर बोलते हुए कहा कि ये दुर्भाग्य की बात है कि हम चांद पर पहुंच जा रहे हैं। मजदूरों को निकालने के लिए क्या प्रयास हो रहे हैं। मजदूरों को निकालने के लिए सरकार को और तेज प्रयास करना चाहिए।

झांसी में डीएपी खाद न मिलने से किसानों में फूटा गुस्सा

संवाददाता

झांसी। मऊरानीपुर तहसील में आज पांचवे दिन भी डीएपी खाद लेने के लिए पीसीएफ केंद्र पहुंचे कई सैकड़ा किसानों उस समय मायूस होकर बिना खाद लिए बैरंग लौट गए जब पीसीएफ केंद्र बंद मिला। इससे किसान परेशान नजर भी आए। इन दिनों जनपद में खाद के लिए किसानों में हाहाकार मचा हुआ है। खाद के लिए खाद वितरण केंद्रों पर किसानों की लंबी-लंबी कतारे लग रहती है। सुबह से शाम

तक लाइन लगाने के बाद भी किसानों को खाद नसीब नहीं हो पा रही है। आज मऊरानीपुर पीसीएफ केंद्र में सुबह 6 बजे से सैकड़ों की संख्या में किसान पहुंचे, लेकिन उन्हें पीसीएफ केंद्र बंद मिला। इस पर गुस्साएं किसानों ने उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार के नेतृत्व में पीसीएफ केंद्र के बाहर जोरदार प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की।

प्रदेश अध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार ने किसानों की दर्द भरी दास्तां सुनी और उन्होंने किसानों को खाद उपलब्ध कराने के प्रयास तेज कर दिए।

उप्र में धार्मिक स्थलों से उतरवाए गए 3238 लाउडस्पीकर

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सोमवार को जिला एवं पुलिस प्रशासन ने धार्मिक स्थलों से 3238 लाउडस्पीकर उतरवाये हैं। जिन स्थलों पर मानक से अधिक ध्वनि विस्तार पाया गया तो उन्हें कार्रवाई की चेतावनी दी है। शासन के अनुसार अवैध लाउड स्पीकर और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के विरूद्ध 23 नवम्बर से 22 नवम्बर तक अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को यूपी पुलिस के अधिकारियों ने जिला प्रशासन

अफसरों के साथ मिलकर चेकिंग अभियान चलाया गया। प्रदेश में सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों पर लगे 61399 ध्वनि विस्तारक यंत्र और लाउडस्पीकर को चेक किया गया।

7288 यंत्रों और लाउडस्पीकर की आवाज को कम किया गया। 3238 लाउड स्पीकर को हटवाया गया। इसके अलावा पुलिस टीम ने निर्धारित ध्वनि मानक सीमा का उल्लंघन कर रहे लोगों को सचेत करते हुए आवाज और ध्वनि विस्तारक यंत्रों की संख्या मानक के अनुसार रखने के लिए नोटिस दी गई है।

सीएसए के दीक्षांत समारोह से पूर्व छात्र-छात्रओं को दी जाने वाले उपाधियों को लेकर आया विवादित बयान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह होने से पूर्व सोमवार को छात्र-छात्राओं को दी जाने वाली डिग्रियों पर सवाल खड़ा करते हुए बड़ा आरोप लगाया गया है। कानपुर प्रेस क्लब में सीएसए से सेवानिवृत्त प्रोफेसर वी. के. यादव ने वार्ता करते हुए कहा कि संस्थान द्वारा छात्र-छात्राओं ने भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में प्रदेश राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और राष्ट्रपति तथा विश्वविद्यालय के अनुदान आयोग के पास लिखित शिकायत की गई है। प्रोफेसर यादव ने आरोप लगाते हुए बताया कि

विश्वविद्यालय के एमएससी, पीएचडी छात्र व छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की शोध सलाहकार समिति के अंतर्गत छात्र कार्य करता है, लेकिन दीक्षांत समारोह के ठीक पहले उन पूरी शोध समिति को ही बदल दिया गया है जो कि सरासर नाइंसाफी है और नियम विरूद्ध है। विश्वविद्यालय प्रशासन उक्त आदेशों को प्रभावी बनाने के लिए छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करते हुए नियम विरूद्ध शोध सलाहकार समितियों बदल कर छात्रों को प्रदान की जाने वाली उपाधियों की विवादास्पद एवं असंवैधानिक बनाकर 1 दिसम्बर को विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल उत्तर प्रदेश से अनुमोदित कराकर उन्ही के कर कमलो से प्रदान कराने जा रहा है।

संतुलित आहार से पशुओं को स्वस्थ बनाएं: डॉ शशिकांत

कानपुर। संतुलित आहार देकर पशुओं को स्वस्थ बनाए रखने से उनकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने के साथ ही दुधारू पशुओं के दुग्ध मात्रा में वृद्धि होती है। पशुपालक भाइयों से अपील है कि पशुओं को संतुलित आहार देना बहुत जरूरी है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा संचालित अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत पशुओं के लिए संतुलित आहार बनाने की तकनीक विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन के मौके पर ग्राम गणेशपुर में केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने यह जानकारी दी। कैसे तैयार करें संतुलित आहार डॉ. शशिकांत ने बताया कि स्थानीय उपलब्ध खाद्य पदार्थों से पशुओं को संतुलित आहार बना सकते हैं जिसके अंतर्गत आहार में काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, फैट, विटामिन एवं मिनरल की उचित मात्रा मौजूद हो। इसके लिए आहार में दाना (मक्का, जौ, गेहूं, बाजरा) 40 प्रतिशत, चोकर एवं चूने की मात्रा 30 प्रतिशत, खली (बिनौला की खली, सरसों की खली, मूंगफली की खली इत्यादि) की मात्रा 27 प्रतिशत खनिज लवण की मात्रा दो प्रतिशत एवं नमक की मात्रा एक प्रतिशत मिलाकर राशन तैयार करना चाहिए।यह राशन बाजार के राशन से कम लागत में तैयार हो जाता है। जिसमें प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, वसा, विटामिन एवं मिनरल उचित मात्रा में मौजूद होता है जिसके खिलाने से पशु स्वस्थ रहेगा। उन्होंने बताया कि यह राशन पशु को विभिन्न आधार पर खिलाया जायेगा।जिसके अंतर्गत शरीर की देखभाल के लिए, यदि गाय हैं तो 1 किग्रा तथा भैंस के लिए डेढ़ किलोग्राम मात्रा प्रतिदिन। दुधारू पशुओं के लिए, यदि गाय हैं तो 2.5 लीटर दूध के पीछे 1 किलो दाना एवं भैंस है तो 2 लीटर दूध के पीछे 1 किलो दाना देना चाहिए। गाभिन गाय एवं भैंस के लिए यह दाना 6 महीने के ऊपर की गाभिन गाय या भैंस के लिए डेढ़ किलोग्राम प्रतिदिन देना चाहिए। उन्होंने बताया कि यदि यह संतुलित आहार पशुपालक अपने पशुओं को देंगे तो गाय एवं भैंस अधिक समय तक दूध देते रहेंगे। पशुओं को स्वास्थ्य ठीक रहेगा। पशुओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। बीमारियों से बचने की क्षमता प्रदान करता है और दूध और घी में बढ़ोतरी होती है।

ग्रामीण क्षेत्र के यात्रियों का सफर हुआ आसान

मंडल के 103 रूटों पर चलेंगी रोडवेज बसें

बांदा। चित्रकूट मंडल के सैकड़ो गांव ऐसे हैं। जहां के निवासियों को बस में सफर करने के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। ऐसे गांव में रोडवेज बस की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर चित्रकूट मंडल के चारों जनपदों में 103 ग्रामीण रूटों को चिन्हित किया गया है। जहां बसें चलाई जाएगी शुरूआत 45 रूटों पर बसों को चलाकर किया गया है। शीघ्र चित्रकूटधाम मंडल के 58 और ग्रामीण रूटों पर रोडवेज की बसें एक दिसंबर से फरार्टा भरेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले माह परिवहन निगम को पिछड़े ग्रामीण मार्गों पर बसें चलाने के आदेश दिए थे। जनप्रतिनिधियों से ऐसे मार्ग जहां पर बसों के संचालन की जरूरत है की सूची शासन अथवा आरएम व एआरएम को देने के लिए कहा था। शासन के आदेशों पर परिवहन निगम ने मंडल के पिछड़े गांवों के रूटों का सर्वे कराया। इसमें 98 रूट बस संचालन

के लिए उपयुक्त पाए गए। वही पांच रूटों की सूची जन प्रतिनिधियों ने दी है। क्षेत्रीय प्रबंधक प्रबंधक संदीप अग्रवाल ने बताया कि चिह्नित 127 पिछड़े गांवों के 45 रूटों पर बसों का संचालन शुरू कर दिया है। बांदा में 14, महोबा में 13, हमीरपुर में 10, राठ में 8 रूट शामिल है। बसों के संचालन से 150 गांवों के पांच हजार से अधिक यात्रियों को बस सेवा का लाभ मिला है। पहली दिसंबर तक बाकी ग्रामीण मार्गों पर भी बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। परिवहन निगम के मानक के अनुसार रोजाना एक बस एक लाख रुपये आय लाती है, लेकिन ग्रामीण मार्गों पर चलने वाली 45 बसें 50 फीसदी भी आय नहीं ला पा रही हैं। ऐसे में प्रतिदिन करीब 22.50 लाख का निगम को ग्रामीणों रूटों पर घाटा उठाना पड़ रहा है।

तेज होती तरक्की

जब भारत विकास के पथ पर बढ़ रहा है, तब न केवल लोक-कल्याण की योजनाओं, बल्कि उसके पूंजीवादी स्वरूप का भी विस्तार हो रहा है। बुधवार को जहां केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को 1 जनवरी, 2024 से पांच साल तक बढ़ाने की घोषणा कर दी, वहीं भारत के प्रमुख शेयर बाजार का पूंजी आकार चार ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। पहले बात प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की, इस योजना पर सरकार अगले पांच वर्षों में कुल 11.80 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी। चिह्नित परिवारों को मुफ्त अनाज मिलता रहेगा। वास्तव में, इस मुफ्त अनाज योजना के निंदक भी बहुत हैं, जो नहीं चाहते कि यह योजना चले, पर स्वाभाविक रूप से ऐसी लोक-लुभावन योजना को शुरू करने के बाद बंद करना आसान नहीं है। चूंकि एक बड़ी आबादी ऐसी है, जिसे इस योजना से लाभ हुआ है और इसे जारी रखने में सरकार को भी कोई खास दिक्कत नहीं आ रही है, इसलिए भी कम से कम आगामी पांच वर्ष के लिए इस योजना को भारतीय लोक-कल्याण योजनाओं में प्रमुखता से शामिल मानने में कोई हर्ज नहीं है। हालांकि, इसके लाभार्थियों के दायरे को क्रमशः कुछ कम किया जाना चाहिए। ध्यान रहे, जब हम इस योजना का प्रचार करते हैं, तब यह भी बताते हैं कि देश के 81 करोड़ लोगों को इसका लाभ मिल रहा है, इससे दुनिया में यही ध्वनि जाती है कि भारत के ज्यादातर लोग गरीब हैं और उन्हें मुफ्त अनाज की जरूरत है। अगर सरकार जरूरतमंदों को ही यह लाभ दे और अनाज का उनका हिस्सा बढ़ा दे, तो यह योजना और भी कारगर कहलाएगी। किसी योजना को जारी रखना अच्छी बात है, लेकिन समय के साथ उसके लक्ष्य को भी ज्यादा निर्दिष्ट करते चलना चाहिए, ताकि यह आभास लगातार हो कि भारत में मुफ्त अनाज के तलबगारों की संख्या घट रही है। ध्यान रखना चाहिए कि यह योजना 2020 में कोरोना महामारी के दौरान राहत उपाय के रूप में शुरू की गई थी और वह महामारी अब बीती बात हो चुकी है। खैर, बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल का एक और फैसला भी ध्यान खींचता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने 24,104 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) को मंजूरी दी है। इस योजना से देश में लगभग 11 करोड़ की आबादी वाले जनजातीय समूहों के विकास को बहुत बल मिलेगा। अब बात देश को मिल रही पूंजीगत मजबूती की। देश के प्रमुख शेयर बाजार बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य बुधवार को पहली बार चार ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। अगर भारतीय मुद्रा में बात करें, तो बॉम्बे शेयर बाजार में दर्ज कंपनियों का बाजार मूल्य 3,333 खरब रुपये के करीब पहुंच गया है। विदेशी निवेशकों के साथ ही देशी निवेशकों का भी विश्वास हम जीतते हुए आगे बढ़ रहे हैं। गौरतलब है, चार ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक बाजार पूंजी वाले शेयर बाजार दुनिया के चार ही देशों में सेवाएं दे रहे थे।

कार्रवाई का समय

अगले पखवाड़े में दुनियाभर के नेता, उद्योगपति, कार्यकर्ता और देशी लोग कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी) के 28वें संस्करण में जुटेंगे। यह सालाना जलसा कम से कम 190 देशों, सभी संयुक्त राष्ट्र जलवायु ढांचे के सदस्य, को अपनी अर्थव्यवस्थाओं को जीवाश्म ईंधन से दूर हटाने के लिए कार्य करने की दिशा में आगे बढ़ने का एक प्रयास है। वर्तमान लक्ष्य 2015 में पेरिस में विभिन्न देशों द्वारा इस सदी के अंत तक वैश्विक तापमान को पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा नहीं होने देने और निश्चित रूप से दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने का प्रयास करने की गई सामूहिक प्रतिबद्धता को पूरा करना है। विभिन्न देशों के इस बात पर सर्वसम्मति से सहमत होने के बावजूद कि अगर इन सीमाओं का उल्लंघन किया गया तो मानवता को सामूहिक रूप से एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी और लगभग सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं यह दिखाने के लिए व्यापक राष्ट्रीय योजनाएं बना रही हैं कि वे किस कदर अपना काम कर रहीं हैं, विज्ञान कहता है कि सालाना आठ फीसदी की कटौती के बजाय 2021-22 से उत्सर्जन 1.2 फीसदी बढ़ गया है। इस दर से, सदी के अंत तक दुनिया 2.5-3 डिग्री सेल्सियस गर्म हो जाएगी। इस वर्ष वैश्विक तापमान के 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ने की भयावह सीमा को पार करने के 86 मामले सामने आ चुके हैं। लगभग तीन दशकों की सीओपी बैठकों में, प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं तीन व्यापक सिद्धांतों पर सहमत हुई हैं। बीसवीं सदी में तेजी से औद्योगीकरण करने वाले देशों ने अपनी आबादी के मद्देनजर अपने ह्यउचित हिस्सेह्ल के मुकाबले असंगत रूप से ज्यादा कार्बन उत्सर्जित किया है। आर्थिक विकास का जीवाश्म ईंधन की खपत, जोकि नवीकरणीय ऊर्जा की तुलना में प्रति यूनिट सस्ता होता है, पर आधारित होना आपदा का सबब है। और विकासशील देशों तथा आज न्यूनतम औद्योगिक बुनियादी ढांचे वाले देशों को अपनी अर्थव्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने के लिए महंगे, लेकिन स्वच्छ, गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों को अपनाने के लिए मुआवजा दिया जाना चाहिए। इस बात पर भी आम सहमति है कि पहले से ही जलवायु संबंधी आपदाओं से जूझ रहे देशों को मुआवजा दिया जाना चाहिए और उनके बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए भुगतान भी किया जाना चाहिए।

जीवन प्रकृति के साथ चलने पर ही संभव

ANALYSIS

गिरीश्वर मिश्र

अंटार्कटिक क्षेत्र में आ रहे बदलाव और विश्वव्यापी घटना के रूप में अनेक क्षेत्रों में एक लाख से ज्यादा ग्लेशियरों के बहुत बड़े पैमाने पर पिघलने की घटना से प्राकृतिक संतुलन की स्थिति चिंताजनक हो रही है । इन सबसे जीवनदायी गतिविधि में व्यापक असंतुलन परिलक्षित हो रहा है । सतही तौर पर प्रकृति और मनुष्य अलग दिखते हैं । प्रकृति की प्रत्यक्ष होती समृद्धि और सुषमा उसे स्पष्ट रूप से एक संसाधन घोषित करती है और आंशिक रूप से यह सही भी है । पर यह आंशिक सत्य प्रायः पूर्ण मान लिया जाता है और प्रकृति के जल्दी से जल्दी (यथासंभव) अधिकाधिक दोहन का काम शुरू हो जाता है । ऐसा करते हुए मनुष्य की विभिन्न उपलब्धियां उसका भ्रम बनाए रखती हैं। भ्रम तब टूटता है जब प्रगति सरीखी इस दिग्विजय में मनुष्य को ठोकर लगती है । पिछले कुछ वर्षों में पर्यावरण से जुड़े हादसों में तेजी से वृद्धि हुई है किंतु मनुष्य हस्तक्षेप से बाज नहीं आता। वह यह भूल जाता है कि प्रकृति का कोई विकल्प नहीं है।

वैश्विक स्तर पर सबको प्रभावित करने वाली मानवजनित चुनौतियों में जलवायु परिवर्तन की खास भूमिका है । इसका स्वरूप दिन-प्रतिदिन जटिल होता जा रहा है । इसे लेकर चिंतन भी होता आ रहा है और गाहे-ब-गाहे विभिन्न स्तरों पर चिंता भी जाहिर की जाती रही है । इस क्रम में ताजा विचार-विमर्श यूएई के विख्यात दुबई महानगर में कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज यानी काप का 28 वां सम्मेलन आयोजित हो रहा है । इस शृंखला की यह एक खास कड़ी होगी जिसमें यह जरूरी होगा की इस व्यापक संदर्भ में उठाने वाली समस्याओं के समाधान की दिशा में फलदायी निर्णय लिए जा सकें । अंटार्कटिक क्षेत्र में आ रहे बदलाव और विश्वव्यापी घटना के रूप में अनेक क्षेत्रों में एक लाख से ज्यादा ग्लेशियरों के बहुत बड़े पैमाने पर पिघलने की घटना से प्राकृतिक संतुलन की स्थिति चिंताजनक हो रही है । इन सबसे जीवनदायी गतिविधि में व्यापक असंतुलन परिलक्षित हो रहा है । सतही तौर पर प्रकृति और मनुष्य अलग दिखते हैं । प्रकृति की प्रत्यक्ष होती समृद्धि और सुषमा उसे स्पष्ट रूप से एक संसाधन घोषित करती है और आंशिक रूप से यह सही भी है । पर यह आंशिक सत्य प्रायः पूर्ण मान लिया जाता है और प्रकृति के जल्दी से जल्दी (यथासंभव) अधिकाधिक दोहन का काम शुरू हो जाता है । ऐसा करते हुए मनुष्य की विभिन्न उपलब्धियां उसका भ्रम बनाए रखती हैं। भ्रम तब टूटता है जब प्रगति सरीखी इस दिग्विजय में मनुष्य को ठोकर लगती है । पिछले कुछ वर्षों में पर्यावरण से जुड़े हादसों में तेजी से वृद्धि हुई है किंतु मनुष्य हस्तक्षेप से बाज नहीं आता। वह यह भूल जाता है कि प्रकृति का कोई विकल्प नहीं है। उसे नष्ट कर होनी वाली क्षति अपूरणीय क्षति होती है। पिछले वर्षों में यूरोप और अमेरिका के अनेक भू-क्षेत्रों में बाढ़, लू, वनाग्नि, सूखा और प्रचंड तूफान जैसी जलवायु की चरम स्थितियों का बार-बार सामना करना पड़ा है। भारत के हिमाचल प्रदेश, असम, उत्तराखंड और दिल्ली में जिस तरह बाढ़ का प्रकोप अनुभव किया गया वह विस्मित करने वाला था । दक्षिण भारत के कई शहरों में बाढ़ का प्रकोप हुआ था। वस्तुतः भारत समेत विश्व के अधिकांश भौगोलिक क्षेत्रों में लगातार अनुभव हो रही प्राकृतिक विभीषिकाएं देखते हुए जलवायु वैज्ञानिक दुनिया को संभावित खतरों से आगाह करने के लिए अनेक वर्षों से सतर्कता बरतने का आग्रह करते आ रहे हैं। ऐसे में वैज्ञानिकों के द्वारा जुटाए तथ्यों और तर्कों का नीति-निर्माण और कार्यान्वयन के स्तर पर काफी असर होना चाहिए था । पर हुआ यह कि अनेक देशों के राजनयिकों द्वारा इनके लिए प्रतिबद्धता दशार्ने की रस्म अदायगी बढ़ गई है। इससे जुड़े बैठकों, आयोजनों और विमर्शों के प्रकाशन भी समयझ्रसमय पर होते रहे हैं । इस सिलसिले में टिकाऊ (ससटेनेबल) विकास की अवधारणा की अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति एक सराहनीय कदम था । ऐसे सोलह टिकाऊ विकास लक्ष्यों (एसडीजी) का खूब प्रचार-प्रसार हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में प्रकाशित हुई अनेक रपटों, पारस्परिक सहमतियों और वैश्विक उद्घोषणाओं से राजनेताओं की कुछ-कुछ गंभीरता तो जरूर प्रकट हुई है परंतु उसे कार्यस्तर पर लागू करने तक की अब तक की यात्रा निहित स्वार्थ के कारण कंटकाकीर्ण रही है। फलतः प्रकृति के साथ सहजीवन की दिशा में हमारे प्रयास नाकाफी रहे हैं जब कि उसके अंधाधुंध दोहन का प्रयास खूब बढ़ा है । जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की प्रजातियों के विनाश के साथ जैव विविधता आज जिस तरह तेजी से घट रही है उसे किसी भी तरह अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। पेयजल के स्रोत तेजी से समाप्त हो रहे हैं। दरअसल जलवायु और पर्यावरण से जुड़े प्रश्नों को लेकर सरकारी खेमों में आरंभिक उत्साह और मीडिया में जोरदार उपस्थिति के साथ फौरी फायदे अधिक महत्व के हो जाते हैं। उसमें ही बढ़त पाने की जुगत लगाई जाती है। उसके आगे मानवता को होने वाले बड़े और दीर्घकालिक नुकसानों को अकसर भुला दिया जाता है। आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से रसूख वाले तथाकथित विकसित देश जलवायु से जुड़ी प्रतिज्ञाओं और संकल्पों में शामिल होने को छोड़ अपनी मनमानी करने से बाज नहीं आते । वे पर्यावरण की रक्षा के लिए जरूरी मानकों, मानदंडों और पाबंदियों को खुद के लिए स्वीकार नहीं करते और उनको लागू करने में तरह-तरह की छूट लेते रहते हैं । उदाहरण के लिए ग्रीन गैस के उत्सर्जन को लेकर आज के मौजूदा हालात में यह विडम्बना खास तौर पर झलक रही है । अब जो स्थिति बन रही है वह यह है कि पृथ्वीतल पर तापमान में वृद्धि अनियंत्रित होती जा रही है। इस पर गौर किया जाना चाहिए कि बीत रहे वर्ष सन- 2023 के अगस्त से अक्टूबर तक के महीने विश्व भर में रिकार्ड तोड़ गर्मी को दर्ज किए हैं । ज्ञातव्य है कि पिछले करीब दो सौ वर्षों में इस तरह की घटना पहली बार अनुभव की गई है । पर्यावरण को लेकर गैर जिम्मेदाराना व्यवहार का सबसे दुखद पक्ष यह है कि मानवीय हस्तक्षेप से होने वाली हानियों का वितरण सभी देशों के बीच एक सा नहीं है । आज यह सर्वविदित है कि उच्च तकनीकी के साथ विकसित देश प्रकृति के दोहन में बढ़-चढ़ कर भाग लेते हैं परंतु इस वैश्विक स्वरूप वाली विपदा का खामियाजा अकसर कम विकसित देशों को भुगतना पड़ता है । इसके समाधान के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने के लिए अंतर राष्ट्रीय कोष का प्रस्ताव बनता रहा है। भारत वर्ष ने भी इसके लिए बड़ा प्रयास किया है। परंतु कार्रवाई के स्तर पर देखें तो अभी तक की अंतर राष्ट्रीय प्रगति बेहद असंतोषजनक है । यह भी उल्लेखनीय है कि डेढ़ डिग्री तक वैश्विक तापमान बनाए रखने में विफल होने की स्थिति में अनुमान किया जा रहा है कि विश्व को 2.5 से 2.9 सेल्सियस तापमान से गुजरना होगा । मौसम में होने वाले इस तरह के क्रांतिक बदलाव के भयानक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं । यह याद रखना होगा कि जलवायु की प्रणाली धरती पर जीवन जीने के लिए आधार प्रदान करती है परंतु उसी के साथ कुछ जरूरी सीमाएं भी बांधता चलता है । मनुष्य उन सीमाओं से मनमानी छेड़छाड़ करता है पर उसकी भी सीमा है जिसे अकसर भुला दिया जाता है । ऐसे में प्रकृति और पर्यावरण हमारी सामाजिक चेतना का सक्रिय हिस्सा ही नहीं बन पाते । स्मरणीय है कि पर्यावरण का दोहन, अबाध प्रदूषण, ऊर्जा का अनियंत्रित उपयोग और वृक्षों आदि विभिन्न वनस्पतियों, मनुष्य और अन्य जीव-जंतुओं के जीवन की गुणवत्ता संजोने के सवाल, सभी आपस में गुंथे हुए हैं । ये सभी परस्पर निर्भर हैं और एक दूसरे के लिए पूरक का भी काम करते हैं । इस तरह का समग्रतावादी (होलिस्टिक) जीवन-दर्शन हम सिद्धांत में तो अब मानने लगे हैं पर अभ्यास के स्तर पर मानव केंद्रित (एंथ्रोपोसेंट्रिक) विचारधारा को ही तरजीह देते है। मनुष्य-केंद्रित होने से हमारी रुचि मनुष्य के सुख-समृद्धि को बढ़ाने में ही लगी रहती है। हम प्रकृति के प्रति अपने दायित्व को उसकी अपने लिए संचय और उपभोग वाली उपयोगिता के अलावे नहीं समझ पाते। इस विकृत मानसिकता का परिणाम यह होता है कि प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन की जगह सिर्फ उसके अधिकाधिक दोहन पर ही जोर दिया जाता है। त्याग के महत्व को चूड भोग पर जोर देने से प्रकृति से लेते तो हैं पर उसे देने की बात विस्मृत हो जाती है। यह असंतुलित व्यवस्था आगे और भी असंतुलन को जन्म देती है । कई लोगों को मन में यह भ्रम भी बना रहता है कि प्रकृति अनंत यानी असमाप्य है। अपने को चेतन और प्रकृति को जड़ मान कर मनोवांछित तरीके से उसके दोहन में हर तरह से सन्नद्ध हो जाते हैं । आज प्रौद्योगिकी का जिस तेजी से विकास हो रहा है वह प्रकृति की सहज शक्ति और संभावना को अनेक स्तरों पर प्रतिबंधित करने वाला सिद्ध हो रहा है । उदाहरण के तौर पर कृषि कार्य में रासायनिक खाद और पेस्टीसाइड, और कीटनाशकों आदि के विविध रूप विष की तरह मानव शरीर में पहुंच कर अनेक रोगों और अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों को जन्म दे रहे हैं। इस कोशिश में छिपी हिंसा का दूरगामी असर पड़ता है और हम अकसर जीवन की गुणवत्ता का प्रश्न भूल जाते हैं।

लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।

मताधिकार में सकारात्मक सोच जरूरी

तेलंगाना में मतदान की घड़ी है...। सुबह विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हो जाएगी। पांच साल में एक बार मिलने वाले अवसर को नकारात्मक सोच या गैरजिम्मेदारी से खो देना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र के महायज्ञ में प्रत्येक मतदाता को अपने मताधिकार का उपयोग कर मतदान करके अपनी आहुति देने का अवसर मिलता है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या फिर लापरवाही के कारण मतदान नहीं करने को किसी अक्षम्य अपराध से कम नहीं कहा जा सकता है। वर्तमान परिदृश्य में नोटा प्रयोग भी मंथन का विषय होना चाहिए। नोटा के प्रावधान को लेकर पक्ष विपक्ष में अनेक तर्क दिए जा सकते हैं पर समय आ गया है कि उस पर बड़ी बहस हो और उसको अधिक प्रभावी या कारगर बनाने के प्रावधान किए जाएं। सर्वोच्च न्यायालय की मतदान को लेकर की गई टिप्पणी भी इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि यदि हम मताधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं तो फिर सरकार के खिलाफ किसी तरह की ग्रीवेंसज करना उचित नहीं ठहराया जा सकता। कमोबेश यह सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी की भावना रही है और इससे

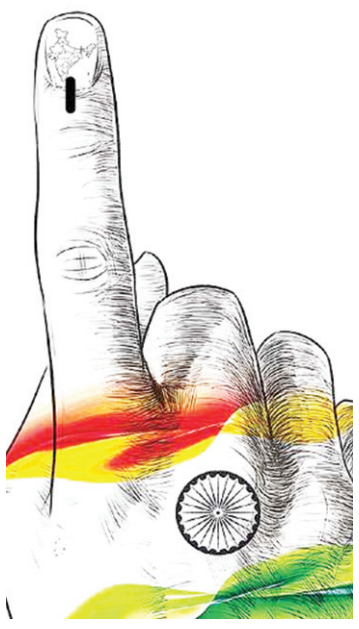

साफ- साफ संदेश हो जाता है कि सजग व जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रत्येक मतदाता का दायित्व हो जाता है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग करे। अब तो निर्वाचन आयोग ने मतदान को सुविधाजनक भी बना दिया है। बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं को घर बैठे मतदान का अवसर प्रदान कर दिया है। वहीं मतदाताओं के लिए जागरुकता अभियान से लेकर निष्पक्ष चुनाव के लिए कारगर कदम उठाये जाने लगे हैं। भले ही सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद ईवीएम में नोटा यानी नन ऑफ द अवोव का प्रावधान कर दिया गया हो पर एक जागरूक व जिम्मेदार मतदाता के लिए नोटा के प्रयोग को समझदारी भरा निर्णय नहीं माना जा सकता। कारण साफ है नोटा का बटन दबाकर अपनी भावना तो व्यक्त कर सकते हैं पर उसका इस मायने में कोई अर्थ नहीं रहता कि किसी की जीत हार में उसका खास असर नहीं पड़ता। राजस्थान के ही 2013 और 2018 के विधानसभा चुनाव का विश्लेषण किया जाए तो साफ हो जाता है कि 2013 के विधानसभा चुनाव में 4 करोड़ 8 लाख से अधिक मतदाताओं में से 5 लाख 89 हजार से कुछ अधिक यानी कि केवल 1.92 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। इसी तरह से 2018 के विधानसभा चुनाव का विश्लेषण किया जाए तो 4 करोड़ 77 लाख से कुछ अधिक मतदाताओं में से 4 लाख 67 हजार से कुछ अधिक यानी कि 1.3 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाकर विरोध दशार्या। आपका नोटा का बटन जीत-हार के अंतर को तो कम कर सकता है पर नोटा के प्रयोग के स्थान पर उपलब्ध विकल्पों में से ही किसी एक को चुनना ज्यादा बेहतर माना जा सकता है। हालांकि एक समय था जब कई बूथों पर विरोध स्वरूप मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय कर लिया जाता था या फिर लोगों द्वारा उपलब्ध उम्मीदवारों में किसी को भी मत देने योग्य नहीं समझने के कारण विरोध का मत यानी कि नोटा के प्रयोग की मांग की जाती रही। नोटा का परिणाम प्रभावी तरीके से राइट टू रिजेक्ट होता तो अधिक कारगर होता। तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में नोटा को हटाया जा चुका है। यूं कहे कि कई देशों में नोटा के प्रावधानों को कारगर नहीं पाने के कारण हटा दिया गया है। अमेरिका की ही बात करें तो वहां नोटा का प्रावधान रहा है पर 2000 आते-आते उसे हटा दिया गया। इसी तरह से रूस ने 2006 और पाकिस्तान में 2013 में नोटा प्रावधान को हटाया जा चुका है। देश के प्रबुद्ध नागरिकों, वुद्धिजीवियों, राजनीतिक विश्लेषकों, कानूनविदों को नोटा को लेकर गंभीर बहस छेड़नी होगी जिससे नोटा को वास्तव में चुनाव में हथियार के रूप में उपयोग किया जा सके। आज की तारीख में बात करें तो नोटा केवल और केवल आपके विरोध को दर्ज कराने तक ही सीमित माना जा सकता है। एक दूसरी बात और जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। आजादी के 75 साल बाद और दुनिया की सबसे बेहतरीन चुनाव व्यवस्था के बावजूद मतदान प्रतिशत का 90 से 100 प्रतिशत के आंकड़े को नहीं छूना चिंता का विषय है। आज हालात बदल चुके हैं। कोई भी किसी को मतदान के अधिकार से जोर जबरदस्ती या अन्य कारण से रोक नहीं सकता। भारतीय चुनाव आयोग की निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था को सारी दुनिया द्वारा सराहा जाता है और लोहा मानते हैं। इस सबके बावजूद मतदान का प्रतिशत कम होना गंभीर है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या मतदान नहीं करना जिम्मेदार मतदाता का काम नहीं हो सकता। पांच साल में एक बार आने वाले इस अवसर का उपयोग सकारात्मक सोच व उपलब्ध विकल्पों के आधार पर ही बेहतर तरीके से किया जा सकता है। इसलिए मतदान को अपना कर्तव्य समझ कर घर से बाहर निकलें और मताधिकार का उपयोग अवश्य करें।

Social Media Corner

सच के हक में...

मेरा आग्रह है कि केंद्र सरकार की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ अब तक जो नहीं उठा पाए हैं, वे विकसित भारत संकल्प यात्रा से जरूर जुड़ें।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

गढ़वा जिले के मेराल में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के पश्चात पलामू में लातेहार, गढ़वा, चतरा और पलामू जिलों से झामुमो परिवार के नेताओं और कार्यकताओं से मुलाकात हुई। झारखण्ड वीरों की धरती है। आदरणीय दिशोम गुरुजी का संघर्ष हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। हम अपने अतीत से सीखना है। उसी रास्ते पर हमें चलना है। सरकार आपके द्वार अभियान के तहत सरकार के कान, सरकार की आंख, सरकार की आवाज लोगों तक पहुंच रही है। यही हमारा उद्देश्य है। इन कार्यक्रमों से जरुरतमंद लोगों को काफी आशाएं और अपेक्षाएं होती है। अबुआ आवास, सर्वजन पेंशन, किशोरी समृद्धि, रोजगार सृजन आदि योजनाओं से हजारों-लाखों लोग जुड़े हैं, अन्य योजनाओं से भी जुड़ रहे हैं।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

पाकिस्तान बना रहा फौजियों को आतंकी

भारतीय सेना का यह कहना एक वास्तविकता है कि जम्मू-कश्मीर को अशांत करने के लिए पाकिस्तान अपने सैनिकों को आतंकी बनाकर भेज रहा है तथा विदेशी आतंकियों की घुसपैठ कराने का षड्यंत्र भी रच रहा है। साल 2019 से देखा जाये, तो कश्मीर में आतंकी गतिविधियों के लिए स्थानीय युवाओं की भर्ती का सिलसिला बहुत तेजी से कम हुआ है। उससे पहले भी कई सालों से सौ-डेढ़ सौ से अधिक स्थानीय भर्तियों की खबरें नहीं आ रही हैं। इस कारण आतंकी गतिविधियों में भी बड़ी कमी आयी है। इसकी एक वजह यह भी है कि घाटी में प्रशिक्षण करा पाना मुश्किल होता गया है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था भी उनके लिए परेशानी बन गयी है। ऐसी स्थिति में आतंकी कार्रवाइयों के क्षेत्र भी बदले हैं। घाटी से अधिक घटनाएं राजौरी क्षेत्र में होने लगी हैं। डोडा में भी यह हालत बन सकती है। यह कोई नयी बात नहीं है कि पाकिस्तान अपने सैनिकों को आतंकी हमलों के लिए कश्मीर भेज रहा है। नब्बे के दशक में भी ऐसी घटनाएं हुई थीं। होता यह है कि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था एक इलाके में आतंकियों का सफाया करती है, जिससे वहां शांति स्थापित हो जाती है। फिर वहां एक खालीपन बन जाता है, इसे आप चूक कहें या और कुछ, उसका फायदा उठाकर पाकिस्तानी सेना और पाकिस्तान समर्थित आतंकी गिरोह सक्रिय हो जाते हैं। भले ही घाटी में आतंकी गतिविधियों के लिए लोग नहीं मिल रहे हैं, पर पाकिस्तान कश्मीर के मुद्दे को छोड़ने के लिए राजी नहीं है। ऐसे में उसे अपने सैनिकों को या विदेशी आतंकियों को इस्तेमाल करने की जरूरत पड़ रही है। जहां तक विदेशी आतंकियों की बात है, तो यह भी नब्बे के दशक में हो चुका है, जब अरबी, अफगानी, सूडानी आदि कश्मीर आते थे। उनकी तादाद कम हुआ करती थी, पर वे आतंकी वारदातों में शामिल होते थे। ये सभी पाकिस्तानी सेना की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा संचालित होते थे। पाकिस्तान की नीति और व्यवहार में दोहरा मानदंड हमेशा से रहा है। भारत में कुछ लोग ऐसे हैं, जिनकी सोच है कि अगर पाकिस्तान में नवाज शरीफ के नेतृत्व में अगली सरकार बनती है, तो दोनों देशों के संबंधों में सुधार होने की उम्मीद की जा सकती है। ऐसी सोच में कोई समझदारी नहीं है। लेकिन असलियत यह है कि पाकिस्तानी सेना की कमान जिन लोगों के हाथों में है, वे खुलेआम कहते रहे हैं कि वे कश्मीर के मुद्दे से पीछे नहीं हटेंगे। नवाज शरीफ और उनकी पार्टी भी कहती रही है कि कश्मीर को उनका समर्थन जारी रहेगा। भले कश्मीरियों को उनके समर्थन की आवश्यकता न हो, पर वे इस मुद्दे को जिंदा रखना चाहते हैं। इसका सीधा मतलब है कि वे घाटी में अलगाववाद और आतंकवाद की आग को भड़काये रखना चाहते हैं। पर भारत में एक खेमा है, जो पाकिस्तान के प्यार में इस तरह पड़ा हुआ है कि उसे यह समझ ही नहीं आ रहा है कि पाकिस्तान के रवैये में कोई अंतर नहीं आया है। सो, भारतीय सेना ने जो कहा है, वह मेरी राय में वास्तविकता पर आधारित है। हमें इस ओर भी ध्यान देना होगा कि जिस तरह से हाल में कुछ मुठभेड़ की घटनाएं हुई हैं, जिनमें हमारे कई सैनिक भी शहीद हुए हैं और घायल हुए हैं, उनको देखकर यह स्पष्ट हो जाता है कि घुसपैठ करने वाले मिलिटेंट या आतंकी नहीं हैं, बल्कि पाकिस्तानी सेना के ही लोग हैं। यह कहना मुश्किल है कि ऐसे लोग पाकिस्तानी सेना से सेवानिवृत हो गये हैं या अभी भी सेना में हैं। मुठभेड़ों से संकेत मिलता है कि घुसपैठियों को सैनिक प्रशिक्षण मिला है। आम तौर पर आतंकियों के पास इस तरह का प्रशिक्षण नहीं होता और न ही उनमें ऐसा अनुशासन होता है। इस संबंध में हमें नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले को भी देखना चाहिए, जिसका संचालन भी पाकिस्तानी सेना और आइएसआइ द्वारा होता है।

कारगर उपाय नहीं

नेक इरादे हमेशा दुरुस्त नीति की ओर नहीं ले जाते। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुझाव दिया है कि एक अखिल भारतीय न्यायिक सेवा (एआईजेएस) के सृजन से विभिन्न पृष्ठभूमियों के प्रतिभाशाली युवाओं को मेरिट-आधारित प्रक्रिया के जरिये जज बनने का मौका मिलेगा, जिससे न्यायपालिका में विविधता लाने में मदद मिलेगी। इस सुझाव से यह बहस फिर जिंदा हो गयी है कि क्या जिला जज स्तर पर भर्ती के लिए एक राष्ट्रीय प्रणाली की जरूरत है। यह विचार पहले भी सामने रखा जा चुका है और इस पर चर्चा की जा चुकी है। और, यह वर्षों से केंद्र सरकार में आधिकारिक नीति पर चर्चा का हिस्सा रहा है। हालांकि, जैसा कि केंद्रीय कानून मंत्री ने पिछले साल राज्यसभा में बताया, इस प्रस्ताव पर कोई आम सहमति नहीं है। केवल दो हाईकोर्ट इस विचार पर सहमत हुए, जबकि 13 इसके खिलाफ थे। एआईजेएस जैसा रामबाण इलाज लगता है वैसा साबित भी हो, यह जरूरी नहीं। जिला जजों की संबंधित हाईकोर्टों के जरिए और दूसरे अधीनस्थ न्यायिक अधिकारियों की लोक सेवा आयोगों के जरिये भर्ती विविधता सुनिश्चित करने में ज्यादा सहायक है, क्योंकि इसमें, आरक्षण और स्थानीय लोकाचारों व स्थितियों की स्पष्ट समझ, इन दोनों को समाहित करने की गुंजाइश है। सिविल सेवाओं के उलट, जजों को फैसले लेने में एक अनुभवी निचली नौकरशाही मदद नहीं करती है, और उन्हें न्यायिक कामकाज के लिए संबंधित मामलों में माहिर होने की जरूरत होती है। 42वें संविधान संशोधन के बाद, संविधान का अनुच्छेद 312 एआईजेएस की अनुमति देता है। इसके लिए राज्यसभा द्वारा दो-तिहाई बहुमत से प्रस्ताव मंजूर किये जाने और एक संसदीय कानून की जरूरत है। संविधान यह मानता है कि इस प्रस्ताव को अमलीजामा पहनाने के लिए राज्यों में अधीनस्थ न्यायपालिका को संचालित करने वाले नियमों को एक केंद्रीय कानून द्वारा प्रतिस्थापित करना होगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

गेम स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म लोको ने अपने 36 प्रतिशत कर्मचारियों की छँटनी की

नई दिल्ली।

गेम स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म लोको ने अपने कर्मचारियों की कुल संख्या 110 में से लगभग 36 फीसदी यानी 40 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने कहा कि उसने कम लागत संरचना पर ध्यान केंद्रित करने के लिए यह निर्णय लिया है।लोको के संस्थापक अनिरुद्ध पंडिता के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, हमने हाल ही में लोको वीआईपी कार्यक्रम लॉन्च किया है, जो एक लेनदेन-आधारित कार्यक्रम है जिसने अच्छा प्रदर्शन किया है। और जब हम अपनी रणनीति की समीक्षा कर रहे थे, तो हमने लेनदेन पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया और सोचा कि यह एक ऐसी संरचना है जो टिकाऊ है। हम मुद्रीकरण जैसे मुख्य उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। इससे लोगों की नौकरियां चली गईं। यह प्रदर्शन-आधारित नहीं है। उन्होंने कहा, हम हमें छोड़ने वाले लोगों की गहराई से परवाह करते हैं और उन्हें वित्तीय सहायता, चल रहे स्वास्थ्य बीमा और विस्थापन सेवाएं प्रदान करेंगे। पुनर्गठन से हमारी टीम के लगभग 40 लोग प्रभावित होंगे और लोको की यात्रा में उनके योगदान के लिए हम उनके आभारी रहेंगे। विपणन और प्रौद्योगिकी जैसे अन्य विभागों के लोग, जो सहभागिता-आधारित पहलों का समर्थन कर रहे थे, सबसे अधिक प्रभावित हुए। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि छंटनी ने वित्त और अन्य टीमों जैसे अन्य विभागों को भी प्रभावित किया है।संस्थापक ने कहा कि कंपनी ने नौकरी से निकाले गए सभी कर्मचारियों को 60 दिन के लिए विच्छेद वेतन प्रदान किया है। उन्होंने आगे कहा कि संगठन द्वारा आगे किसी छंटनी की योजना नहीं बनाई गई है। गेम स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने पिछले साल हैशेड के नेतृत्व में मेकर्स फंड, कैटामारन वेंचर्स और कोरिया इन्वेस्टमेंट पार्टनर्स की भागीदारी के साथ 330 करोड़ रुपये (4.2 करोड़ डॉलर) का निवेश हासिल किया था।

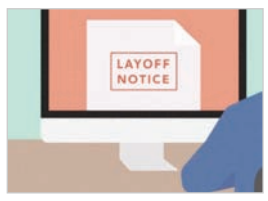

पेट्रोल और डीजल महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में महंगा

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजार में 2 प्रमुख कच्चे तेल की कीमतों में मिलाजुला बदलाव दिख रहा है। गुरुवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड लाल निशान में रहते हुए 77.67 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड तेजी के साथ 83.10 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। गुरुवार को महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत में तेज उछाल है। यहां पेट्रोल 1.01 रुपये और डीजल 97 पैसे महंगा हो गया है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 65 पैसे और डीजल 63 पैसे महंगा बिक रहा है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत में 69 और डीजल में 65 पैसे की तेजी है। पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर व उत्तर प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हुए हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपये और डीजल 89.93 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.44 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.48 रुपये और डीजल 94.26 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

बेंगलुरु टेक समिट: बीएमआरसीएल एमडी ने कहा, एक यात्री-एक स्मार्ट कार्ड जल्द

बेंगलुरु।

बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (बीएमआरसीएल) के प्रबंध निदेशक अंजुम परवेज ने कहा कि यहां मेट्रो, कैब और बस जैसे विभिन्न सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वाले यात्री एक ही स्मार्ट कार्ड का उपयोग करके यात्रा कर सकेंगे।'बेंगलुरु टेक समिट-23' में गुरुवार को 'फ्यूचर मोबिलिटी' के लिए द सी.ए.एस.ई.' विषय पर एक सत्र के दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने विभिन्न सार्वजनिक परिवहनों में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक ही स्मार्ट कार्ड पेश करने की योजना बनाई है, और यह जल्द ही सार्वजनिक परिवहन साधनों के लिए एक यात्री-एक कार्ड होगा। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। उनके अनुसार, छह नगर निगमों को जल्द ही सुविधा मिल जाएगी।

उन्होंने कहा, बेंगलुरु मेट्रो पर्यावरण-अनुकूल गतिविधियों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और पर्यावरण-अनुकूल यातायात प्रणालियों को प्रोत्साहित करने के लिए मेट्रो स्टेशनों को दोपहिया और तिपहिया इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इकाइयों की सुविधा प्रदान की गई है। उबर इंडिया के निदेशक संजय चड्ढा ने कहा कि यात्रियों को यातायात का मुक्त प्रवाह सुनिश्चित करने और यातायात की भीड़ को कम करने के लिए कैब से बसों जैसे सार्वजनिक परिवहन में स्थानांतरित करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'उबर ने इस संबंध में मुंबई और दिल्ली में इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू की है।' इसी तरह की सेवाएं बेंगलुरु में भी शुरू की जाएंगी। पर्पल मोबिलिटी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रसन्ना पटवर्धन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में यातायात और परिवहन प्रणाली पर्यावरण के अनुकूल हो रही है और यह एक अच्छा विकास है। उन्होंने कहा, ÷मजबूत प्रौद्योगिकी के साथ कैब बुक करने का तरीका, यातायात प्रशासन, संचालन और सिग्नल सिस्टम स्मार्ट हो गए हैं।

रुपया दो पैसे बढ़कर 83.30 प्रति डॉलर पर

मुंबई ।

रुपए ने लगातार तीसरे दिन अपनी बढ़त बनाए रखी और गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे की बढ़त के साथ 83.30 पर पहुंच गया। शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख और विदेशी कोषों की आवक जारी रहने से भारतीय मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि तेल उत्पादक देशों ओपेक प्लस की महत्वपूर्ण बैठक से पहले कच्चे तेल की कीमतें 82 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। इससे भारतीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.31 पर खुला। फिर 83.29 से 83.32 प्रति डॉलर के बीच उसने कारोबार किया। इसके बाद अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.30 पर रहा, जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.32 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.78 पर रहा।

गैस से चलने वाली कारों की तुलना में ईवी में रखरखाव संबंधी समस्याएँ 79 प्रतिशत अधिक: रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में गैस या डीजल से चलने वाले वाहनों की तुलना में 79 प्रतिशत अधिक रखरखाव संबंधी समस्याएं होती हैं, जबकि प्लग-इन हाइब्रिड ईवी में 146 प्रतिशत अधिक समस्याएं होती हैं।

गैर-लाभकारी सदस्य संगठन कंज्यूमर रिपोर्ट्स के अनुसार, आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) यानी गैस और डीजल से चलने वाले वाहनों की तुलना में हाइब्रिड में 26 प्रतिशत कम समस्याएं होती हैं। शोधकर्ताओं ने 2000 से 2023 मॉडल वर्षों तक 330,000 से अधिक वाहनों पर डेटा एकत्र किया, जिनमें से कुछ शुरुआती 2024 मॉडल वर्षों में पेश किए गए थे।

उन्होंने चरमराने वाले ब्रेक और टूटे हुए इंटीरियर ट्रिम से लेकर संभावित रूप से महंगे आउट-ऑफ-वारंटी इंजन, ट्रांसमिशन, ईवी बैटरी और ईवी चार्जिंग समस्याओं जैसे प्रमुख समस्याओं तक 20 परेशानी वाले क्षेत्रों का अध्ययन किया। डेटा को प्रकाशन के अपने ट्रैक परीक्षण, मालिक संतुष्टि सर्वेक्षण निष्कर्षों और सुरक्षा जानकारी के साथ मिला दिया गया था।इसके बाद प्रत्येक ब्रांड को एक संख्यात्मक स्कोर (100 में से) प्रदान करने के लिए इसका औसत निकाला गया।संभावित समस्या क्षेत्रों की संख्या वाहन के प्रकार के अनुसार भिन्न होती है: रिपोर्ट में उल्लेखित है कि आईसीई वाहनों में 17, ईवी में 12, पारंपरिक हाइब्रिड में 19 और प्लग-इन हाइब्रिड में सभी 20 हैं। इस सेगमेंट में सबसे भरोसेमंद ब्रांड लेक्सस के यूएक्स और एनएक्स हाइब्रिड और टोयोटा के कैमरी हाइब्रिड, हाईलैंडर हाइब्रिड और आरएवी4 हाइब्रिड थे। पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कारों और एसयूवी, जिन्हें कई वाहन निर्माता 2030 तक अपने पास लाने की उम्मीद करते हैं, का औसत स्कोर क्रमशः 44 और 43 है।

इलेक्ट्रिक पिकअप, समूह की नवीनतम तकनीक, 30 के औसत स्कोर के साथ सबसे खराब प्रदर्शन करती है।

सोना और चांदी की कीमतों में बड़ा उछाल

नई दिल्ली ।

भारतीय सर्राफा बाजार में गुरुवार सुबह सोना और चांदी की कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिला है। गुरुवार को सोने की कीमत 62 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है वहीं, चांदी का भाव भी 75 हजार रुपये प्रति किलो के साथ आसमान छू रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने की कीमत 62725 रुपये है, जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 75924 रुपये हो गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार, कल शाम 24 कैरेट वाला शुद्ध सोना 62629 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो आज सुबह बढ़कर 62725 रुपये पर पहुँच गया है। सोना और चांदी अपनी शुद्धता के आधार पर महंगा हुए है।

FEDBANK
FINANCIAL SERVICES LIMITED

फेडफिना की शेयर बाजार में सपाट शुरुआत

मुंबई । फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज (फेडफिना) के शेयर ने गुरुवार को बाजार में सपाट शुरुआत की, हालांकि जल्द ही वापसी कर ली। शेयर 140 रुपये के निर्गम मूल्य से करीब दो प्रतिशत की गिरावट के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 1.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ 137.75 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। हालांकि बाद में 5.35 प्रतिशत के उछाल के साथ 147.50 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर शेयर ने 1.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 138 रुपये पर शुरुआत की। इसके बाद में वापसी कर यह 147.50 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी का शुरुआती कारोबार में बाजार मूल्यांकन 5,377.55 करोड़ रुपये रहा। फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज (फेडफिना) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को गत शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन 2.2 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 133-140 रुपये प्रति शेयर रखा गया था।

यूट्यूब पर बनावटी सामग्री का खुलासा करना होगा: गूगल

नई दिल्ली । डीपफेक से निपटने के लिए नियमों को कड़ा करते हुए गूगल ने कहा कि वह अपनी गोपनीयता अनुरोध प्रक्रिया का इस्तेमाल करके यूट्यूब पर कृत्रिम मेधा (एआई) से बनी या अन्य कृत्रिम अथवा बनावटी सामग्री को हटाएगा। खासतौर से विख्यात लोगों के चेहरे या आवाज का इस्तेमाल करने पर ऐसा किया जाएगा। गूगल ने एक बयान में कहा कि आने वाले महीनों में यूट्यूब पर कंटेंट पोस्ट करने वालों को एआई टूल का उपयोग करने सहित किसी भी बनावटी या कृत्रिम सामग्री के बारे में बताना होगा। हम दर्शकों को विवरण पैनल और वीडियो प्लेयर में लेबल के जरिए ऐसी सामग्री के बारे में बताएंगे। हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं।

अलीपे सिंगापुर होल्डिंग ने जोमैटो में अपनी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली । चीनी ई-कॉमर्स कंपनी अलीबाबा की शाखा अलीपे सिंगापुर होल्डिंग ने खुले बाजार में लेनदेन के जरिये ऑनलाइन मंच जोमैटो में अपनी 3.44 प्रतिशत हिस्सेदारी 3,337 करोड़ रुपये में बेच दी। अलीपे सिंगापुर होल्डिंग प्राइवेट ने बीएसई पर जोमैटो के 29.60 करोड़ से अधिक शेयर 31 किस्तों में बेचे। बीएसई के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, अलीपे सिंगापुर होल्डिंग प्राइवेट ने कुल 29,60,73,993 शेयर बेचे। यह जोमैटो में उसकी 3.44 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं।यह बिक्री औसतन 112.7 रुपये की कीमत पर की गई, जिससे कुल सौदा 3,336.75 करोड़ रुपये का हो गया। जोमैटो के शेयर खरीदने वालों में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, मैक्स लाइफ इंश्योरेंस, आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड (एमएफ), बिड़ला एमएफ, मॉर्गन स्टेनली, इंडिया एकॉर्न आईसीएवी और गोल्डमैन साक्स (सिंगापुर) प्राइवेट भी शामिल हैं। हालिया सौदे के बाद अलीबाबा अपनी सहयोगी एंटफिन सिंगापुर होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से गुरुग्राम स्थित कंपनी जोमैटो में 6.39 प्रतिशत हिस्सेदारी की मालिक है।

बायजू का बाजार मूल्यांकन तीन अरब डॉलर से नीचे

नई दिल्ली । नीदरलैंड की उद्यम पूंजी कंपनी प्रोसस ने शिक्षा प्रौद्योगिकी फर्म बायजू का बाजार मूल्यांकन तीन अरब डॉलर से आंका है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के लिए कंपनी के आंकड़ों की घोषणा करते हुए कहा कि बायजू का बाजार मूल्यांकन तीन अरब डॉलर से नीचे हो गया है। हालांकि उन्होंने निश्चित आंकड़ों का खुलासा नहीं किया। अधिकारी ने कहा कि विभिन्न कारोबारी चुनौतियों का सामना कर रही बायजू के साथ लगातार चर्चा चल रही है। कंपनी ने कहा कि उसने बायजू और यूडेमी की इक्विटी अकाउंटिंग बंद कर दी है।

टाटा टेक्नोलॉजीज का शेयर 1199 रुपए पर लिस्ट हुआ

मुंबई ।

लगभग दो दशक के बाद टाटा ग्रुप की कोई कंपनी आईपीओ लेकर आई और गुरुवार 30 नवंबर को शेयर बाजार में प्रवेश किया। ऑफर ऑर सेल (ओएफएस) होने के बावजूद निवेशकों ने शानदार रिस्पांस दिया। टाटा टेक्नोलॉजीज का शेयर 1199.95 रुपये कीमत पर लिस्ट हुआ। यानी कि आईपीओ निवेशकों को 139.99 फीसदी का लिस्टिंग गेन मिला। टाटा टेक के शेयरों की लिस्टिंग के बाद भी तेजी थमने का नाम नहीं ले रही है। बीएसई पर इसके शेयर में सुबह 121.50 अंकों की उछाल देखी गई थी। इसके शेयरों में 10.13 फीसदी की शानदार बढ़ोतरी हुई और यह अब 1321.45 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इसके शेयर 111.45 अंक उछलकर 1,315.45 रुपये पर कर कर रहे थे। बता दें कि टाटा टेक के स्टॉक की 1,200 रुपये पर लिस्टिंग हुई, जो निवेशकों के पैसे को दोगुना करने से भी ज्यादा है। यह 500 रुपये के इश्यू प्राइस पर 140 प्रतिशत का प्रीमियम था। कंपनी का शेयर अपने प्रवेश से पहले शेयर ग्रे मार्केट में 430 रुपये के प्रीमियम पर था। शेयर में उछाल आया और इंट्रा-डे में 1,400 रुपये के उच्चतम स्तर को छू लिया, जो इश्यू प्राइस से 180 प्रतिशत ज्यादा है। गौरतलब है कि इस बीच जितने भी आईपीओ आए उनमें से टाटा टेक पर निवेशकों का रिस्पांस सबसे शानदार रहा। टाटा टेक आईपीओ के इश्यू को 69 गुना आवेदन प्राप्त हुए और 3,042 करोड़ रुपये के निर्गम के लिए कुल 1.56 लाख करोड़ रुपये की बोलियां आईं थी।

एनएसई निफ्टी 20 हजार के पार..... सेंसेक्स 86.53 अंक का उछाल

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार नवंबर के आखिरी कारोबारी दिन बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स 86.53 अंक चढ़कर 66,988.44 और एनएसई निफ्टी 36.55 अंक की उछाल के साथ 20,133.15 अंक पर बंद हुआ। स्मॉलकैप, मिडकैप ने कमजोर बेंचमार्क लाभ से भारतीय बाजारों ने बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी बैंक, पीएसबी इंडेक्स में गिरावट आई वहीं फार्मा, और रियल्टी सेक्टर में बढ़ोतरी देखने को मिली। गांधार ऑयल पहले ही दिन इश्यू प्राइस से 79 फीसदी ज्यादा चढ़ गया। वहीं दूसरी तरफ, करीब 2 दशक के बाद टाटा समूह की कोई कंपनी आईपीओ लेकर आई और गुरुवार को शेयर मार्केट में दमदार एंट्री मार दी। टाटा टेक्नोलॉजीज का शेयर गुरुवार को 1199.95 रुपये के प्राइस पर लिस्ट हुआ। इसका मतलब यह है कि आईपीओ में निवेशकों को 139.99 फीसदी का लिस्टिंग गेन मिला। सेंसेक्स की कंपनियों में अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा, भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, विप्रो, टाइटन, एक्सिस बैंक और बजाज फिनसर्व टॉप गेनर रहे। यानी इनके शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल आया। वहीं गुरुवार के बाजार में इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स और भारतीय स्टेट बैंक शेयर बाजार में बढ़त बनाने में पीछे रह गए।

एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग गेन के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार भी पॉजिटिव नोट के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार ज्यादातर गिरावट के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.84 प्रतिशत चढ़कर 83.80 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बुधवार को शेयर बाजारों ने तूफानी तेजी दर्ज की और स्टॉक लगातार दूसरे दिन पॉजिटिव नोट में बंद हुए। बाजार के दोनों प्रमुख इंडेक्स एक प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त लेकर बंद हुए। शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 727.71 अंक का उछाल लेकर 66,901.91 अंक पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,946.28 अंक स्तर तक भी पहुंच गया था। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 27 के शेयर ग्रीन निशान में बंद हुए जबकि तीन कंपनियों के स्टॉक लाल निशान में रहे।

आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक और बैंक ऑफ अमेरिका पर जुर्माना लगाया

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक ने फेमा की धाराओं के माध्यम से प्राप्त शक्तियों के तहत एचडीएफसी बैंक और बैंक ऑफ अमेरिका पर जुर्माना लगाया है। एचडीएफसी पर प्रवासियों से जमा स्वीकार करने पर आरबीआई के निर्देशों के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया है। बैंक ऑफ अमेरिका पर फेमा 1999 की उदारीकृत प्रेषण योजना के तहत रिपोर्टिंग आवश्यकताओं पर निर्देशों का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया है। दोनों पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई ने दोनों बैंकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसके बाद उन्होंने लिखित जवाब और मौखिक दलीलें भी दीं। प्रत्येक मामले के तथ्यों और दोनों बैंकों के जवाबों पर विचार करने के बाद आरबीआई इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि उल्लंघन हुआ है और जुर्माना लगाना जरूरी है। हालाँकि, साथ ही, आरबीआई ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई नियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है और इसका उद्देश्य दोनों बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर निर्णय लेना नहीं है।

गोरखपुर में प्लास्टिक पार्क के उद्यमियों को गेल से मिलेगा भरपूर कच्चा माल

गोरखपुर।

गीडा प्लास्टिक पार्क में यूनिट लगाने वाले उद्यमियों को कच्चे माल की कोई चिंता नहीं रहेगी। प्लास्टिक पार्क की यूनिट्स को परियोजना स्थल पर ही गेल (गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) की तरफ से कच्चा माल सुलभ होगा। इसके लिए गुरुवार को गीडा के स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने एमओयू का आदान-प्रदान संपन्न हुआ। गीडा की तरफ से मुख्य कार्यपालक अधिकारी अनुज मलिक तथा गेल की तरफ से एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर हरीश कुमार श्रीवास्तव ने एमओयू का हस्तांतरण किया। गीडा की तरफ से प्लास्टिक पार्क प्रोजेक्ट गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के किनारे सेक्टर-28 में 88 एकड़ विकसित किया गया है। यहां प्लास्टिक उद्योग की 92 इकाइयों के लिए स्थान एवं समस्त आवश्यक अवस्थापना सुविधाएं उपलब्ध होगी। इसमें लगभग 5,000 व्यक्तियों को रोजगार मिल सकेगा। गीडा द्वारा प्लास्टिक पार्क में 35 उद्यमियों को भूखंड आवंटन की कार्यवाही की जा चुकी है। इस आवंटन में लगभग 165 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।

चीन में फैक्टरी गतिविधियां नवंबर में लगातार दूसरे महीने घटी

हांगकांग । चीन में नवंबर में फैक्ट्री गतिविधि में लगातार दूसरे महीने गिरावट आई है। चीनी विनिर्माताओं के एक आधिकारिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार आधिकारिक विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक नवंबर में गिरकर 49.4 पर आ गया, जो अक्टूबर के 49.5 था। सूचकांक में 100 में से 50 से नीचे का आंकड़ा विनिर्माण गतिविधि में संकुचन, जबकि 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार को दर्शाता है। सूचकांक पिछले आठ महीनों में से सात बार गिरा है, केवल सितंबर में इसमें वृद्धि हुई थी। वैश्विक महामारी के बाद लंबे समय तक कमजोर पड़ी अर्थव्यवस्था के करीब पांच प्रतिशत वार्षिक गति से बढ़ने की उम्मीद है। कैपिटल इकोनॉमिक्स की शीना यू और जूलियन इवांस-प्रिचर्ड ने एक पत्र में लिखा कि नवीनतम सर्वेक्षण भावनात्मक प्रभावों के कारण मंदी की सीमा को बढ़ा-चढ़ाकर दर्शा रहे हैं। उन्होंने लिखा कि अक्टूबर में यही स्थिति सामने आई, हालांकि आंकड़े उतने खराब नहीं थे जितना पीएमआई ने अनुमान लगाया था।

फूड टेक्नोलॉजी एवं प्रोसेसिंग में कैरियर संभावनाएं

यहां से करें कोर्स

- शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस फॉर वूमैन, दिल्ली
- आई.आई.टी., खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
- सीसीएसएचयूए, हिसार, हरियाणा
- सीएफटीआरआई, मैसूर (कर्नाटक)

वर्तमान के भागदौड़ वाले जीवन में वक्त के अभाव एवं भोजन की बदलती आदतों के कारण डिब्बाबंद प्रसंस्कृत भोजन एवं पेय पदार्थों का प्रचलन हमारे देश में दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में भोजन की समग्र अवधारणा ही पूर्णतः बदल गई है।

दिन-प्रतिदिन आबादी विद्युत गति से बढ़ती जा रही है तथा खेती की भूमि निरंतर कम होती जा रही है। इससे उत्पादन एवं उपभोग के बीच अंतर बढ़ता जा रहा है।यह अंतर फूड टेक्नोलॉजी एवं प्रोसेसिंग का इस्तेमाल कर कम किया जा सकता है। फूड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर बहुत बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री की प्रोसेसिंग कर उन्हें खराब होने से बचाया जा सकता है तथा बेहतर गुणवत्ता और पोषक तत्वों से युक्त भोज्य सामग्री बाजार में उपभोग हेतु उपलब्ध कराई जा सकती है। इससे रोजगार के अवसरों में भी भारी वृद्धि होगी।विकसित देशों की तुलना में भारत में फूड टेक्नोलॉजी एवं प्रोसेसिंग उद्योग तुलनात्मक रूप से पिछड़ा हुआ है। यूं तो हमारे देश में प्राचीनकाल से ही महिलाएं घरों में अचार-मुरब्बा, अमचूर आदि का निर्माण करती रही हैं परंतु यह अब भी कुटीर उद्योग ही है।

परंतु अब आधुनिक तकनीक वाली फूड टेक्नोलॉजी एवं प्रोसेसिंग इकाइयां हमारे देश में लगाई जा रही हैं। इन इकाइयों से उत्पादित उत्पादों की गुणवत्ता विश्व कोटि की होती है।मूल्य संवर्धित वनस्पतियों, सब्जियों, फलों, मवेशी उत्पादों के प्रसंस्कृत स्वरूप के निर्यात की भारत में बहुत संभावनाएं हैं। डेयरी उत्पाद, मांस, पोल्ट्री उत्पाद तथा समुद्री उत्पादों की भी विदेशों में बहुत भारी मांग है। दुग्ध उत्पादन में तो भारत का विश्व में प्रथम स्थान है। सब्जियों के उत्पादन में भी भारत का विश्व में पहला और फलों के उत्पादन में दूसरा स्थान है। विश्व के आम उत्पादन का पचास प्रतिशत भारत में होता है। यदि फूड टेक्नोलॉजी एवं प्रोसेसिंग का समुचित प्रयोग किया जाए तो भारत इसमें विश्व का सिरमौर बनने की क्षमता रखता है।किसी भी फूड टेक्नोलॉजी कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षित फूड टेक्नोलॉजिस्ट का होना जरूरी है। फूड टेक्नोलॉजिस्ट कम लागत पर उच्च गुणवत्तायुक्त उत्पाद तैयार करते हैं। फूड टेक्नोलॉजिस्ट को उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, विपणन और खरीद जैसे भिन्न-भिन्न कार्य करने होते हैं।

भारत में प्रतिवर्ष बड़ी भारी संख्या में अंतरराष्ट्रीय स्तर के फूड टेक्नोलॉजिस्ट तैयार हो रहे हैं। सीएफटीआरआई, मैसूर खाद्य अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में देश में अग्रणी संस्थान है। देश के प्रमुख कृषि विश्वविद्यालयों एवं सामान्य विश्वविद्यालयों द्वारा भी खाद्य उद्योग की जरूरतें पूरी करने के लिएबी.टेक बी.एससी.एम. टेक.एम.एससी. और पीएच.डी. इन फूड टेक्नोलॉजी एंड प्रोसेसिंग पाठ्यक्रम संचलित किए जा रहे हैं। विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा फूड टेक्नोलॉजी एंड प्रोसेसिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश, प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रदान किया जाता है। सीएफटीआरआई, मैसूर अपनी स्वयं की प्रवेश परीक्षा का आयोजन करता है। राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर उपाधि की पच्चीस प्रतिशत सीटें अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के आधार पर भरी जाती हैं। पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु विज्ञान (फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ्सध्बॉयोलॉजी) में बारहवीं परीक्षा उत्तीर्ण होना जरूरी है। एम. टेक. पाठ्यक्रम के लिए खाद्य प्रौद्योगिकी कृषि रसायन इंजीनियरी में बी.टेक. तथा एम. एससी. फूड टेक्नोलॉजी के लिए फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ्स लाइफ साइंस में बी.एससी.कृषि फूड टेक्नोलॉजी में बी.एससी. परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए।

फूड टेक्नोलॉजिस्टों हेतु करियर की काफी उजली संभावनाएं व्याप्त हैं। फूड टेक्नोलॉजिस्टों को विभिन्न संगठनों में अच्छा रोजगार दिया जाता है। इनमें]सरकारी, सहकारी तथा विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियां शामिल हैं। फूड टेक्नोलॉजिस्टों को बीआईएस-एग्मार्क इंस्पेक्टरों, खाद्य इंस्पेक्टर आदि के रूप में भी नियुक्त किया जा रहा है। प्राइवेट और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं।

सूझ-बुझ से बनाएं बिजनेस के लिए अच्छी टीम

हर एक कंपनी का मानना है कि यदि उसके पास टीम अच्छी होगी तो कंपनी का उत्पाद भी अच्छा ही होगा। और यदि टीम खराब होगी तो उत्पाद में भी गिरावट आएगी। कंपनियां हमेशा इसी कोशिश में लगी रहती हैं कि उनके पास हर विभाग में बेहतरीन लोग हों और वो अपना बेस्ट दे सकें।

ऐसा देखा गया है कि कभी तो कंपनिया इसमें सफल होती हैं तो कभी असफल। कंपनी छोटी हो या बड़ी सभी को वैसे ही काम करने वाले चाहिए होते हैं जो उनकी कंपनी को आगे ले जा सकें। किस प्रकार की अच्छी टीम बनाएं जो कंपनी को विकास के पथ पर आगे ले जाए।

आगर आप कोई भी बिजनेस शुरूकरने जा रहे हैं तो उसके लिए टीम बनानी है तो सबसे पहले आप अपना स्व आकलन करे। आप में एक अच्छे लीडर बनने के गुण है कि नही यदि हैं तो ही आप अपनी टीम को निर्धारित लक्ष्य की ओर ले जा सकते हैं। कंपनी के लिए फंड की व्यवस्था करना, प्रोजेक्ट तथा मैनेजमेंट स्कील्स को आपको स्वयं विकसित करना पड़ता है।

आपको अपनी टीम में उत्साही लोगों को लेना चाहिए जिससे काम उम जोश बना रहता है। टीम में ऐसे अनुभवी लोगों को लें जो पहले किसी छोटी कंपनियों में ाकम कर चुके हों।

आप अपने सोशल नेटवर्क के जरिए ही टीम के लिए लोगों की तलाश करें। इसके अलावा आाप इंटरनेट पर सोशल नेटवकिंग साइट्स के माध्यम से भी अपने नेटवर्क को बड़ा सकते हैं। कुल मिलाकर कहा जाए तो टीम बनाने के लिए सबसे पहले अच्छे लीक्र का होना जरूरी है।

कैसे मिलेगा आपको प्रमोशन ?

तमाम एंप्लॉइज के दिलों में प्रमोशन के ख्वाब पलते हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या आप वाकई प्रमोशन के लिए डिजर्व करते हैं? दरअसल, प्रमोशन देने के मामले में हर एंप्लॉयर की अलग-अलग पॉलिसी होती है। मसलन कोई एंप्लॉयर एंप्लॉई के ऐटिट्यूड को देखता है, तो कोई उसकी लीडरशिप क्वालिटीज की वजह से प्रमोशन देना पसंद करता है।

प्रमोशन क्यों?- कार्य का तरीका-अपनी मौजूदा और पिछली पोजिशन पर एंप्लॉई का कार्य कैसा रहा ? क्या उसने अपनी पिछली और मौजूदा पॉजिशन पर उम्मीद से बेहतर काम किया।

स्किल्स- क्या एंप्लॉई में प्रमोशन के बाद मिलने वाली नई पोजिशन संभालने लायक स्किल्स हैं? कहीं नई पॉजिशन संभालने से पहले उसे किसी ट्रेनिंग या एजुकेशन की तो जरूरत नहीं है?

ऐटिट्यूड- काम को लेकर एंप्लॉई का ऐटिट्यूड क्या है? क्या वह जरूरत पड़ने पर ओवरटाइम करने के लिए तैयार रहता है? क्या वह दूसरों की मदद को तैयार रहता है? क्या वह अपने क्लाइंट्स से सलीके से बातचीत करता है? क्या वह डिपार्टमेंट में सबसे मिलजुल कर रहता है?

सीखने की चाहत- क्या एंप्लॉई हमेशा अपनी जॉब से जुड़ी नई चीजों को सीखने की कोशिश में जुटा रहता है? क्या वह कंपनी के बारे में ज्यादा जानकर खुद को इंप्रूव करने की कोशिश में जुटा रहता है?

ये रखती हैं मायने- इन सब चीजों के अलावा, एंप्लॉयर्स प्रमोशन के मामले एंप्लॉई की मौजूदा सीनियॉरटी, मौजूदा इनकम और उसके एक्स्ट्रा स्किल्स को भी ध्यान में रखते हैं। अगर किसी एंप्लॉई में कोई खास खूबी है, तो निश्चित तौर पर उसे प्रमोशन के दौरान उसका फायदा मिलेगा। इसके अलावा, उस इंसान के बारे में डिपार्टमेंट के लोगों की सोच भी काफी मायने रखती है। अगर डिपार्टमेंट के लोगों की बीच आपकी इमेज अच्छी है, तो आपको प्रमोशन मिलने के चांस ज्यादा हो जाते हैं।

इसलिए बेहतर होगा कि प्रमोशन के ख्वाब देखने से पहले और अपने लिए प्रमोशन की डिमांड करने से पहले आप इन बातों का ख्याल रखें। अगर आपने पहले ही अपनी खूबियों और कमियों पर सोच-विचार कर लिया है, तो आप बॉस के सामने अपनी बात को और बेहतर तरीके से रख पाएंगे। वरना आपको प्रमोशन तो मिलेगा ही नहीं, बल्कि आपकी इमेज भी खराब हो सकती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3020

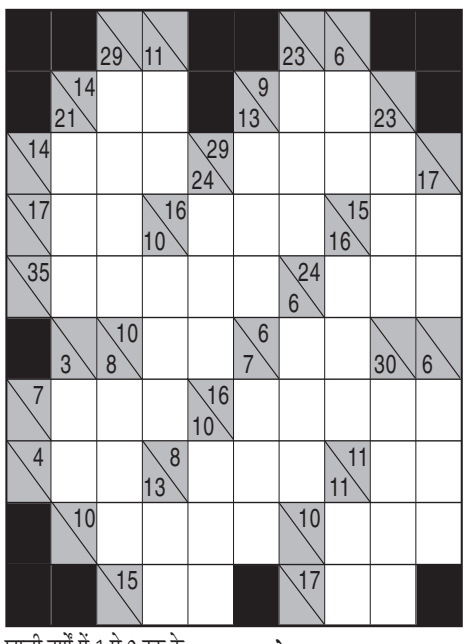

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

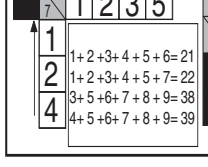

काकुरो - 3019 का हल

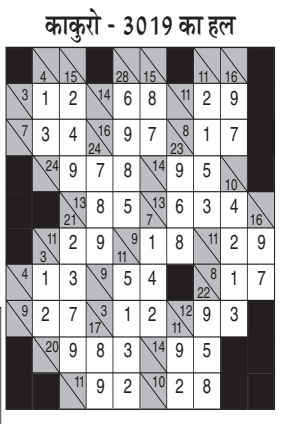

हंसी के फव्वारें

दारोगा (रमेश से)- जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे थे.

दारोगा (रमेश से)- अरे मै घड़ी का पूछ रहा हूं उसमे कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई.

□ □ □

महेश (संजय से) - मुझे खुशी इस बात की है कि मेरा बॉस एक डॉक्टर है.

संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बॉस में?

महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड रेस्ट की सलाह दे देता है.

□ □ □

दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे.

पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे तो उसे क्या करना चाहिए?'

दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए.'

□ □ □

राम (मोहन से)- क्या कर रहे हो?

मोहन- दोस्त को पत्र लिख रहा हूं.

राम- लेकिन तुम्हें लिखना नहीं आता.

मोहन (राम से)- तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है.

फिल्म वर्ग पहेली - 3020

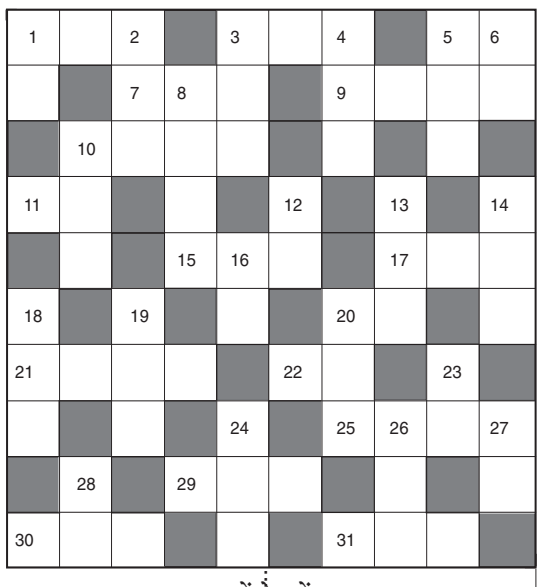

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बारना दे बारना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3019

शि	ल्पा		अ	स	रा	नी		स	
का		क	म	ल		य	ल	गा	र
री	ना		री	मा		त		ई	
	रा	जे	श		प		स		ब
का	ज	ल		दा	ग	द	फ	य	र
ला		र	ख	वा	ला		री		सा
पा	पी		ल		क	र्ण		घा	त
नी		हि	ना		हीं		ज	य	
	जं		य		का	का		ल	व
कि	ग	अं	क	ल		श	क्ति		ध

सूडोकु -3020

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3019 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 3020

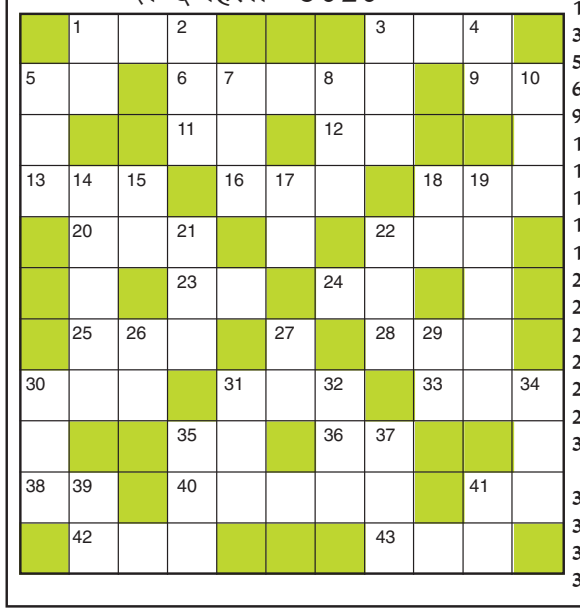

बाएँ से दाएँ

1. सेवक,दास-3
3. निवास करना-3
5. खुजली-2
6. परोपकारी-5
9. प्याला,जाम-2
11. टोंटी,नलका-2
12. आनंद,जूस-2
13. प्रतिज्ञा,शपथ-3
16. सिमरन,सुमरन-3
18. सुअर-3
20. पेन,लेखनी-3
22. कमल,जलज-3
23. क्रोध,गुस्सा-2
24. पाश,फंदा-2
25. शोषण करना-3
28. गौरव,प्रशंसा-3
30. सूत कातने का साधन-3
31. गौरव-3
33. देवर्षि-3
35. अंधकार-2
36. यमराज-2
38. अलमस्त-2
40. सलाह देने वाला-5
41. बीता दिन-2
42. रसदार-3
43. इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1. उर्वरक-2
2. विशाल,श्रेष्ठ-3
3. धनवान,संपन्न-3
4. घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5. दैत्य,असुर-3
7. मायाजाल-3
8. उद्धार,पार लगाना-3
10. शरण,आश्रय-3
14. चूर-चूर,ढहा-5
15. टोंटी,नलका-2
17. युद्ध,संग्राम-2
18. दूल्हा-2
19. राजपुत्र-5
21. मद्रास का समुद्र तट-3
22. नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26. मित्र,दोस्त.मीत-2
27. हूर,अप्सरा
29. मेहंदी-2
30. शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31. इसमें पौधा लगाते हैं-3
32. पीहर,नैहर-3
34. युक्तिवाद,पैरवी-3
35. टब,परात,तगारी-3
37. इच्छा-3
39. परत,तह-2
41. कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -3019 का हल

क	म	ला	का	र			कु	रा	न
था	न		र		कै	ला	श		भ
वा			खा	वि	द		ल		
च	म	क	ना			त		क	स
क		या		क	ल	क	ल		ली
	आ	स		ल		रा		शा	म
	रा		क	र	ता	र		म	
श	म	न		व			म	त	ल
ह			म		दा	म	न		
र	थ		ग	र	म		च		दा
	ल	की	र			स	ली	के	दा

आज रायपुर में होगा चौथा टी20, टीम इंडिया जीत से एक कदम दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम रायपुर में अस्ट्रेलिया से भिड़ने वाली है। 5 मैचों की सीरीज के चौथे टी20 मैच में रोमांचक मुकाबला होने वाला है। मेजबान टीम इंडिया सीरीज जीत से एक कदम दूर है। बता दें कि शुरुआती दो टी20 जीतकर भारत ने सीरीज की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की थी लेकिन तीसरे टी20 में ऑस्ट्रेलिया ने जबरदस्त वापसी की। मेजबान टीम ने गुवाहाटी में 222 रन का सफल रन चेज करते हुए सीरीज को जीवित रखा है। चौथा टी20 मैच रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच पर खेला जा रहा है। जानकारी के अनुसार रायपुर के इस स्टेडियम में पहली बार टी20 इंटरनेशनल मैच खेला जाएगा। इससे पहले यहां सिर्फ एक वनडे इंटरनेशनल मैच का आयोजन हुआ है। हालांकि आईपीएल चैंपियंस लीग टी20 और रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के मुकाबले यहां खेले जा चुके हैं। भारत की कई पिचें बैटर्स के मुफीद रही हैं। ऐसे में जरूरी नहीं कि रायपुर की पिच पर भी बल्लेबाजों के लिए बेहतरीन साबित होगी।

क्रिकेट के जानकार यह भी बता रहे हैं कि शुरुआती ओवरों के बाद स्पिनर्स यहां कहर ढा सकते हैं। जबकि पेसर्स को इस विकेट पर सफल होने के लिए वेरिएशन और स्लोअर डिलिवरी करनी होगी। बता दें कि भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें टी20 में 28 बार भिड़ चुकी हैं। इस वेन्यू की बाउंड्री बड़ी हैं। यहां पर अभी तक 29 टी20 मैच खेले गए हैं जिसमें चेज करने वाली टीम को हल्का सा एडवांटेज मिला है। चेज करने वाली टीम 16 मैचों में विजयी रही है वहीं 13 में पहले बैटिंग करने वाली टीम ने बाजी मारी है। इस वेन्यू पर अधिकतर समय 150 प्लस स्कोर बना है। ओस की भूमिका अहम रहने की उम्मीदी है। ऐसे में टॉस जीतने वाले कप्तान पहले बॉलिंग का फैसला ले सकते हैं।

भारत के लिए संभावित प्लेयर्स में यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, दीपक चाहर, रवि बिश्नोई, अवेश खान, अर्शदीप सिंह शामिल हैं।

राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिपः

पंघाल और थापा सेमीफाइनल में पहुंचे

शिलॉग (एजेंसी)। विश्व चैम्पियनशिप के उपविजेता अमित पंघाल (51 किलो) और 2021 एशियाई चैम्पियन संजीत (92 किलो) ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और एसएससीबी के 12 मुक्केबाजों ने पुरुषों की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

छह बार के एशियाई चैम्पियनशिप पदक विजेता शिवा थापा भी अंतिम चार में पहुंच गए। उन्होंने दिल्ली के शशांक प्रधान को 5.0 से हराया और अब उनका सामना महाराष्ट्र के हरिवंश तिवारी से होगा। पंघाल ने जम्मू कश्मीर के मोहम्मद आरिफ को सर्वसम्मति से लिये गए फैसले पर हराया। अब उनका सामना आरएसपीबी के अंकित से होगा। संजीत ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता आरएसपीबी के नमन तंवर को 92 किलोवर्ग के क्वार्टर फाइनल में हराया। अब उनका सामना अखिल भारतीय पुलिस के विकी से होगा।

एसएससीबी के बरूण सिंह (48 किलो), पवन (54 किलो), सचिन (57 किलो), आकाश (60 किलो), वंशज (63.5 किलो), रजत (67 किलो), आकाश (71 किलो), दीपक (75 किलो), लक्ष्य (80 किलो) और जुगनू (86 किलो) ने भी सेमीफाइनल में जगह बनाई। राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता सागर (92 प्लस किलो) ने चंडीगढ के नवजोत सिंह को मात दी। अब उनका सामना दिल्ली के विशाल कुमार से होगा।

राष्ट्रीय खेल महासंघों ने ओलंपिक से पहले विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया होगा: पीटी उषा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने गुरुवार को उम्मीद जताई कि सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) ने पेरिस खेलों में जाने वाले खिलाड़ियों की ट्रेनिंग सह प्रतियोगिता का खाका तैयार कर लिया होगा क्योंकि उनकी सफलता के लिए 'उचित योजना बनाना' महत्वपूर्ण है। उषा ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'उचित योजना बनाना महत्वपूर्ण है जिससे कि ओलंपिक खेलों से पहले तैयारी के सभी पहलुओं का ध्यान रखा जा सके।' उन्होंने कहा, 'सभी एनएसएफ ने अगले वर्ष के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव सह प्रतियोगिता योजना के लिए एक विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया होगा।' ओलंपिक से पहले डोपिंग उल्लंघन से बचने के लिए आईओए अपने कोर समूह के खिलाड़ियों को डोपिंग रोधिंग नियमों पर शिक्षित करने के लिए विशेष सेमिनार का आयोजन भी करेगा। इस सेमिनार का आयोजन आगामी महीनों में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के सहयोग से किया जाएगा। उषा ने कहा, ''हम ओलंपिक खेलों के लिए जाने वाले खिलाड़ियों को डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के बारे में शिक्षित करना चाहते हैं जिससे कि खेलों के दौरान उचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।' उन्होंने कहा, 'आईओए ने खेलों की अखंडता को बनाए रखने के लिए सख्त डोपिंग रोधी उपाय किए हैं।' यह पूछे जाने पर कि आईओए खेलों की तैयारी के लिए खिलाड़ियों को कैसे समर्थन दे रहा है, उन्होंने कहा, 'खेलों के दौरान अच्छी प्रशिक्षण सुविधाएं होना महत्वपूर्ण है। आईओए यह भी सुनिश्चित करेगा कि खिलाड़ियों के पास चोटों से बचने और स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त खेल विज्ञान बैकअप हो।' पेरिस ओलंपिक खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होंगे। अक्टूबर में मुंबई में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सत्र के दौरान उषा ने आईओसी प्रमुख थॉमस बाक के साथ भविष्य में भारत में ओलंपिक की मेजबानी की संभावना पर भी चर्चा की थी। उन्होंने कहा, 'जैसा कि भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने घोषणा की थी कि 2030 में युवा ओलंपिक और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की बोली से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर यह एक अच्छी और स्वस्थ चर्चा थी।' उषा इस बात को लेकर भी सकारात्मक थीं कि कई निजी कंपनियां और राज्य सरकारें खेलों में निवेश कर रही हैं जिससे देश में खेलों के विकास को बढ़ावा मिलेगा।

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका टी20आई सीरीज के लिए बतौर कप्तान लौटे रोहित शर्मा , केएल राहुल वनडे टीम में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट विश्व कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार को भुलाकर एक बार फिर से रोहित शर्मा वापसी कर रहे हैं। बीसीसीआई ने उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टी20 आई सीरीज के लिए कप्तान चुना है। रोहित करीब एक साल से टी20 फॉर्मेट नहीं खेले हैं ऐसे में हार्दिक पांड्या के चोटिल होने के बाद उन्हें बीसीसीआई ऑफिशियल ने फिर से कप्तानी संभालने को कहा है। फिलहाल अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टी20 मैचों की सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव कप्तानी कर रहे हैं। लेकिन दक्षिण अफ्रीका की मजबूत टीम के खिलाफ बीसीसीआई ने रोहित शर्मा पर ही भरोसा किया है।

भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे का पूरा शेड्यूल

पहला टी20- 10 दिसंबर (डरबन)
दूसरा टी20- 12 दिसंबर (गकेबरहा)
तीसरा टी20- 14 दिसंबर (जोहानिसबर्ग)
पहला वनडे- 17 दिसंबर (जोहानिसबर्ग)
दूसरा वनडे- 19 दिसंबर (गकेबरहा)
तीसरा वनडे- 21 दिसंबर (पर्ल)
पहला टेस्ट- 26-30 दिसंबर (सेंचुरियन)
दूसरा टेस्ट- 3-7 जनवरी (केपटाऊन)

दिनेश कार्तिक का बल्ला चला, 40वां लिस्ट ए अर्धशतक लगाकर टीम को दिलाई जीत

मुंबई (एजेंसी)। विजय हजारे ट्राफी में अनुभवी क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक जड़ा जिससे तमिलनाडु की टीम जीत गई। दिनेश कार्तिक ने ग्रुप ई के कम स्कोर वाले वनडे मैच में खराब शुरूआत से उबरते हुए बड़ौदा को 38 रन से मात दी। तमिलनाडु की टीम बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद 52 रन पर 5 विकेट गंवाकर जूझ रही थी, तब कप्तान ने अपने अनुभव की बदौलत 51 गेंद में 68 रन की पारी खेली जिसमें 9 चौके और 2 छक्के जड़े थे। यह उनका 40वां लिस्ट ए में अर्धशतक था। कार्तिक ने शाहरूख खान (31 रन) के साथ मिलकर 75 रन की भागीदारी निभायी और टीम को 150 रन के पार कराया। लेकिन टीम 33.3 ओवर में 162 रन पर सिमट गई। बड़ौदा के लिए लुकमान मेरीवाला ने चार और निनाद राथवा ने तीन विकेट झटके। इसके बाद बड़ौदा की टीम 23.3 ओवर में 124 रन पर सिमट गयी जिसमें टी नटराजन ने चार विकेट झटके।

वहीं वरूण चक्रवर्ती और आर साई किशोर ने

मिलकर 5 विकेट चटकाए। अहमदाबाद में ग्रुप सी के मैच में कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडीक्कल ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 57 गेंद में नाबाद 93 रन बनाए जिससे टीम बिहार पर 7 विकेट की जीत दर्ज करने में सफल रही। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पडीक्कल ने नौ चौके और पांच छक्के लगाए जिससे कर्नाटक ने 218 रन का लक्ष्य महज 33.4 ओवर में हासिल कर लिया। कर्नाटक के कप्तान मयंक अग्रवाल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और बिहार को 7 विकेट पर 217 रन ही बनाने दिए जिसके लिए सकिबुल गनी ने 100 गेंद में नाबाद 113 रन बनाए।

वहीं अलूर में ग्रुप ए मैच में संजू सैमसन के फ्लाप होने के बावजूद केरल ने त्रिपुरा को 119 रन से मात दी। विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद अजहरूद्दीन 61 गेंद में 58 रन बनाकर केरल के लिए शीर्ष स्कोरर रहे जबकि टीम 47.1 ओवर में 231 रन पर सिमट गई। इसके बाद अखिन साठर, अखिल स्कारिया और वैसाख चंद्रन के मिलकर लिए गए 8 विकेट से केरल ने त्रिपुरा को 112 रन पर समेट दिया। इसी तरह अहमदाबाद में ग्रुप सी मैच में जम्मू कश्मीर ने रासिख सलाम (23 रन देकर चार विकेट) और सलामी बल्लेबाज शुभम खजूरिया के 109 रन की मदद से दिल्ली को 75 रन से मात दी।

युगांडा ने रचा इतिहास, टी20 विश्व कप 2024 के लिए किया क्वालीफाई

स्पोर्ट्स डेस्क। रवांडा के खिलाफ खेले गए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप अफ्रीका रीजन क्वालीफाइयर 2023 में युगांडा टीम ने जीत दर्ज करते हुए इतिहास रच दिया है। युगांडा इस जीत के साथ टी20 विश्व कप 2024 के लिए क्वालीफाई कर गई और उसने पहली बार ऐसा किया है। क्वालीफायर में युगांडा ने अपने शुरुआती मैच में तंजानिया को 8 विकेट के आसान अंतर से हरा दिया। हालांकि अगले मैच में नामीबियाई ऑलराउंडर डेविड विसे के शानदार 4/17 ने उन्हें छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। अफ्रीकी टीम ने टेस्ट खेल रहे जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हराकर शानदार अंदाज में जीत हासिल की। जबकि कप्तान सिकंदर रजा के 48* रन ने उनकी टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया। युगांडा के दिनेश नाकरानी (3/14) के नेतृत्व में गेंदबाजी प्रयास ने शेवरॉन को 136/7 तक सीमित कर दिया। पीछा करने के दौरान रियाजत अली शाह (42) और अल्पेश रमजानी (40) ने एक बड़े क्रिकेट उलटफेर में पांच विकेट शेष रहते जीत हासिल की।

'मुझे रविंद्र जडेजा से ईर्ष्या होती है' आर अश्विन ने किया खुलासा

मुंबई। भारतीय टीम स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा अगर टीम इंडिया के साथ खेलते हैं तो उनकी मौजूदगी से टीम को मजबूती मिलती है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी के अलावा फील्डिंग में भी सर जडेजा जैसा कारनामा दूसरे खिलाड़ी कम ही कर पाते हैं। हाल ही में अनुभवी स्पिनर रवि अश्विन ने जडेजा को लेकर खुलासा किया है कि उन्हें रविंद्र जडेजा से ईर्ष्या क्यों है? दोनों स्पिनरों को आखिरी बार एक साथ वर्ल्ड कप की लीग स्टेज में हुए भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मुकाबले में देखा गया था। हाल ही में स्पोर्टस्टार पर बातचीत करते हुए अश्विन ने कहा कि, विराट कोहली आज दुनिया के सबसे सेब्रल क्रिकेटर हैं। हालांकि, मुझे जिस क्रिकेटर से सबसे ज्यादा ईर्ष्या होती है, वह हैं रविंद्र जडेजा। वहीं अश्विन ने कहा कि, जडेजा की यात्रा और मेरी यात्रा काफी विपरीत है। जडेजा दिनोंदिन एक ही जगह पर गेंद डाल सकते हैं, मैदान पर काफी एथलेटिक हो सकते हैं। बल्ले से बेहद सरल हो सकते हैं और ज्यादातर दिनों मिलियम डॉलर कमा सकते हैं। मैं ऐसा करने का जोखिम नहीं उठा सकता हूं। अमूमन अश्विन अपने मन की बात कहने में हिचकिचाते हैं। वह ये बात जडेजा से नहीं बोल पा रहे थे। उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया है कि अक्सर दोनों स्पिनरों में बेहतर होने को लेकर खींचतान रहती है।

जूनियर महिला हॉकी विश्व कप में भारत का जीत के साथ आगाज

सैंटियागो (एजेंसी)। भारतीय टीम ने एफआईएच महिला जूनियर हॉकी विश्व कप में कनाडा को 12.0 से हराकर शानदार शुरूआत की। भारत के लिए मुमताज खान ने चार (26वां, 41वां, 54वां और 60वां), अन्नु (चौथा, छठा, 39वां मिनट) और दीपिका सोरेंग (34वां, 50वां और 54वां) ने तीन तीन गोल किए। डिप्पी मोनिका टोप्पो ने 21वें मिनट में और नीलम ने 45वें मिनट में गोल दागे।

भारत ने आक्रामक शुरूआत की और जल्दी ही अन्नु ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल दागकर बढ़त दिला दी। दो गोल करने के बावजूद भारत ने आक्रामक खेल जारी रखा और पहले क्वार्टर तक बढत 2.0 की बनी रही। दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा रहा। डिप्पी और मुमताज ने इसका फायदा उठाकर एक एक फील्ड गोल दाग दिया। इस बीच कनाडा को मिला पेनल्टी कॉर्नर बेकार गया। हाफटाइम तक भारत के पास चार गोल की बढ़त थी। दूसरे हाफ में दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किया जिसके बाद अन्नु ने भी हैट्रिक पूरी की। मुमताज ने अपना दूसरा गोल भी दागा। वहीं नीलम ने पेनल्टी को गोल में बदलकर भारत की बढ़त 8.0 की कर दी। आखिरी क्वार्टर में दीपिका और मुमताज ने गोल दागे। भारत का सामना शुक्रवार को जर्मनी से होगा।

वालेंशिया में पांच देशों के हॉकी टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी संभालेंगे हरमनप्रीत

नई दिल्ली। अनुभवी ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह 15 से 22 दिसंबर तक स्पेन के वालेंशिया में होने वाले पांच देशों के टूर्नामेंट में भारत की 24 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगे। टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। सुमित और अमित रोहिदास उपकप्तान होंगे। यह टूर्नामेंट 2023 . 24 हॉकी प्रो लीग सत्र की तैयारी के लिये अहम होगा। इसमें भारत का सामना स्पेन, जर्मनी, फ्रांस और बेल्जियम से होगा। गोलकीपिंग में पी आर श्रीजेश और कृशन बी पाठक के साथ सूरज करकेरा भी होंगे। डिफेंस की कमान हरमनप्रीत, जरमनप्रीत सिंह,

जुगराज सिंह, रोहिदास, वरूण कुमार, सुमित , संजय और नीलम संजीप सेस के हाथ में होगी। मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि इस टूर्नामेंट से युवाओं को दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने का दबाव अनुभव करने का मौका मिलेगा। उन्होंने एक विज्ञप्ति में कहा ,'' हमारे पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों सहित संतुलित टीम है। टूर्नामेंट में हमें विभिन्न चीजें आजमाने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही युवा खिलाड़ियों को दुनिया की श्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खेलने का दबाव अनुभव करने का मौका भी मिलेगा।' उन्होंने कहा ,'' पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले अगले चार महीने काफी अहम हैं और हमें कदम दर कदम आगे बढना होगा।'

भारतीय टीम : गोलकीपर : पी आर श्रीजेश, कृशन बहादुर पाठक, सूरज करकेरा

डिफेंडर: हरमनप्रीत सिंह (कप्तान) , जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, अमित रोहिदास, वरूण कुमार, सुमित , संजय और नीलम संजीप सेस

मिडफील्डर : यशदीप सिवाच, विवेक सागर प्रसाद, नीलाकांता शर्मा, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, रविचंद्र सिंह मोइरांगथम फॉरवर्ड : मनदीप सिंह , अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, कार्ति सेल्वम, दिलप्रीत सिंह, आकाशदीप सिंह।

'आशा है कि वह फिनिशर के रूप में टैग नहीं होना चाहता', रिंकू सिंह पर बोले आशीष नेहरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने उम्मीद जताई कि मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू सिंह को वनडे में भी जगह मिलेगी, उन्होंने कहा कि बाएं हाथ के बल्लेबाज को इसके बजाय सभी विभागों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए बजाय अपने 'फिनिशर टैग' से संतुष्ट रहने के। रिंकू ने मौजूदा भारत-ऑस्ट्रेलिया टी20आई श्रृंखला के दौरान अपने 'फिनिशर' टैग को सही ठहराना जारी रखा है, उन्होंने श्रृंखला में अब तक 14 गेंदों में 22* और केवल नौ गेंदों में 31* की प्रभावशाली पारी खेली है।

नेहरा ने कहा, 'यह पहली बार नहीं है कि उसने ऐसा किया है (खेल खत्म किया है)। हम सभी उसकी भूमिका, उसकी ताकत के बारे में चर्चा कर रहे हैं। न केवल उसकी बल्लेबाजी के बारे में, यहां तक कि जिस तरह से वह खुद को मैदान पर छोड़ता है, उससे पता चलता है कि वह एक खिलाड़ी है।' नेहरा ने कहा, 'महान टीम मैन। वह भारतीय

क्रिकेट के लिए एक बड़ी संपत्ति होंगे। हां, हम केवल टी20 क्रिकेट के बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन कौन जानता है कि कल वह वनडे क्रिकेट भी खेल सकते हैं।' पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि वह वास्तव में 'फिनिशर' शब्द के प्रशंसक नहीं हैं क्योंकि एक सलामी बल्लेबाज को भी फिनिशर के रूप में टैग किया जा सकता है यदि वह टिककर शतक बनाता है।

टेस्ट श्रृंखला के लिए फिट होने बेन स्टोक्स ने कराई सर्जरी

लंदन। भारत में अगले साल जनवरी में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिये तैयारियां शुरु हो गई हैं। टीम में फिट रहने की कवायद करते हुए इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अपने बायें पैर की सर्जरी कराई है। 32 वर्ष के स्टोक्स इस साल आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले तीन एशेज टेस्ट में गेंदबाजी नहीं कर सके थे और विश्व कप में भी बतौर बल्लेबाज ही खेले थे। उन्होंने इस महीने की शुरूआत में कहा था कि वह विश्व कप के बाद ऑपरेशन कराएंगे। स्टोक्स ने लंदन के क्रोमवेल हॉस्पिटल के बाहर बैसाखियों के सहारे खड़े अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर डालते हुए लिखा, 'भीतर और बाहर। अंडर द (नाइफ इमोजी) डन। रिहैब शुरू। गौरतलब है ?कि भारत में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला 25 जनवरी को हैदराबाद में शुरू होगी। इससे पहले इंग्लैंड टीम यूएई में दो सप्ताह अभ्यास शिविर में भाग लेगी। हालां?कि स्टोक्स ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह 2024 आईपीएल नहीं खेलेंगे ताकि कार्यभार और फिटनेस का ध्यान रख सकें। वह आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के सबसे महंगे खिलाड़ी थे लेकिन चोट के कारण कई मैच नहीं खेल सके।

राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप 2023 में सिफ्त कौर सामरा ने अपने नाम किया गोल्ड मेडल

एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता सिफ्त कौर सामरा ने बुधवार को यहां राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप में पंजाब की सीनियर साथी अंजुम मोदगिल को पछाड़कर महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशंस स्पर्धा में लगातार दूसरा खिताब हासिल किया। भारत की वर्तमान में नंबर एक महिला स्कीट निशानेबाज गनेमत सेखों और नंबर एक पुरुष स्कीट निशानेबाज अनंतजीत सिंह नारूका ने कर्णी सिंह रेंज पर अपना पहला व्यक्तिगत सीनियर राष्ट्रीय खिताब जीता। सिफ्त ने फाइनल में 465.7 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया जबकि अंजुम (463.8 अंक) दूसरे स्थान पर रहीं। मध्य प्रदेश की आशी चौकसी 452 अंक से तीसरे स्थान पर रहीं। अंजुम ने पहले 15 'नीलिंग' पॉजिशन शॉट में बढ़त बनायी हुई थी लेकिन सिफ्त ने 15 'प्रोन' शॉट में बढ़त बनायी और फिर मुड़कर नहीं देखा। सिफ्त और अंजुम ने पंजाब को टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी दिलाया। इससे पहले हरियाणा की निशानेबाज निश्चल ने 595 अंक से नया क्वालीफिकेशन राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।

फिर टीम इंडिया के कोच बने राहुल, मिलेगी इतनी सैलरी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने राहुल द्रविड़ का कोचिंग कार्यकाल बढ़ा दिया है। इसका मतलब ये है कि द्रविड़ टीम इंडिया में बतौर कोच अपने दूसरे कार्यकाल के लिए तैयार हैं। इससे पहले ऐसी खबरें थीं कि द्रविड़ अनुबंध बढ़ाने के इच्छुक नहीं हैं। द्रविड़ का दूसरा कार्यकाल कब तक का है, बीसीसीआई ने अभी तक इसपर कोई अपडेट नहीं दिया है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ अगले साल यानी जून 2024 टी20 विश्व कप तक टीम इंडिया के कोच पद पर बने रह सकते हैं।

बीसीसीआई ने राहुल के कार्यकाल को बढ़ाने का ऐलान किया है, लेकिन इस पद पर वह कब तक बने रहने वाले हैं, और इसके लिए उनकी सैलरी क्या होगी? इसपर कोई अपडेट नहीं आया है। बीसीसीआई ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट बोर्ड हेड कोच राहुल द्रविड़ और टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) के सपोर्ट स्टाफ के कॉन्ट्रेक्ट बढ़ाने का ऐलान करता है। बोर्ड ने विश्व कप के बाद द्रविड़ का कार्यकाल पूरा होने पर उनसे बातचीत की और सर्वसम्मति से उनका कार्यकाल बढ़ाने का फैसला किया गया।

द्रविड़ का कार्यकाल आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 फाइनल के बाद खत्म हो गया था। उन्हें बतौर कोच बीसीसीआई की ओर से सालाना 10 करोड़ सैलरी के रूप में मिलती थी। ऐसी खबरें हैं कि द्रविड़ की दूसरे कार्यकाल की सैलरी में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड की ओर से अभी इसपर कोई आधिकारी जानकारी नहीं दी गई है।

द्रविड़ साल 2021 में पहली बार टीम इंडिया के कोच बने थे। उनका पहला कार्यकाल दो साल का रहा। द्रविड़ के बतौर कोच रहते भारतीय टीम एशिया कप 2023 जीतने में सफल रही जबकि आईसीसी क्रिकेट विश्व कप और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में टीम इंडिया को उप विजेता से संतोष करना पड़ा। टी20 विश्व कप 2023 का आयोजन जून 2024 में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होना है। द्रविड़ के कॉन्ट्रेक्ट बढ़ने के बाद यह साफ हो गया है कि वीवीएस लक्ष्मण एनसीए में डायरेक्टर पद पर बने रहने वाले हैं।

बीमार हुए सीएम नीतीश कुमार, वायरल फीवर ने घेरा

पटना । बिहार के सीएम नीतीश कुमार को वायरल फीवर ने घेर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पिछले चार-पांच दिनों से बीमार चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि वायरल फीवर के कारण डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने कि सलाह दी है। हालांकि डॉक्टर लगातार सीएम नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए हैं। सीएम नीतीश कुमार के स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए बिहार सरकार के मंत्री संजय झा ने बताया कि मुंगेर में कार्यक्रम के दौरान ही उनको फीवर आया था, पिछले दिन-चार दिनों से बुखार है। डॉक्टरों के अनुसार वायरल फीवर है, दो-चार दिन में ठीक हो जाएगा। फिलहाल डॉक्टरों ने नीतीश कुमार को आराम करने की सलाह दी है। हालांकि बताया जा रहा है कि धीरे-धीरे बुखार कम होने के साथ-साथ नीतीश कुमार की तबीयत में सुधार हो रहा है। जानकारी के अनुसार सीएम नीतीश कुमार बुखार के साथ-साथ सर्दी-खांसी और गले में खराश के कारण अधिक परेशान हैं। वहीं कल दोपहर से बुखार थोड़ा कम है। बता दें कि नीतीश कुमार जब दरभंगा से लौटे थे तब से ही उन्हें वायरल फीवर था। इसके पहले मुंगेर में जब मेडिकल कॉलेज के शिलान्यास के लिए गए थे तो उन्हें हल्की सर्दी थी। हालांकि इसके बाद मुंगेर में स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रम में भाग लेकर जब पटना पहुंचे तो उनका वायरल बुखार बढ़ गया था। फिलहाल नीतीश कुमार डॉक्टरों की निगरानी में हैं और लगातार स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। हालांकि सीएम घर से ही थोड़ा बहुत काम करते हुए बहुत जरूरी फाइलों को देख रहे हैं। राजगीर महोत्सव के उद्घाटन में भी सीएम नीतीश कुमार नहीं जा पाएंगे।

बारिश से दिल्ली के प्रदूषणस्तर में सुधार, पंजाब में धुंध की संभावना

नई दिल्ली । दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 420 के साथ दिल्ली-एनसीआर समेत आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को धुंध छाया हुआ है, वहीं हवा की गति धीमी होने से लोग प्रदूषण से परेशान हैं। उधर गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद, गुरुग्राम जैसे शहरों में प्रदूषण लेवल 400 के करीब बना हुआ है। मौसम विभाग ने गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना व्यक्त की है, इससे प्रदूषण में राहत की उम्मीद है। इससे पहले सोमवार को हल्की बारिश से प्रदूषण से कुछ राहत मिली थी। दिल्ली में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रह सकता है, जबकि अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहेगा। समीर ऐप के मुताबिक दिल्ली सहित ज्यादातर इलाकों में गुरुवार को सुबह 8 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 420 था। इस बीच जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और पंजाब में बारिश सहित कुछ इलाकों में हिमपात हुआ। इसके चलते राजौरी और पुंछ को दक्षिण कश्मीर से जोड़ने वाले मुगल रोड को बंद करना पड़ा। बर्फबारी के चलते पीर की गली रोड को भी बंद करना पड़ा । हालांकि जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे 44 पर ट्रैफिक सामान्य रूप से चल रहा है। जम्मू की कटरा के त्रिकुटा हिल्स में बारिश जबकि पीर पंजाल और चेनाब वैली इलाके में बर्फबारी हुई है। वहीं हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में अच्छी बारिश हुई । उधर पंजाब के कई जिलों में हुई बारिश से ठंड बढ़ गई । चंडीगढ़ में सुबह तीन बजे शुरू हुई, जो देर शाम तक चलती रही । मोहाली, अमृतसर, जालंधर, पटियाला सहित कई जिलों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। बारिश से तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया था कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण पंजाब के मौसम में बदलाव आएगा। मौसम विभाग ने एक दिसंबर से चार दिसंबर तक शुष्क मौसम सहित धुंध की संभावना जताई हैं। मौसम केंद्र चंडीगढ़ के पूर्वानुमान के अनुसार पश्चिमी मालवा को छोड़कर पंजाब के ज्यादातर जिलों में पश्चिमी विक्षोभ का असर रहेगा। मौसम के बदलाव के चलते कोहरे से जहां लोगों की मुश्किल बढ़ जाएगी वहीं बारिश होने से जहरीली हवा से राहत मिलेगी।

हैदराबाद की खूबसूरती और परस्पर सद्भाव के लिए करें मतदान : ओवैसी

हैदराबाद। तेलंगाना निर्वाचन में कांग्रेस अपनी वापसी और भाजपा सत्तासीन होने के लिए चुनाव में पूरी ताकत लगा दी है। बीआरएस सत्ता बरकरार रखना चाहती है तो कांग्रेस वापसी और भाजपा पहली बार सिंहासन पर बैठने के लिए प्रयासरत है। तेलंगाना विधानसभा चुनाव मतदान बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मैं तेलंगाना के लोगों से संविधान में अधिक विश्वास पैदा करने, लोकतंत्र को मजबूत करने और विकास और सांप्रदायिक सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए अपने वोट का उपयोग करने का आग्रह करता हूं । अब समय आ गया है कि राज्य के हैदराबाद सहित शहरी शहरों में मतदान प्रतिशत बढ़े। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि तेलंगाना के मतदाताओं से अपील है कि हैदराबाद की खूबसूरती और परस्पर सद्भाव की मजबूती के लिए, मतदान कीजिए।

पाकिस्तान से लौटकर अंजू देर रात पहुंची दिल्ली, मीडिया से नहीं की बात

नई दिल्ली । अपने प्यार की खातिर पाकिस्तान गई अंजू आखिरकार भारत लौट आई है। पाकिस्तान से देर रात दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची अंजू ने मीडिया के सवालों के जवाब नहीं दिए। बता दें कि अंजू बुधवार को अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते भारत में दाखिल हुई थी। इसके बाद काफी देर तक बीएसएफ कैंप में रही और देर रात दिल्ली पहुंच गई। गौरतलब है कि अंजू राजस्थान में अलवर जिले के भिवाड़ी में अपने पति अरविंद और दो बच्चों के साथ रहती थी। वह टूरिस्ट वीजा पर पाकिस्तान घूमने गई थी, लेकिन बाद में पता चला कि वह खैबर पख्तूनख्वा में रहने वाले नसरुल्लाह से मिलने गई है। दरअसल, नसरुल्लाह और अंजू के बीच अफेयर चल रहा था। पाकिस्तान जाने के बाद अंजू ने नसरुल्लाह के साथ निकाह भी कर लिया था। इस बीच अंजू और नसरुल्लाह के निकाह की तस्वीर भी सामने आई थी। साल 2020 में अंजू और नसरुल्लाह की मुलाकात फेसबुक पर हुई थी। नसरुल्लाह पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के ऊपरी दीर जिले का रहने वाला है। फेसबुक पर जब दोनों की दोस्ती कुछ और आगे बढ़ी तो दोनों ने एक-दूसरे का कॉन्टैक्ट नंबर ले लिया। दोनों की बातचीत वॉट्सएप पर होने लगी। करीब दो साल तक यह बातचीत चलती रही। इसी बीच अंजू और नसरुल्लाह ने एक-दूसरे से मिलने की इच्छा जाहिर की, जब नसरुल्लाह ने भारत आने में असमर्थता जताई तो अंजू पाकिस्तान आने को तैयार हो गई। अंजू ने पासपोर्ट भी बनवा लिया, लेकिन अड़चन थी वीजा की। अंजू ने पाकिस्तान जाने के लिए 21 जून को वीजा का आवेदन किया था। हालां?कि अंजू के बच्चे अरविंद के पास हैं और उन्होंने साफ कहा है कि अंजू को मिलने नहीं देंगे। इस पूरे मामले को लेकर अरविंद पुलिस के पास भी जा चुके हैं और अंजू से पूछताछ भी हो सकती है। हाल ही में नसरुल्लाह ने खुलासा किया था कि अंजू ने बच्चों पर उन्हें पहले झूठ बोला था। नसरुल्लाह ने कहा था कि एक कंपनी के प्रॉडक्ट का प्रचार करने के दौरान चार साल पहले उनकी फेसबुक के जरिए मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा कि साल 2018 में पहली बार मुलाकात हुई थी। हमें एक-दूसरे के देश में जाने के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मैंने पाकिस्तान के गृह मंत्रालय से पूरी जानकारी ली। नसरुल्लाह ने दावा किया कि अंजू ने पहले शादी का प्रस्ताव रखा था। हम एक-दूसरे से प्यार करते थे और इसी वजह से अंजू ने इस्लाम धर्म अपना लिया।

जातीय जनगणना के समर्थन में भाजपा : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। विधान परिषद में जातीय जनगणना और केजीएमयू भर्ती में आरक्षण की उपेक्षा मुद्दे पर बुधवार को सपा सदस्यों ने वॉकआउट किया। उनका कहना था कि भाजपा सरकार पिछड़ों के हक छीन रही है। वहीं, नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और वह खुद भी जातीय जनगणना के समर्थन में हैं और केंद्र सरकार ही इसे करा सकती है। उन्होंने कहा कि कहीं भी भर्तियों में आरक्षण की अनदेखी नहीं हो सकती। शिकायतें मिलने पर तत्काल उचित कदम उठाए जाते हैं। सपा के शाहनवाज खान ने कार्यस्थगन प्रस्ताव के जरिये यूपी में जातीय जनगणना कराए जाने की मांग की। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि संसाधनों पर समानुपातिक भागीदारी के लिए जातीय जनगणना जरूरी है। सपा के नरेश उत्तम पटेल ने आरोप लगाया कि भाजपा पिछड़े वर्ग के खिलाफ काम कर रही है।

'हम सत्ता भाव से नहीं, सेवा भाव से काम करने वाले हैं',

पीएम मोदी बोले- गरीब, किसान और युवा मेरे लिए सबसे बड़ी जाति

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में जन औषधि केंद्रों की संख्या 10,000 से 25,000 तक बढ़ाने की परियोजना का शुभारंभ किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि अच्छी दवाई और सस्ती दवाई ये बहुत बड़ी सेवा है। जितने लोग मुझे सुन रहे हैं, उनसे मेरा आग्रह है कि जनऔषधि केंद्र के बारे में लोगों को बताइए। उन्होंने कहा कि दवाइयों पर जो खर्च पहले 12-13 हजार का होता था, वह जनऔषधि केंद्र की वजह से सिर्फ 2-3 हजार हो रहा है यानी 10 हजार रुपये आपकी जेब में बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब ड्रोन चलाने के लिए प्रशिक्षण देने की शुरुआत की गई तो इस योजना को लेकर बहुत से लोगों ने संदेह जताए थे। रमन अम्मा जी जैसी महिलाओं ने साबित कर दिया कि ड्रोन कृषि में तकनीक के दायरे से आगे बढ़कर महिला सशक्तिकरण का भी एक प्रतीक बनकर उभरेगा। आप सभी पूरे देश के लिए एक प्रेरणा हैं। विकसित भारत की इस संकल्प यात्रा में आप जैसी महिलाओं की भागीदारी बहुत ही अहम है।

पीएम ने कहा कि मैं जो ये संकल्प यात्रा लेकर निकला हूं, इसके पीछे मेरा मकसद यही है कि जिनको सरकार की योजनाओं का लाभ मिला है, उनके अनुभव जानना है और जिनको नहीं मिला उन्हें 5 साल में उन योजनाओं का लाभ देना है। इसलिए देश के हर गांव में 'मोदी के विकास की गारंटी' की गाड़ी पहुंचने वाली है। उन्होंने कहा कि आज 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के 15 दिन पूरे हो रहे हैं। हमने इस गाड़ी का नाम रखा था 'विकास रथ', लेकिन इन 15 दिनों में लोगों ने इसका नाम बदल कर 'मोदी की गारंटी वाली गाड़ी' रख दिया है। मुझे ये जानकर अच्छा लगा कि आपको मोदी पर इतना विश्वास है। मैं भी आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपको दी हुई सभी गारंटियों को मैं पूरा करूंगा।

मोदी ने कहा कि जिस तरह से लोग 'विकसित भारत रथों' का स्वागत कर रहे हैं, रथ के साथ चल रहे हैं। जिस तरह युवा और समाज के हर वर्ग के लोग विकसित भारत यात्रा से जुड़ रहे हैं। वह प्रेरित करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपने गांव की कहानी सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे हैं। लेकिन आप लोग इन कहानियों को नमो एप पर जरूर अपलोड करें क्योंकि मैं नमो एप पर इन गतिविधियों को प्रतिदिन देखता हूं। उन्होंने कहा कि देश के लोगों ने वह दौर भी देखा है, जब पहले की सरकारें खुद को जनता का माई बाप समझती थी। इस कारण आजादी के अनेक दशकों बाद तक देश की बहुत बड़ी आबादी मूल सुविधाओं से वंचित रही।

नफरती भाषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- जल्द लेंगे बड़ा फैसला

नई दिल्ली। नफरती भाषण को लेकर उच्चतम न्यायालय ने सख्त टिप्पणी की है। खबर है कि उच्चतम न्यायालय इससे निपटने के लिए एक प्रशासनिक तंत्र पर विचार कर रहा है। साथ ही अदालत की तरफ से यह भी स्पष्ट किया गया है कि वह व्यक्तिगत मामलों से नहीं निपट सकता क्योंकि इससे मामलों की बाढ़ आ जाएगी। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह देशभर में नफरत फैलाने वाले भाषणों से निपटने के लिए एक प्रशासनिक तंत्र स्थापित करने पर विचार कर रहा है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस. वी. एन भट्टी की पीठ ने कहा कि नफरत फैलाने वाले भाषण को अदालत ने परिभाषित किया है और सवाल कार्यान्वयन और यह समझने का है कि इसे कैसे लागू किया जाए। पीठ ने कहा कि हम व्यक्तिगत पहलुओं से नहीं निपट सकते। यदि हम अलग-अलग मामलों से निपटना शुरू करेंगे तो इससे मामलों की बाढ़ आ जाएगी। हम बुनियादी ढांचा या प्रशासनिक तंत्र स्थापित करना चाहते हैं। यदि उसमें कोई उल्लंघन होता है तो आप संबंधित उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं। पीठ ने कहा कि भारत जैसे बड़े देश में, समस्याएं तो होंगी लेकिन सवाल यह है कि क्या हमारे पास जरूरत पड़ने पर कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त प्रशासनिक तंत्र है। शीर्ष अदालत ने नोडल अधिकारियों की नियुक्ति न होने पर तमिलनाडु, केरल, नगालैंड और गुजरात राज्यों को भी नोटिस जारी किया। उच्चतम न्यायालय ने पहले कहा था कि नफरत फैलाने वाले भाषण को परिभाषित करना जटिल है लेकिन इससे निपटने में असली समस्या कानून और न्यायिक घोषणाओं के क्रियान्वयन में है। उच्चतम न्यायालय ने संविधान में भारत के धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की परिकल्पना का हवाला देते हुए पिछले साल 21 अक्टूबर को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों को निर्देश दिया था कि वे नफरत भरे भाषणों के दोषियों के खिलाफ शिकायत दर्ज होने का इंतजार किये बिना सख्त कार्रवाई करें।

सोनिया का इशारा...राहुल-नीतिश नहीं खड़गे हो सकते हैं विपक्ष के पीएम उम्मीदवार

- कई नेताओं ने कहा खड़गे को इंडिया का नेतृत्व करना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पांच राज्यों के चुनाव गुरुवार को संपन्न होने वाले हैं। तीन दिसंबर को नतीजे घोषित होने हैं। इसके बाद लोकसभा चुनाव की तैयारी में सभी पार्टियां जुट जाएगी। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन नरेंद्र मोदी की अगुवाई में 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। वहीं, विपक्षी इंडिया गठबंधन ने अभी तक इस लेकर कोई फैसला नहीं किया है। विपक्ष की ओर से पीएम कैंडिडेट के लिए राहुल गांधी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम सामने आ रहा था। लेकिन, इस बीच कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को बड़ी जिम्मेदारी सौंपने के संकेत दिए हैं।

पूर्व कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी सहित प्रमुख विपक्षी नेताओं ने 2024 के लोकसभा चुनाव में खड़गे के लिए बड़ी भूमिका की वकालत की है। नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष पर लिखी किताब के अनावरण के मौके पर यह बात सामने आई है। इस दौरान विपक्षी नेताओं ने इंडिया गठबंधन की एकता को मजबूत करने का भी संकल्प लिया। कुछ लोगों ने यह विचार व्यक्त किया कि खड़गे को इंडिया गुट का नेतृत्व करना चाहिए। पांच विधानसभा चुनावों के नतीजे आने से कुछ दिन पहले सोनिया गांधी ने कहा कि खड़गे भारत की आत्मा के लिए इस ऐतिहासिक लड़ाई में कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त हैं।

अपने भाषण में सोनिया ने खड़गे की प्रतिबद्धता और विचारधारा की सराहना की। उन्होंने कहा, उनका शानदार जीवन और कार्य उन मूल्यों का उदाहरण है, जो आधुनिक भारत के संस्थापकों और वास्तुकारों ने अपनाए। अदम्य भारतीय भावना का प्रतीक होकर उन्होंने अपनी लंबी यात्रा में कई विपरीत परिस्थितियों का सामना किया।

बता दें कि 81 वर्षीय मल्लिकार्जुन खड़गे को पिछले साल 26 अक्टूबर को कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया था। उनके शासन में कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में दो विधानसभा चुनाव जीते हैं। इसके अलावा इंडिया गठबंधन के बैनर तले कम से कम 27 पार्टियों को साथ लाने में सफल रहे हैं। इन सभी दलों ने 2024 में लोकसभा चुनाव साथ लड़ने का संकल्प लिया है।

खड़गे ने कहा, लोकतंत्र और संविधान के कारण मैं एक सामान्य कार्यकर्ता से इस पद तक पहुंच सका। आज संविधान और संसदीय लोकतंत्र दोनों खतरे में हैं। सत्ता में बैठे लोग संविधान में विश्वास नहीं करते है। उन्होंने कहा है कि वे इस बदलने और अपना संविधान लाने के लिए सही समय का इंतजार कर रहे हैं।

सोनिया गांधी ने खड़गे की तारीफ कर कहा कि उन्होंने दृढ़ साहस, अटूट दयालुता और तीक्ष्ण बुद्धि के साथ मेरे कई बोझों को साझा किया है। आज वह एक महत्वपूर्ण मोड़ पर कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। सत्ता में बैठे लोग संवैधानिक और संस्थागत मूल्यों से बेपरवाह हैं। उन सभी संस्थानों, प्रणालियों और सिद्धांतों को नष्ट कर रहे हैं जिनके द्वारा भारत आजादी के बाद से फला-फूला है।

सोनिया गांधी से पहले कांग्रेस के सबसे पुराने सहयोगियों में से एक द्रमुक के टीआर बालू ने कहा, यह अधिक महत्वपूर्ण है कि इंडिया गठबंधन के सबसे वरिष्ठ नेता खड़गे बिना किसी समस्या के पार्टियों का एक साथ नेतृत्व करें ताकि हम 2024 का चुनाव जीत सकते हैं।

वहीं, राजद के राज्यसभा नेता मनोज झा ने कांग्रेस विधायक अभिषेक मनु सिंघवी की भविष्यवाणी का हवाला देकर कहा कि खड़गे के लिए अभी तक कोई परिणति नहीं हुई है। वहीं, सीपीआईएम के सीताराम येचुरी ने कहा कि खड़गे पर बड़ी जिम्मेदारी है।

अरविंद केजरीवाल के समर्थन में अभियान चलाएगी आम आदमी पार्टी, दिल्ली के 2600 पोलिंग स्टेशन जन संवाद का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को कहा कि वह जनता की राय जानने के लिए एक हस्ताक्षर अभियान शुरू कर रही है कि क्या गिरफ्तारी की स्थिति में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल से सरकार चलानी चाहिए या इस्तीफा दे देना चाहिए। इसको लेकर दिल्ली के मंत्री और आप नेता गोपाल राय ने कहा कि जिस तरह से केंद्र सरकार आप सरकार के कामों को रोक रही है और हमारी पार्टी को खत्म करने की साजिश कर रही है। भ्रष्टाचार के फर्जी मामले दर्ज किये जा रहे हैं और हमारे नेताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। वे अब सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने की तैयारी कर रहे हैं।

गोपाल राय ने आगे कहा कि कल, 1 दिसंबर से हम दिल्ली के सभी 2600 मतदान केंद्रों पर 'मैं भी केजरीवाल' हस्ताक्षर अभियान चलाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी टीमें घर-घर जाएंगी और सुझाव मांगेंगी कि गिरफ्तारी के बाद अरविंद केजरीवाल को क्या करना चाहिए- क्या उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए या जेल से सरकार चलानी चाहिए। लोगों से सुझाव लिए जाएंगे और अभियान 20 दिसंबर तक चलेगा। राघव चड्ढा ने इस बात पर जोर दिया कि अरविंद केजरीवाल भाजपा के लिए

चुनौती हैं, उन्होंने कहा, 'भाजपा पार्टी को कमजोर करने और केजरीवाल को कमजोर करने के लिए आप नेताओं को झूठे मामलों में फंसाने का प्रयास कर रही है।

आप नेता ने कहा कि अगर बीजेपी को विश्वास है कि गिरफ्तारी के बाद सब कुछ खत्म हो जाएगा, तो हम सलाखों के पीछे से शासन करने के लिए तैयार हैं। सभी सदस्यों ने जेल से सरकार चलाने की अपील की है।' इस महीने की शुरुआत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री को नोटिस जारी किया था। हालाँकि, केजरीवाल ने भाजपा के इशारे पर भेजे गए समन को 'अवैध और राजनीति से प्रेरित' बताते हुए खारिज कर दिया। आपको बता दें कि कथित शराब घोटाला मामले में आप के दो बड़े नेता संजय सिंह और मनीष सिसोदिया जेल में बंद हैं।

पन्नू की हत्या की साजिश के कथित आरोपी निखिल गुप्ता पर अमेरिका ने शुरु की कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश रचने के आरोप में अमेरिका ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। न्यूयॉर्क में अमेरिकी वकील डेमियन विलियम्स ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि प्रतिवादी ने भारत से न्यूयॉर्क शहर में भारतीय मूल के एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश रची, जो सार्वजनिक रूप से सिखों के लिए एक अलग देश बनाने की वकालत करता है। इसमें गुरपतवंत सिंह पन्नू का नाम नहीं लिखा है। इस खुलासे के बाद इन देशों के बीच राजनयिक संबंधों में तनाव पैदा हो सकते हैं। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने प्रेस को बताया कि हत्या की साजिश के लिए एक अज्ञात भारतीय सरकारी अधिकारी द्वारा भर्ती किए जाने से पहले, निखिल गुप्ता नशीले पदार्थों और हथियारों की अंतर्राष्ट्रीय तस्करी भी करता था। गुरपतवंत सिंह पन्नू सिख अलगाववादी खालिस्तानी आंदोलन का एक प्रमुख सदस्य है और पंजाब को भारत से अलग करने की वकालत करता है। वह भारत में भी एक वांटेड आतंकवादी है।

अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार 52 वर्षीय निखिल गुप्ता एक भारतीय नागरिक हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और चेक रिपब्लिक के बीच द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि के तहत गुप्ता को इसी साल 30 जून को चेक रिपब्लिक के अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किया गया। एक कथित भारतीय सरकारी कर्मचारी, जिसका नाम दस्तावेज़ में नहीं है, लेकिन उसे सीसी-1 के नाम से संबोधित किया गया है। कहा गया है कि सीसी-1 भारत और अन्य जगहों पर निखिल गुप्ता सहित अन्य लोगों के साथ मिलकर अमेरिकी धरती पर एक वकील और राजनीतिक कार्यकर्ता की हत्या की साजिश रचने का काम कर रहा था। वहीं अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट के मुताबिक, भारत में बैठे सीसी-1 के कहने पर निखिल गुप्ता ने हत्या के लिए एक किलर की तलाश शुरू की। इसी दौरान एक ऐसे शख्स से संपर्क हुआ जो अपराधियों के साथ उठना-बैठना था।

जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी की महिलाओं के लिए केंद्र का बड़ा फैसला, संसद के इसी सत्र में आएगा विधेयक

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में केंद्र सरकार ने महिलाओं के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। जिसमें से एक महिला आरक्षण बिल भी है। संसद के मॉनसून सत्र में पारित महिला आरक्षण विधेयक जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी पर लागू नहीं होगा क्योंकि इसमें अनुच्छेद 239ए और 239 का कोई उल्लेख नहीं है। ऐसे में सरकार ने जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी की विधानसभाओं में महिला आरक्षण का लाभ मिले इसकी पूरी तैयार कर ली है। इसके लिए दो विधेयक संसद के आगामी शीतकालीन सत्र पेश किए जाएंगे। बता दें कि केंद्र सरकार द्वारा पारित कराने के लिए सूचीबद्ध 18 विधेयकों में शामिल किया हैं।

इसके अलावा मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक 2023 को भी शीतकालीन सत्र के लिए शामिल किया गया है। इसके तहत चुनाव आयुक्तों के स्टेटस को

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश से घटाकर कैबिनेट सेक्रेटरी पर लाने का प्रावधान है।रिपोर्ट के अनुसार, सात पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों ने प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखकर इन प्रावधानों की समीक्षा करने की मांग की थी।उपरोक्त दोनों विधेयकों के अलावा शीतकालीन सत्र के लिए केंद्र सरकार के एजेंडे में तीन नए विधेयकों को पारित करना शामिल है। ब्रिटिश युग के कानूनों को हटाने के लिए सरकार अपनी प्रतिबद्धता दिखा रही है। भारतीय दंड संहिता (1860), भारतीय साक्ष्य अधिनियम (1872) और आपराधिक प्रक्रिया अधिनियम (1898) को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय साक्ष्य (बीएस) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) से बदला जाएगा। हाल ही में भाजपा सांसद बृजलाल की अध्यक्षता वाले एक संसदीय पैनल ने 50 से अधिक संशोधनों का सुझाव दिया था। इस दौरान तीन विधेयकों में कई प्रिंटिंग और संख्या संबंधी त्रुटियों को रेखांकित किया था।भारतीय न्याय संहिता में मॉब लिंचिंग पर सात साल की कैद या आजीवन कारावास या फिर मौत की सजा का प्रावधान है। वीडियो ट्रायल, एफआईआर की ई-फाइलिंग के माध्यम से बिना देरी न्याय को सक्षम बनाने की कोशिश की गई है। राजद्रोह की परिभाषा का भी विस्तार किया गया है। भ्रष्टाचार, आतंकवाद और संगठित अपराध को दंडात्मक कानूनों के तहत लाया गया है। सजा के नए रूपों के रूप में सामुदायिक सेवा और एकांत कारावास की भी शुरुआत की जाएगी। पैनल कई सुझाव दिए हैं, जिन पर सरकार विचार कर सकती है। पैनल ने तर्क दिया है कि धारा 497 को भेदभाव के आधार पर रद्द कर दिया गया था। इसे लिंग-तटस्थ बनाने से इस कमी को दूर किया जा सकेगा। सरकार का मानना है कि विवाह की पवित्रता की रक्षा के लिए इस प्रावधान को बरकरार रखने की जरूरत है।

दो में से एक भारतीय बोले- डीपफेक को सोशल मीडिया से 24 घंटे में हटाएं: सर्वेक्षण

- सर्वेक्षण में शामिल 43 प्रतिशत भारतीय हर दिन औसतन तीन या अधिक लघु वीडियो देखते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन में से लगभग एक भारतीयों का कहना है कि वे बहुत सारे वीडियो देख रहे हैं और बाद में पता चलता है कि वे नकली हैं। दो में से एक से अधिक लोगों का कहना है कि 24 घंटे के भीतर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से डीपफेक वीड?यो को हटाया जाए। हाल ही में ?किए गए एक नए सर्वेक्षण से यह जानकारी सामने आई। हाल के सप्ताहों में, कई भारतीय अभिनेताओं ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रसारित होने वाले डीपफेक लघु वीडियो में अभिनय किया है। सोशल कम्युनिटी प्लेटफॉर्म लोकलसर्कल्स के सर्वेक्षण के अनुसार सर्वेक्षण में शामिल 43 प्रतिशत भारतीय हर दिन औसतन तीन या अधिक लघु वीडियो देखते हैं। उनमें से तीस प्रतिशत का कहना है कि बाद में उन्हें पता चला कि उनके द्वारा देखे गए 25 प्रतिशत या अधिक वीडियो नकली थे। निष्कर्षों से पता चला कि लगभग 56 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित डीपफेक वीडियो को शिकायत के 24 घंटे के भीतर हटा दिया जाना चाहिए। चुनाव वाले राज्यों में भी कई डीपफेक वीडियो प्रचलन में पाए गए हैं। सरकार को डीपफेक की बढ़ती प्रवृत्ति पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि सरकार डीपफेक जैसी आपत्तिजनक सामग्री से पीड़ित होने पर आईटी नियमों के उल्लंघन के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने में नागरिकों की सहायता करेगी। मंत्री ने कहा कि सरकार डीपफेक से निपटने के लिए जल्द ही नए नियम लाएगी। इस बीच, सरकार ने आदेश दिया है कि सोशल मीडिया कंपनियों को भ्रामक और डीपफेक वीडियो की पहचान करनी होगी। सर्वेक्षण के अनुसार, बहुत कम लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर देखे गए वीडियो की प्रामाणिकता के बारे में जानते हैं या इसकी जांच करने की जहमत उठाते हैं। सामुदायिक चर्चाओं के हिस्से के रूप में, लोगों ने बेहद खराब प्रतिक्रिया व्यक्त की है कि जब उनका सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो जाता है, तो प्लेटफॉर्म को उपयोगकर्ताओं की शिकायतों के प्रति प्रतिक्रिया देनी पड़ती है।

नोबेल शांति विजेता हेनरी किसिंजर का 100 साल की उम्र में निधन

-विदेश मंत्री रहते अमेरिका की चीन से कराई थी दोस्ती, कोई बताता था युद्ध अपराधी

वाशिंगटन । अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर का 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को कनेक्टिकट में उनके घर पर निधन हुआ। वह एक विवादास्पद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता भी रहे हैं। गौरतलब है कि हेनरी किसिंजर अपने वक्त में राजनयिक तौर पर एक बड़ी ताकत माने जाते थे। दो राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान उन्होंने अमेरिकी विदेश नीति पर एक अमिट छाप छोड़ी। किसिंजर उम्र के इस पड़ाव पर भी सक्रिय थे। वह लगातार व्हाइट हाउस में बैठकों में हिस्सा लेते रहे। उन्होंने नेतृत्व की शैलियों पर एक पुस्तक भी लिखी है। उत्तर कोरिया से पैदा परमाणु खतरे के बारे में सीनेट समिति के समक्ष गवाही देने सहित जुलाई 2023 में उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने के लिए अचानक बीजिंग का दौरा किया। 1970 के दशक में विदेश मंत्री के रूप में काम करते हुए हेनरी किसिंजर ने उस दशक की कई युग बदलने वाली वैश्विक घटनाओं को तय करने में अपना योगदान दिया था। जर्मन में जन्मे यहूदी शरणार्थी किसिंजर की कोशिशों से अमेरिका की चीन के साथ कूटनीतिक संपर्कों की शुरुआत हुई। इसके साथ ही ऐतिहासिक अमेरिकी-सोवियत हथियार नियंत्रण वार्ता हुई, इजरायल और उसके अरब पड़ोसियों के बीच संबंधों का विस्तार हुआ और उत्तरी वियतनाम के साथ पेरिस शांति समझौते हुए। अमेरिकी विदेश नीति के प्रमुख वास्तुकार के रूप में किसिंजर का असर 1974 में निक्सन के इस्तीफे के साथ कम हो गया। हेनरी किसिंजर फिर भी राष्ट्रपति गेराल्ड फोर्ड के अधीन एक राजनयिक ताकत बने रहे और अपने पूरे जीवन भर अमेरिका की विदेश नीति के बारे में मजबूत राय पेश करते रहे। दुनिया में कई लोगों ने किसिंजर की प्रतिभा और व्यापक अनुभव के लिए सराहना की है, जबकि उनको 1973 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था। हालांकि इसे अब तक के सबसे विवादास्पद नोबेल शांति पुरस्कारों में से एक माना जाता था।

चीनी महिलाओं ने किया बच्चे पैदा करने वाली सरकारी नीति का विरोध

बीजिंग । इन दिनों चीन में महिलाएं बच्चे पैदा करने वाली सरकारी नीति का विरोध कर रही हैं। हालांकि चीन घटती आबादी और मंदी का सामना कर रहा है। ऐसे माहौल में शी जिनपिंग के नेतृत्व वाली सरकार चाहती है कि चीन की महिलाएं विनम्र, आबादी बढ़ाने में मददगार, सामाजिक-आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिरता की गारंटी देने वाली बनें। वहीं दूसरी ओर कई चीनी महिलाओं को यह नीति पसंद नहीं है। यह महिलाएं खुद के निर्णय लेने में दिलचस्पी रखती हैं। यही कारण है कि वे सरकार की इस नीति का चुपचाप विरोध कर रही हैं। राष्ट्रपति जिनपिंग ने साफ कर दिया है कि चीनी आधुनिकीकरण की योजनाओं में महिलाओं को साथ देना जरूरी है। इस दिशा में सरकार ने महिलाओं को शादी करने और बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अभियान शुरू किया है। हालांकि 2021 में जारी किए गए कम्युनिस्ट यूथ लीग सर्वेक्षण में पाया गया कि 18 से 26 वर्ष की आयु के 30.5 प्रतिशत शहरी युवाओं ने कहा कि वे शादी में विश्वास नहीं करते हैं। इन में से 73.4 प्रतिशत महिलाएं थीं। तब सरकार ने कहा कि महिलाएं कॅरियर छोड़ें और शादी करें, इसके लिए भी कानून में बदलाव किया गया है। जिस के कारण चीनी महिलाओं के लिए घरेलू हिंसा में न्याय मिलना और तलाक की प्रक्रिया जटिल हो रही है। जानकार बता रहे हैं कि यही वजह है कि यहां शादी उनके लिए दुस्वप्न बन सकती है। हालांकि महिलाएं सरकार की नीति को चुनौती देने के लिए तैयार नहीं हैं। लेकिन, उपलब्ध विकल्पों का इस्तेमाल कर सामूहिक रूप से सरकार के लिए चुनौती पेश कर रही हैं। चीन 27 वर्ष से अधिक उम्र की सिंगल पेशेवर महिलाओं को शेंग नु यानी जिनके आगे-पीछे कोई नहीं के रूप में दिखाता है। जबकि युवा चीनी महिलाएं या तो शादी में देरी कर रही हैं या शादी के बाद मां बनने से पूरी तरह परहेज कर रही हैं।

कजाकिस्तान के अल्माटी में छात्रावास में आग लगने से 13 लोगों की मौत

अस्ताना। कजाकिस्तान के अल्माटी में गुरुवार को एक छात्रावास में आग लगने से तेरह लोगों की मौत हो गई। आपातकालीन विभाग ने एक बयान में यह जानकारी दी। विभाग ने कहा कि आग तीन मंजिला आवासीय इमारत के बेसमेंट में लगी थी। इस इमारत की पहली मंजिल और बेसमेंट को छात्रावास में बदल दिया गया था। इस घटना के समय छात्रावास में 72 लोग थे, जिनमें से 59 बाहर निकलने में कामयाब रहे।

राष्ट्रपति पद के चुनाव में बाइडेन को वोट नहीं दूंगा : मस्क

वाशिंगटन। प्रसिद्ध उद्योगपति एलन मस्क ने कहा है कि वह चुनाव में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को वोट नहीं देंगे। श्री मस्क ने बुधवार को द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए साक्षात्कार में कहा, 'मुझे लगता है कि मैं श्री बाइडेन को वोट नहीं दूंगा।' उन्होंने कहा कि श्री बाइडेन द्वारा टेस्ला को व्हाइट हाउस में एक इलेक्ट्रिक वाहन शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित नहीं करने से उनका अपमान हुआ, जबकि कंपनी अन्य उपस्थित लोगों की तुलना में अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बनाती है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए किसी का समर्थन देने का फैसला नहीं लिया है।

नाटो, यूक्रेन परिषद ने विदेश मंत्री स्तर पर की पहली बैठक

कीव। नाटो-यूक्रेन परिषद (एनयूसी) ने विदेश मंत्री स्तर पर अपनी पहली बैठक की। यूक्रेनी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एनयूसी ने मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान में कहा कि बैठक में यूक्रेन और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के विदेश मंत्रियों ने एनयूसी की उपसंरचना और 2024 के लिए इसके कार्य कार्यक्रम का समर्थन किया। इसके अनुसार, नाटो और यूक्रेन पहले से ही ऊर्जा सुरक्षा, नवाचार, साइबर रक्षा और लचीलापन सहित कई मुद्दों पर काम कर रहे हैं। इसके अलावा, नाटो यूक्रेन को तत्काल आवश्यक गैर-घातक सहायता प्रदान करना जारी रखता है। बयान के मुताबिक, नाटो सहयोगी यूक्रेन को राजनीतिक और व्यावहारिक समर्थन बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम हैं। एनयूसी ने कहा कि यूक्रेन के लिए नाटो के व्यापक सहायता पैकेज (सीएपी) को यूक्रेनी सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र के पुनर्निर्माण में मदद करने तथा लंबी अवधि में देश की रक्षा का समर्थन करने के लिए एक बहु-वर्षीय कार्यक्रम में बदल दिया जाएगा।

गाजा संघर्ष की समाप्ति से जुड़ी है लाल सागर की सुरक्षा : हाउती

सना। यमन के हाउती विद्रोहियों ने जी7 के एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए गुरुवार को कहा कि लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय नौवहन की सुरक्षा इजरायल-हमास संघर्ष को समाप्त करने से जुड़ी है। हाउती समूह के अल-मसीरा टीवी द्वारा प्रसारित एक बयान में कहा, 'लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय नौवहन की सुरक्षा और जहाज गैलेक्सी लीडर का भाग्य फिलिस्तीनी प्रतिरोध बलों की पसंद और इजरायली आक्रामकता का सामना करने में उनके लक्ष्यों से जुड़ा हुआ है।' उल्लेखनीय है कि जी 7 विदेश मंत्रियों की बैठक में इज़रायल और गाजा की स्थिति पर एक बयान जारी किया गया, जिसमें हाउती से नागरिकों पर हमले और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग लेन तथा वाणिज्यिक जहाजों के लिए खतरों को तुरंत रोकने और एम/वी गैलेक्सी लीडर को रिहा करने का आह्वान किया गया था। इसके चालक दल को 19 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र से अवैध रूप से बंधक बना लिया गया था। सात अक्टूबर को इज़रायल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से हाउती ने इज़रायल की ओर मिसाइल हमलों के साथ-साथ लाल सागर में वाणिज्यिक जहाज गैलेक्सी लीडर के अपहरण की जिम्मेदारी ली है। हाउती समूह ने उत्तरी यमन के अधिकांश हिस्से पर नियंत्रण कर रहा है, जिसमें राजधानी सना और रणनीतिक लाल सागर बंदरगाह शहर होदेइदाह भी शामिल है।

बर्लिन, जर्मनी में चार्लोटनबर्ग कैसल के मैदान में बर्फबारी के बाद पार्क में टहलते लोग।

भारत जलवायु परिवर्तन से पीड़ित देशों को मुआवजे के लिए एलडीएफ का दायरा बढ़ाने की कर सकता है वकालत

दुबई। भारत जलवायु परिवर्तन से प्रभावित विकासशील देशों को मुआवजा देने के लिए हानि एवं क्षति कोष (एलडीएफ) का दायरा बढ़ाने की वकालत कर सकता है, ताकि उन्हें इसमें समाविष्ट किया जा सके। संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही। बृहस्पतिवार को यहां जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक सम्मेलन शुरू हुआ। पिछले वर्ष वार्षिक संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता (सीओपी)27 में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से पीड़ित विकासशील देशों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए पक्षकारों ने हानि एवं क्षति कोष बनाने पर सहमति दी थी। संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि सीओपी28 में वैश्विक हानि एवं क्षति कोष को क्रियाशील बनाने पर पूरा ध्यान केन्द्रित रहेगा। इसके अलावा पात्रता अनिवार्यता, धन के स्रोत,और क्या विश्व बैंक प्रारंभिक तौर पर चार वर्ष के लिए इसका अंतरिम ट्रस्टी हो सकता है- इन पर भी विचार विमर्श होगा। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने कहा कि उम्मीद है कि भारत एलडीएफ का दायरा बढ़ाने की वकालत करेगा और विकासशील देशों को इसमें समाविष्ट करने की अपील करेगा। अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि सीओपी28 में मुख्य रूप से ध्यान 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने पर होगा। भारत इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। यह सम्मेलन बृहस्पतिवार से शुरू होकर 12 दिसंबर तक चलेगा। इसमें लगभग 200 देशों के 70,000 प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। इस जलवायु शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ सहित राष्ट्राध्यक्षों एवं सरकारों के प्रमुखों के शामिल होने की उम्मीद है।

इजराइल-हमास युद्ध: आखिरी क्षणों में एक दिन के लिए बढ़ा संघर्ष विराम

जेरूसलम (एजेंसी)। इज़राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, गाजा में संघर्ष विराम तब तक जारी रहेगा जब तक कि अधिक बंधकों को मुक्त करने के लिए कोई समझौता नहीं हो जाता। यह बयान सुबह 7 बजे (स्थानीय समयानुसार) संघर्ष विराम समाप्त होने से कुछ मिनट पहले आया। हमास और कतर ने भी गुरुवार को संघर्ष विराम को सातवें दिन बढ़ाने की पुष्टि की। यह शुक्रवार, 24 नवंबर को शुरू हुए शुरुआती चार दिवसीय संघर्ष विराम का दूसरा विस्तार है। कतर ने संघर्ष विराम वार्ता का नेतृत्व किया है और पुष्टि की है कि विराम को शुक्रवार तक बढ़ा दिया गया है। आईडीएफ ने एक्स पर कहा, ÷बंधकों को रिहा करने की प्रक्रिया जारी रखने और रूपरेखा की शर्तों के अधीन मध्यस्थों के प्रयासों के आलोक में परिचालन विराम जारी रहेगा।÷

समय सीमा के करीब पहुंचते हुए, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन सहित कतर में वार्ताकार संभावित विस्तार के विवरण पर चर्चा कर रहे थे। गुरुवार को संघर्ष विराम की समाप्ति से कुछ क्षण पहले, हमास ने कहा कि बातचीत गतिरोध पर थी और दावा किया गया कि इज़राइल ने हिरासत में ली गई सात महिलाओं और बच्चों और तीन मृत महिलाओं या

बच्चों के शवों को प्राप्त करने के बदले में संघर्ष विराम की अवधि बढ़ाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया, जिनके बारे में हमास का दावा है कि वे इजरायली बमबारी में मारे गए थे। अधिक बंधकों की रिहाई और तबाह गाजा में अतिरिक्त सहायता की अनुमति देने के लिए संघर्ष विराम को बढ़ाने का दबाव था, ब्लिंकन बुधवार रात वार्ता के लिए इज़राइल पहुंचे।

इजरायली अधिकारियों के अनुसार, संघर्ष विराम ने उस लड़ाई पर अस्थायी रोक लगा दी है जो 7 अक्टूबर को शुरू हुई थी जब हमास के आतंकवादियों ने सीमा पार करके इजरायल में घुसपैठ की थी, जिसमें 1,200 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे और लगभग 240 लोगों का अपहरण कर लिया गया था। हमास के अधिकारियों के अनुसार, गाजा में इजरायल के बाद के हवाई और जमीनी अभियान में लगभग 15,000 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर नागरिक भी थे, और क्षेत्र के उत्तर के बड़े हिस्से को मलबे में तब्दील कर दिया। यदि हमास एक दिन में अन्य 10 बंधकों को रिहा कर सकता है तो संघर्ष विराम समझौता विस्तार की अनुमति देता है, और समूह के एक करीबी सूत्र ने बुधवार को कहा कि वह विराम को चार दिनों तक बढ़ाने के लिए तैयार था।

भारत में अफगान दूतावास खोलने को बेचैन हुआ तालिबान

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर कब्जा करने वाला तालिबान भारत के साथ रिश्ते मजबूत करने की फिराक में है। यही वजह है कि तालिबान ने ऐलान किया है कि वह भारत में बंद पड़े अफगान दूतावास को जल्द ही शुरू करने वाला है। मीडिया में आए एक इंटरव्यू में तालिबान के विदेश मामलों के उप मंत्री शेर मोहम्मद अब्बास स्टानिकजई ने कहा कि भारत में अफगानिस्तान का दूतावास जल्द ही परिचालन शुरू करेगा। स्टानिकजई ने यह भी कहा कि भारत में अफगान दूतावास उनके मंत्रालय के संपर्क में है। मुंबई और हैदराबाद में अफगान वाणिज्य दूतावास सक्रिय हैं और उप मंत्री के संपर्क में हैं। बता दें कि भारत में मौजूद अफगान दूतावास ने 24 नवंबर को एक बयान जारी कर अपने राजनयिक मिशन को बंद करने का आधिकारिक ऐलान कतरे हुए कहा था कि भारत सरकार से लगातार चुनौतियों के कारण यह निर्णय 23 नवंबर 2023 से प्रभावी है। दूतावास द्वारा 30 सितंबर को संचालन बंद करने के पहल के बाद लिया गया है। यह कदम इस उम्मीद में उठाया गया है कि मिशन को सामान्य रूप से संचालित करने के लिए भारत सरकार का रुख अनुकूल रूप से बदलेगा।

दूतावास के अनुसार, पिछले सत्ताईस महीनों में, भारत में अफगान समुदाय में उल्लेखनीय कमी आई है। अफगान शरणार्थी, छात्र और व्यापारी देश छोड़ रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप अगस्त 2021 के बाद से संख्या में लगभग 50 प्रतिशत की कमी आई है। बयान में आगे कहा कि इस अवधि के दौरान नए वीजा बहुत कम जारी किए गए हैं। दरअसल तालिबान अपनी स्थापना के बाद वर्तमान में सबसे गंभीर चुनौती से जूझ रहा है। तालिबान को अफगानिस्तान पर कब्जा किए दो साल पूरे हो चुके हैं। लेकिन अभी तक किसी भी देश ने तालिबान की अंतरिम सरकार को मान्यता नहीं दी है। यहां तक कि तालिबान के खास माने जा रहे पाकिस्तान, चीन और रूस ने भी इस मुद्दे पर कुछ नहीं कहा है।

भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास कोष को दक्षिण-दक्षिण सहयोग का बताया प्रतीक

- आईयूएनडीपीएफ ने 54 देशों में 76 परियोजनाओं को वित्तपोषित किया

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। भारत और संयुक्त राष्ट्र विकास कोष (आईयूएनडीपीएफ) जिसने 54 देशों में 76 परियोजनाओं को वित्तपोषित किया है। नई दिल्ली के वसुधैव कुटुंबकम के दर्शन को साकार करता है और दक्षिण-दक्षिण सहयोग की शक्ति को दर्शाता है। यह बात यूएन की उप महासचिव अमीना मोहम्मद ने कही। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आईयूएनडीपीएफ के छठे वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मोहम्मद ने कहा कि भारत लंबे समय से दक्षिण-दक्षिण सहयोग और एसडीजी की वैश्विक खोज का चैंपियन रहा है। उन्होंने कहा कि यह उन उल्लेखनीय उपलब्धियों को प्रदर्शित करता है, जो संयुक्त राष्ट्र के देश विकासशील देशों के साथ मिलकर काम करके हासिल कर सकते हैं। मोहम्मद ने कहा कि आईयूएनडीपीएफ हमारे समुदायों के सबसे कमजोर लोगों में सकारात्मक बदलाव लाते हुए महत्वपूर्ण मील के पत्थर तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि हैती में स्वच्छ जल और कृषि सिंचाई में सुधार के लिए सौर जल पंपिंग प्रणाली स्थापित की गई है। मोल्दोवा में, इसने राष्ट्रीय सांख्यिकीय प्रणालियों को मजबूत किया और जिम्बाब्वे में इसने छोटे किसानों को सूखा प्रतिरोधी बीज, तकनीकी प्रशिक्षण और फसल के बाद सहायता प्रदान की। महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कहा कि दुनिया भर में आईयूएनडीपीएफ के योगदान की सीमा कोई छोटी उपलब्धि नहीं है, विशेष रूप से सिकुड़ते वित्तीय अवसरों के इस युग में, जो हाल के वर्षों में महामारी और अन्य वैश्विक झटकों के प्रभाव से जटिल हो गई है। उन्होंने कहा कि 76 परियोजनाओं में से 28 छोटे द्वीप विकासशील राज्यों में हैं। मुझे समान रूप से खुशी है कि कैरेबियन समुदाय सीएआरआईसीओएम, मेरा अपना क्षेत्र धन के ध्यान का एक प्रमुख क्षेत्र है, जहां यह अभिनव, दक्षिणी स्वामित्व का समर्थन करता है और मांग-संचालित सतत विकास परियोजनाओं का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि उनके अपने देश, त्रिनिदाद और टोबैगो में परियोजनाओं में से एक दूरस्थ देखभाल प्रदान करने के लिए एक टेलीमेडिसिन प्रणाली है।

क्या अमेरिका भी वही कह रहा है जो ट्रूडो ने कहा था

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा चाहता है कि अमेरिका उसका साथ दे। इसके लिए वो प्रयास भी कर रहा है। शायद यही कारण है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि अमेरिका ने जो आरोप लगाए हैं, उन आरोपों की बात हम शुरुआत से ही करते आ रहे हैं। भारत को इस तरह के आरोपों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। अमेरिका ने आरोप लगाया है कि एक भारतीय नागरिक ने अमेरिकी धरती पर खालिस्तानी नेता की हत्या की असफल साजिश रची थी। अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से भारतीय नागरिक पर लगाए गए गंभीर आरोप के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी भारत को नसीहत दी है।

अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा है कि 52 साल का एक भारतीय नागरिक जो भारत सरकार का कर्मचारी भी है। उसने उत्तरी भारत में एक अलग सिख राष्ट्र की वकालत करने वाले न्यूयार्क शहर के निवासी की हत्या की साजिश रची थी। विभाग ने पन्नू का नाम नहीं लिया है लेकिन उसका इशारा पन्नू की ओर है क्योंकि गुरवतपंत सिंह पन्नू अमेरिकी शहर

न्यूयॉर्क में ही रहता है। विभाग के मुताबिक, यह नागरिक (निखिल गुप्ता) सुरक्षा प्रबंधन और खुफिया सूचनाओं को देखता था। निखिल गुप्ता पर यह भी आरोप है कि उसने पन्नू की हत्या के लिए एक लाख डॉलर देने की बात कही थी। इसमें से 15 हजार डॉलर की अडवांस पेमेंट 9 जून 2023 को कर दी गई थी। लेकिन, जिस शख्स को इस काम के लिए हायर किया गया था, वह अमेरिकी एजेंसी का ही खुफिया एजेंट था। जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि अमेरिका ने जो आरोप लगाए हैं, उन आरोपों की बात हम शुरुआत से ही करते आ रहे हैं। हम पहले से ही कहते आ रहे हैं कि भारत को इस तरह के आरोपों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। दरअसल, अमेरिका के न्याय विभाग ने 52 साल के भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश करने के आरोप लगाए हैं। हालांकि, अमेरिकी विभाग ने पन्नू का नाम नहीं लिया है, लेकिन इशारा पन्नू की ओर ही है। पिछले सप्ताह ही ब्रिटिश अखबार एफटी ने अपनी एक रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि अमेरिका ने पन्नू की हत्या की साजिश को विफल किया था। साथ ही अमेरिका ने इस मामले में भारत को कार्रवाई करने के लिए कहा था। अमेरिका ने भारत पर यह आरोप ऐसे समय में लगाया है जब दो महीना पहले यानी सितंबर में ही कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा की संसद में बोलते हुए आरोप लगाया था कि जून 2023 में हुए खालिस्तानी आतंकी हरदीप निज्जर की हत्या में भारत सरकार का हाथ है। कनाडा के इन आरोपों को भारत सरकार ने बेतुका और मोटिवेटेड करार दिया था।

उ.कोरिया ने बातचीत के अमेरिकी आह्वान को खारिज किया

सियोल। उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन की बहन ने कूटनीतिक बातचीत के अमेरिकी आह्वान को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया तथा आगे और अधिक उपग्रहों का प्रक्षेपण करने का संकल्प जताया। अमेरिका ने उत्तर कोरिया के हालिया जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण को संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों का उल्लंघन बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की थी। इस सप्ताह की शुरुआत में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने उत्तर कोरिया के उपग्रह प्रक्षेपण को 'लापरवाहीपूर्ण और गैरकानूनी' कार्रवाई बताया था, जो उसके (उत्तर कोरिया के) पड़ोसियों के लिए खतरा है। हालांकि, उन्होंने बिना किसी पूर्व शर्त के बातचीत की अमेरिकी पेशकश को दोहराते हुए कहा कि उत्तर कोरिया 'समय और विषय खुद चुन सकता है।' किम की बहन और वरिष्ठ अधिकारी, किम यो जोंग ने अमेरिकी प्रस्ताव को खारिज कर दिया तथा आगे और अधिक उपग्रह व अन्य हथियार प्रक्षेपित करने की धमकी दी। देश के सरकारी मीडिया द्वारा जारी एक बयान में किम यो जोंग ने कहा, 'एक स्वतंत्र देश की संप्रभुता कभी भी बातचीत के लिए 'एजेंडा आइटम' नहीं हो सकती है और इसलिए उत्तर कोरिया इस उद्देश्य के लिए कभी भी अमेरिका के साथ बातचीत के लिए नहीं बैठेगा।'

हमास ने 2011 का दांव चला: बोला- 7 हजार फिलिस्तीनी रिहा करो और अपने लोग ले जाओ

तेल अवीव (एजेंसी)। हमास के आतंकियों ने एक बार फिर वही पुराना दांव चला है जो उन्होंने 2011 में चला था। हमास ने यही पैंतरा अपनाकर 1100 कैदियों को मुक्त कराया था। एक दावे के अनुसार, इस वक्त भी इजरायली जेलों में 7000 से अधिक फिलिस्तीनी बंद हैं, जिनमें अधिकतर हमास के मेंबर हैं। इन्हे मुक्त कराने के लिए हमास ने कहा है कि हमारे सभी सात बंधको को छोड़ो और अपने लोगों को ले जाओ।इजरायल और हमास के बीच गाजा में थमे कत्लेआम का आज सातवां दिन है। इससे पहले बुधवार देर रात को हमास ने गाजा में कैद 16 और बंधकों को रिहा कर दिया। सीजफायर के तहत दोनों तरफ से कैदियों को रिहा किया जा रहा है।

संघर्ष विराम की अवधि बढ़ाने के लिए चल रही बातचीत के बीच हमास के एक नेता ने इजरायल को बड़ा ऑफर दिया है। कहा है कि अगर इजरायल इस्लामिक आंदोलन में बंद सभी 7000 फिलिस्तीनियों को रिहा कर दे तो वे सभी बंदियों समेत इजरायली सैनिकों को भी छोड़ने के लिए तैयार हैं। हमास का इजरायली सैनिकों के बदले फिलिस्तीनियों की रिहाई की मांग पहली बार नहीं है। 2011 में भी हमास ने यही पैंतरा अपनाकर 1100 कैदियों को मुक्त कराया था। एक दावे के अनुसार, इस वक्त भी इजरायली जेलों में 7000 से अधिक फिलिस्तीनी बंद हैं, जिनमें अधिकतर हमास के मेंबर हैं।

यह बयान दिया है हमास के अधिकारी और गाजा के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बासेम नईम ने। उन्होंने बुधवार देर रात एक बयान में कहा कि हमास शत्रुता को समाप्त करने के लिए इजरायल से बातचीत कर रहा है। नईम ने दक्षिण अफ्रीका की यात्रा के दौरान केप टाउन में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम अपने सभी कैदियों के बदले में उनके सभी सैनिकों को रिहा करने के लिए तैयार हैं। गौरतलब है कि गाजा पर सत्ता करने वाले हमास आतंकी समूह ने 7 अक्टूबर को एक अभूतपूर्व हमले में दक्षिणी इजराइल से लगभग 240 लोगों को बंदी बना लिया था।

इजरायली अधिकारियों के मुताबिक, हमास के हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश नागरिक थे। जवाब में, इजरायल ने हमास को खत्म करने की कसम खाई है और गाजा पट्टी में हवाई और जमीनी अभियान शुरू किया है, जिसके बारे में हमास सरकार का कहना है कि इसमें लगभग 15,000 लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर नागरिक हैं। कतर की मध्यस्थता के बाद इजरायल और हमास के बीच छह दिनी सीजफायर में अभी तक 60 इजरायली बंधकों और 180 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जा चुका है। दोनों खेमों के बीच सीजफायर 30 नवंबर की सुबह समाप्त हो रहा है। कतर दोनों के बीच सीजफायर बढ़ाने को लेकर काम कर रहा है। अभी भी इजरायल के 90 से ज्यादा बंधक हमास के कब्जे में हैं, जबकि हमास का आरोप है कि सैंकड़ों फिलिस्तीनियों को इजरायल ने इस्लामिक आंदोलन के आरोपों में जेल में बंद करके रखा है। हमास का सैनिकों के बदले इस्लामिक आंदोलन करने वाले लोगों की रिहाई की मांग पहली बार नहीं है। इससे पहले भी हमास इस तरह की मांग इजरायल से पूरी करवा चुका है। 2011 में, हमास ने 1,000 से अधिक फ़िलिस्तीनियों की अदला-बदली इजरायली सैनिक गिलाद शालिट के बदले की थी। उसे हमास

ने बंदी बनाकर अपने पास रखा था। हमास का कहना है कि अभी भी इजरायली जेलों में 7,000 से अधिक फिलिस्तीनी कैद हैं, उनमें से कई अब तक मुक्त किए गए युवाओं और महिलाओं की तुलना में कहीं अधिक प्रमुख हैं।

फीनिक्स से हीरो बनकर डेब्यू कर रहे विजय सेतुपति के बेटे सूर्या

साउथ फिल्मों के स्टार विजय सेतुपति के बेटे सूर्या अब हीरो के तौर पर एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं। सूर्या चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। पापा विजय सेतुपति संग भी सूर्या ने फिल्में कीं। उनकी नई फिल्म फीनिक्स को जवान के स्टंट कोरियोग्राफर डायरेक्ट करेंगे। जवान से पैन इंडिया तहलका मचाने वाले एक्टर विजय सेतुपति का बेटा भी अब एक्टिंग की दुनिया में धमाल मचाने को तैयार है। विजय सेतुपति के बेटे सूर्या एक चाइल्ड आर्टिस्ट रहे हैं, और अब वह लीड हीरो के रूप में डेब्यू करने जा रहे हैं। खबर है कि वह जवान के स्टंट कोरियोग्राफर अनल अरासु की नई फिल्म फीनिक्स से हीरो बनकर एंट्री करेंगे। बतौर फिल्ममेकर फीनिक्स अनल अरासु की पहली फिल्म होगी। बताया जा रहा है कि फीनिक्स एक मास-एक्शन एंटरटेनर होगी, जिसमें तगड़े चेज़िंग सीक्वेंस और स्टंट होंगे। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। सूर्या सेतुपति बचपन से ही एक्टिंग करते आ रहे हैं। कई फिल्मों में उन्होंने अपनी एक्टिंग का जौहर दिखाया है।

पापा विजय सेतुपति के साथ सूर्या की फिल्में

सूर्या ने साल 2015 में उन्होंने नानुम राउडी धान नाम की फिल्म में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम किया था। इस फिल्म में उन्होंने पापा विजय सेतुपति के बचपन का रोल प्ले किया था। फिर 2019 में सूर्या सेतुपति फिल्म सिंधुबाध में नजर आए। इस फिल्म में भी बाप-बेटे यानी विजय सेतुपति और सूर्या की जोड़ी थी।

कौन हैं अनल अरासु?

अनल अरासु जवान के अलावा जय हो, हीरोपंती, इंडियन, रेस 3, किसी का भाई किसी की जान और किक जैसी हिंदी फिल्मों के अलावा कई तेलुगू और मलयालम फिल्मों में भी एक्शन और स्टंट कोरियोग्राफ कर चुके हैं। वह कमल हासन की आने वाली फिल्म इंडियन 2 के भी स्टंट डायरेक्टर हैं।

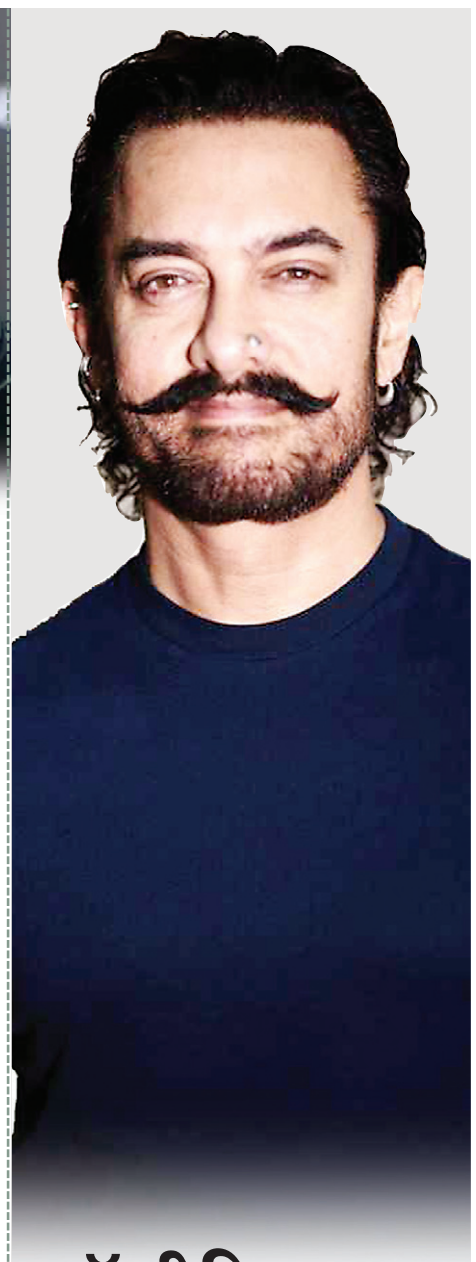

कॉफी विद करण 8 में नजर आएंगे आमिर खान

बॉलीवुड में मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर आमिर खान और उनकी पूर्व पत्नी किरण राव इन दिनों फिल्म लापता लेडीज को लेकर लगातार चर्चा में हैं। इस फिल्म का लोगों को लंबे समय से इंतजार है। यह फिल्म अगले साल एक मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब आमिर और किरण इस शो का हिस्सा बनने वाले हैं। इससे पहले वे साल 2013 में भी इस शो में शिरकत कर चुके हैं।एक रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि आमिर और किरण शो के मौजूदा सीजन के आखिरी मेहमान होंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि इसमें शामिल सभी लोगों के लिए यह बेहद मजेदार शूट था। आमिर और किरण की मुलाकात लगान की शूटिंग के दौरान हुई थी। कई वर्षों की दोस्ती के बाद 2005 में दोनों ने शादी कर ली थी। हालांकि, 16 साल के बाद दोनों 2021 में अलग हो गए। दोनों का एक बेटा है, जिसका नाम आजाद राव खान है। हालांकि, यह जोड़ी अब साथ नहीं है, फिर भी वे एक-दूसरे के साथ सबसे अच्छे संबंध रखते हैं।हाल ही में जब आमिर की बेटी आयरा की सगाई नुपुर शिखरे से हुई तो किरण अपने बेटे के साथ इस कार्यक्रम में मौजूद थीं। आमिर, किरण की आने वाली फिल्म लापता लेडीज के निर्माता भी हैं, जिसका प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। आमिर ने ही सिनेस्तान स्क्रिप्ट लैब से यह स्क्रिप्ट ली थी और इसे निर्देशित करने के लिए किरण को दिया था। दोनों पानी फाउंडेशन पर भी एक साथ काम कर रहे हैं, जिसे उन्होंने एक साथ शुरू किया था।

हाईवे से मिली अलीजेह को अभिनय करने की प्रेरणा

सलमान खान की भांजी अलीजेह अग्निहोत्री ने फिल्म फर्रे के साथ अपने अभिनय करियर की शुरुआत की है। सौमेंद्र पाढ़ी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 24 नवंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। अब हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान अलीजेह ने आलिया भट्ट की फिल्म हाईवे से मिली सीख का खुलासा किया। अलीजेह अग्निहोत्री ने कहा कि उन्हें अभिनय को आगे बढ़ाने की प्रेरणा फिल्म हाईवे देखने से मिली है।

हाईवे से मिली प्रेरणा

एक मीडिया बातचीत में अलीजेह ने कहा, आलिया भट्ट की फिल्म हाईवे उस समय देखी जब मैं कॉलेज से घर लौट रही थी। इस फिल्म को देखकर एहसास हुआ कि मुझे भी अभिनय में करियर बनाना चाहिए। निर्देशक और अभिनेता नई पीढ़ी के साथ सिनेमा को जोड़ रहे हैं। इसके बाद मैंने वर्कशॉप में हिस्सा लेना शुरू किया। इंडस्ट्री में आने के लिए मैंने अपनी स्किल्स को निखारा और अभ्यास करती रही।

फिल्म से बहुत कुछ सीखा

अलीजेह अग्निहोत्री ने मीडिया बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कहा, मैंने अपनी सभी ऑडिशन की रील बनाई और सोशल मीडिया पर साझा की। लोगों से मुझे अच्छी प्रतिक्रिया मिलने लगी। फिर मैंने सौमेंद्र पाढ़ी की फिल्म फर्रे से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इस फिल्म से मैंने बहुत कुछ सीखा है। सौमेंद्र पाढ़ी सर के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा है।

इस दिन हुई रिलीज

अलीजेह अग्निहोत्री की फिल्म की बात करें तो फर्रे का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सौमेंद्र पाढ़ी ने किया है। फिल्म में अलीजेह अग्निहोत्री के अलावा साहिल मेहता, जेन शॉ, प्रसन्ना बिष्ट, रोनित रॉय और जूही बब्बर सोनी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 24 नवंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

शाहरुख के साथ अपने रिश्ते पर सलमान ने की बात

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने हाल ही में अपने और शाहरुख खान के रिश्ते को लेकर खुलासा किया है। एक बातचीत के दौरान सलमान ने शाहरुख के साथ अपनी ऑफ-स्क्रीन और ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री के बारे में बात की है। इसके साथ ही फैंस को टाइगर 3 शो के दौरान पटाखे फोड़ने के खिलाफ चेतावनी भी दी। सलमान खान हाल ही में एक बातचीत में कहा, हमारी ऑफ-स्क्रीन केमिस्ट्री हमारी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से बेहतर है, जब ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री इतनी अच्छी है, तो आप ऑफ-स्क्रीन केमिस्ट्री को समझ सकते हैं। इस वर्ष की शुरुआत में सलमान खान ने सिद्धार्थ आनंद की जासूसी थ्रिलर फिल्म पठान में शाहरुख खान के लिए कैमियो किया था।

ट्रोलिंग को नहीं समझते सलमान

शाहरुख की पठान के बाद दिवाली पर सलमान की फिल्म टाइगर 3 रिलीज हुई है। सलमान की टाइगर 3 में शाहरुख खान कैमियो रोल में नजर आए हैं। इसके अलावा वाईआरएफ की फिल्म टाइगर बनाम पठान में दोनों स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए नजर आएंगे। सलमान खान ने कहा, मैं हमेशा अपने फैंस से कहता हूं कि वह आपके भाई का भाई है, इसलिए उसे कुछ नहीं होना चाहिए। इसलिए मेरे फैंस ने इतना कुछ नहीं किया। मैं इतना सोशल मीडिया नहीं देखता, मैं ट्रोलिंग को नहीं समझता, इसलिए जो चीज मुझे समझ में नहीं आती वह मुझे ज्यादा परेशान नहीं करती, न ही शाहरुख को।

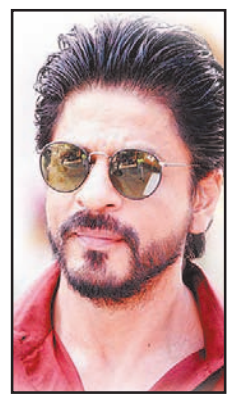

सलमान ने फैंस को दी थी चेतावनी

सलमान खान ने इससे पहले एक इंटरव्यू में बताया था, सोशल मीडिया पर फैंस क्लब एक-दूसरे को ट्रोल कर रहे हैं। साथ ही प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इसी दौरान उन्होंने दिवाली पर टाइगर 3 की रिलीज के जश्न में सिनेमा हॉल के अंदर फैंस द्वारा पटाखे चलाने को लेकर बात की थी। सलमान ने कहा था, ऐसा मत करो। ये बहुत खतरनाक है, बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। अगर ये प्रशंसक सोचते हैं कि वे ऐसा करके मेरा सम्मान अर्जित करते हैं, तो ऐसा नहीं है। आग लग सकती है और लोगों की जान जा सकती है और मैं नहीं चाहता कि कोई दुर्घटना हो।

किसी को उसकी उम्र से नहीं आंका जाना चाहिए

रानी मुखर्जी ने बॉलीवुड इंडस्ट्री को मर्दानी, चलते-चलते, वीर-जारा जैसी कई सुपरहिट फिल्में दीं। फिल्मों में अभिनेत्री को उनकी शानदार अदाकारी के लिए सराहा भी गया है। अब रानी ने कलाकारों के अभिनय कौशल के बारे में खुलकर बात की। रानी मुखर्जी का कहना है कि जब अभिनय की बात आती है तो किसी कलाकार को उसकी उम्र से नहीं आंका जाना चाहिए। गोवा में 54वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में एक इंटरैक्टिव सत्र के दौरान रानी ने कहा, मेरे दर्शकों ने मुझे प्यार किया है और वर्षों से मुझे स्वीकार किया है। उन्होंने वास्तव में मुझे उम्रवाद की इस बाधा को तोड़ने में मदद की है और मैं अपने दर्शकों से वादा करूंगी कि मैं 80 साल की उम्र तक काम करूंगी, निश्चित रूप से मुझे कोई संदेह नहीं है। अभिनेत्री ने आगे कहा, एक कलाकार होने के नाते मुझे नहीं लगता कि एक कलाकार को उसकी उम्र से आंका जाना चाहिए। आप जानते हैं कि मुझे लगता है कि ऐसा केवल इसलिए है, क्योंकि हमारा सिनेमा लोकप्रिय सिनेमा के रूप में जाना जाता है और आप युवा लोगों को स्क्रीन पर देखना चाहते हैं। यही बात युवाओं को हर समय थिएटर जाने और फिल्में देखने के लिए मजबूर करती है। रानी मुखर्जी ने आगे कहा कि खुद के भ्रमित दुनिया से बाहर आना चाहिए और विश्वास करें कि आप हमेशा युवा रहेंगे। आप दिल से भी युवा हो सकते हैं, लेकिन अपनी उम्र को स्वीकार करने और अपनी उम्र के अनुरूप भूमिकाओं को स्वीकार करने पर आप दर्शकों के दिल में और खास जगह बना पाएंगे, इसलिए यह हमेशा से मेरा एक सचेत निर्णय रहा है कि मैं अपने दर्शकों को कुछ ऐसा दे सकूं जो उन्हें पसंद आए।

रानी ने कहा कि अगर मुझे आज एक कॉलेज छात्रा की भूमिका निभानी होती तो मैं एक कॉलेज छात्रा की भूमिका निभा सकती थी, लेकिन मुझे उन्हें यह भी दिखाना होगा कि मैं एक मां हूं और मेरी उम्र 40 साल है और मैंने शायद कॉलेज वापस जाने का फैसला किया है, क्योंकि इस उम्र में ऐसे बहुत से लोग हैं, जो कॉलेज वापस जाते हैं और अध्ययन करते हैं।

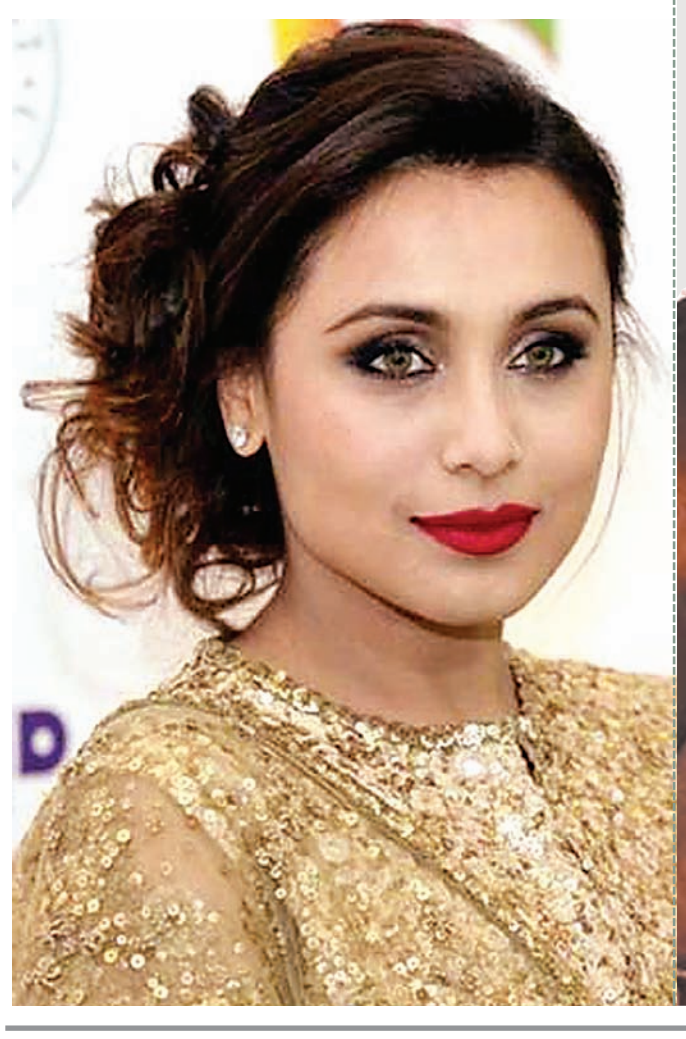

हमेशा गुणवत्ता वाले किरदार करने पर फोकस रहा है

लंबे वक्त बाद ही सही विजय वर्मा ने इंडस्ट्री में अपने पैर अच्छी तरह जमा लिए हैं। डार्लिंग्स, जाने जां, गली बॉय और लस्ट स्टोरीज जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए उन्होंने दर्शकों के बीच अच्छी जगह बनाई है। मगर, यहां तक पहुंचने में विजय वर्मा को खूब पापड़ बेलने पड़े। कई रिजेक्शन मिले तो कई प्रोजेक्ट हाथ में आने के बाद भी निकल गए। हाल ही में अभिनेता अपने संघर्ष भरे दिनों का जिक्र करते दिखे। अभिनेता विजय वर्मा हाल ही में अपने संघर्ष भरे दिनों पर चर्चा करते नजर आए। उन्होंने बताया कि तमाम चुनौतियों का सामना करने के बाद वे यहां तक पहुचे हैं। अभिनेता ने कहा कि उनका फोकस हमेशा गुणवत्ता वाले किरदार करने पर रहा है। एक्टर ने बताया उस समय उनके पास एक किरदार का ऑफर आया। उन्हें एक रिपोर्टर का छोटा सा रोल अदा करना था। एक दिन के उन्हें तीन हजार रुपये दिए जा रहे थे। मनपसंद किरदार ने होने के बावजूद आर्थिक दिक्कतों के चलते उन्होंने यह रोल अदा करने का फैसला लिया। जैसे ही उन्होंने इसकी शूटिंग शुरू की, उन्हें यह अहसास हो गया कि उनका दिल और मन इस किरदार को करने के लिए राजी नहीं हैं। इसका नतीजा यह हुआ कि इसमें वह बेहतर तरीके से परफॉर्म नहीं कर पाए। अभिनेता ने बताया कि इस किरदार को अदा करते हुए चुनौती यह थी कि इसके डायलॉग अंग्रेजी में थे, जिससे उनके लिए एक अंग्रेजी रिपोर्टर की भूमिका निभाना मुश्किल हो गया। नतीजतन, उन्हें सेट से निकाल दिया गया। इसका विजय वर्मा को काफी अफसोस हुआ, लेकिन साथ ही उन्होंने एक अहम फैसला भी लिया। विजय वर्मा ने बताया, मैंने तब तक मॉनसून शूटआउट की शूटिंग पूरी कर ली थी। इसलिए मैंने जब तक अहम भूमिका निभाई थी। लेकिन, जब मैं इस अनुभव से गुजरा तो वापस लौटते हुए रो रहा था। उस समय मैंने खुद से यह वादा किया कि अब कभी भी पैसे के लिए मैं कुछ भी नहीं करूंगा। यह, घटना 2014 में हुई थी। तब से मैंने पैसे के लिए कुछ नहीं किया है।

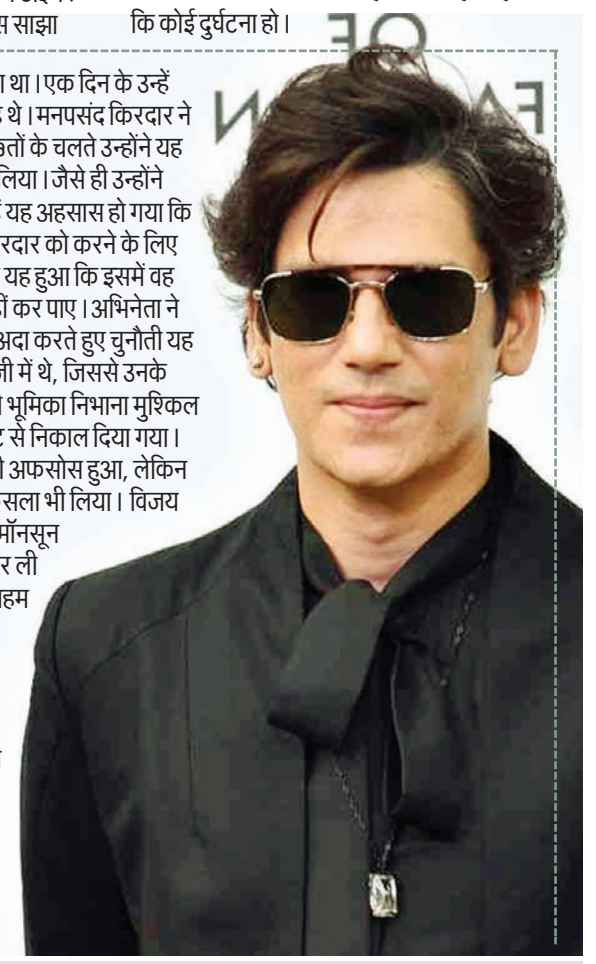

मिर्जापुर 3 को लेकर उत्साहित हैं अली फजल, कहा- रोमांचक मोड़ लाएगा उनका किरदार

मिर्जापुर फ्रेंचाइजी में गुड्डू भैया का किरदार निभाने वाले एक्टर अली फजल ने अपकमिंग सीजन के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, इस बार, यह गुड्डू भैया का और भी अधिक दिलचस्प और शानदार परफॉर्मेंस होने वाला है। अली ने आगे कहा, सीजन 2 में गेम के बाद गुड्डू अब सीजन 3 में सच्ची भावना के साथ वापस आने के लिए तैयार है। गुड्डू पंडित के फैंस सीजन 2 में मेरे कम समय के स्क्रीन पर आने के बारे में सोच रहे थे, लेकिन मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि सीजन 3 में जो आने वाला है उससे वे ज्यादा खुश होंगे। निर्माताओं ने निश्चित रूप से इस सीज़न को बढ़ाया है और गुड्डू रोमांचक मोड़ लाएगा, क्योंकि गुड्डू एक्शन में वापस आ गया है। मिर्जापुर एक क्राइम थ्रिलर है जिसमें अली फज़ल, रसिका दुग्गल, श्वेता त्रिपाठी, विजय वर्मा और पंकज त्रिपाठी ने अभिनय किया है। मिर्ज़ापुर 2 की मनोरंजक कहानी एक दिलचस्प क्लिफ-हैंगर पर समाप्त हुई। कहानी अखंडानंद त्रिपाठी (पंकज त्रिपाठी) की है, जिन्हें कालीन भैया के नाम से भी जाना जाता है, जो उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र में माफिया डॉन और मिर्ज़ापुर के शासक है।